नवा हौड़ो जगर मुंडि

नवीन मुण्डारी व्याकरण

डॉ० मनसिद्ध बड़ायऊद्

नवा होड़ो जगर मुंडि

नवीन मुण्डारी व्याकरण

डॉ० मनसिद्ध बड़ायऊद्

प्रथम संस्करण : 2005

द्वितीय संस्करण : 2007

तृतीय संस्करण : 2008

चतुर्थ संस्करण : 2011

पंचम संस्करण : 2013

षष्ठम संस्करण : 2014

सप्तम् संस्करण : 2017

पुस्तक मिलने का पता : न्यू गार्डेन सिरूम टोली, राँची

कॉपीराइट : लेखक के अधीन

मूल्य : रु० 100/-

देंगा गोमके: निकोदीम केरकेट्टा

मुद्रक : काथलिक प्रेस, राँची - 834001 ☎ (0651) 2350417 / 8757340417

E-mail : catholic_press@yahoo.in

बितिरिद्

"होड़ो" मेन लेरे मियद् दो जाँ जेता होड़ो गे बुजवोअ ओड़ो: एटअ: लेकाते मेन लेरे होड़ो दो मुण्डाकोअ: सकि नुतुमों तनअ: । मुण्डाको गे "होड़ोको" कजिओ: तना मेने कजि फॉ० जॉन बपतिस्त हॉफमन अएअ: पुथि "इन्साइक्लोपीडिया मुण्डारिका" रे नेकाए ओलाकदा :-The Munda Call themselves Horoko (or Hoko in singbhum) । मइनन् गोमकेअ: ने कजि ते सबुति नमों : तना चि मुण्डाको गे "होड़ोको" नुतुमों : तना ओड़ो: मुण्डा जगर गे "होड़ो जगर" चि "होड़ो कजि " मेनो: तना । एनाते पुथि रअ: सकि नुतुम रे मुण्डा जगर/मुण्डारी ओलो: तअ: रे होड़ो जगर ओलाकना ।

होड़ो जगर मिद् मुनु आते होड़ोको चि मुण्डाको गे जगर आउ लेद् जगर तनअ: । निमतङ होड़ो जगर झारखण्ड, बिहार, बंगाल, उड़िसा, असम ओड़ो: अण्डामन निकोबर को रेओ जगरो तना । मेनदो पुरअ: उत्तर ते होड़ो जगर, जगर तन को झारखण्ड राइज रेगे मेनअ: कोअ । होड़ो जगर उपुन लेका ते जगरो : तना - हसादअ:, नगुरि, केरअ:, ओड़ो: लतर दिसुम मुण्डा जगर । हसादअ: राँची चाइबासा संडका ते सिंगि तुरो: रे, नगुरि सिंगि डुंबुइ: सअ: रे, केरअ: राँची शहर ओड़ो: ने शहर रअ: होपोर जपअ: हातुको रे आद् लतर दिसुम मुण्डा जगर अनगड़ा, बुण्डू, तमाड़, सोना हातु ओड़ो: सिल्ली प्रखण्डको रे जगरो तना ।

सेंड़ान होड़ोकोअ: सलाह ओड़ो: इकिरान् उड़ु: लेकाते जगर मुंडि रेअ: ने पुथि हसादअ: जगर ते ओल जना । हसादअ: होड़ो जगर रे मियद् खंटि जगरो हिसाबो: तना ओड़ो: एटअ: कजि दो इतुन पुथिको खंटि जगर रे गे ओले लगतिङा । नगुरि जगर रे हिन्दी ओड़ो: सदरी जगर रअ: टुङको पुरअ: नों: सेलेद् मिसाकना । ने कजि बङगअ:इ जन गोमके फॉ० पी० पोनेट एस० जे० "दी मुण्डा वार्ल्ड" नुतुम पुथि रेए ओलाकदा - It is true that Naguri Munda is more affected by Hindi and Sadri words and constructions, where as Hasada Munda and Ho are more pure Munda Languages. हसादअ: जगर ते पुथि ओलाकन रेओ नेरे हसादअ: रअ: टुङको एस्कर गेअ, मेने कजि दो का, ने पुथि रे नगुरि, केरअ: ओड़ो: लतर दिसुम मुण्डा जगर रअ: टुङको रिता गे लेल दड़िओ:अ ।

पुथि बइ कमि रे ओको पुथिको आते पुरअ: उतर देंगा आउअकना, एन पुथिको रे डॉ० राम दयाल मुण्डाअ: "मुण्डारी हिन्दी व्याकरण", निर्मल सोयअ: "होड़ो जगर मुंडि", निकोदीम केरकेटाअ: "बइअंकिर" डॉ० मनमसीह मुण्डूअ: "मुण्डारी संक्षेप व्याकरण" मेनास राम ओड़ेयाअ: "मथुराअ: कहनि", ओलनिअ: "जोनोका कजि ओड़ो: कजि रअ:

जुगुतुको", ओड़ो: फॉ० पी० पोनेट् ओलाकद् "हड़मकोअ: कजिको" आद् ओड़ो: गे एटअ: एटअ: हुड़िङ मरङ पुथिको तनअ: ।

पुथि रे हिन्दी व्याकरण रअ: नुतुमको होड़ो जगर ते सकिअकना ओडो: सिदा रअ: होड़ो जगर सकि नुतुमको तारा दो बदिलि रूड़ाकना । तारा नुतुमको नंवा गे बइअकना । पुथि रे ईतु गोमके ओड़ो: ओल पढ़व सेपेड़ेद् हपानुमकोअ: सोबोसिता नेल केआते होड़ो जगर सकि नुतुमको लतर रे हिन्दी नुतुमको ओल जमाकना । इसु टयद् रेदो होड़ो जगर ते ओलाकन पिनितिको सनते हिन्दी ते उल्थाकना । होड़ो जगर रेअ: ओनोल मिद् लेका सोबेनकोअ: बइओ: का मेनते पुथि रे बनि सोनोतो: रेअ: मुंडि ओमाकना । ने पुथि रे होड़ो जगर ते हिन्दी रेअ: सम्मोचरित भिन्नार्थक शब्द, विलोम शब्द, सहचर शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द, संक्षेपण, पत्र लेखन, मुहावरा ओड़ो: कहावत को, जोटोगाकना ।

एनाते ने पुथि ओल सोतो: संगोम कमि रे देंगाकेन सेंड़ान हगा ओड़ो: मिसिको रे मिमियद को नुतुम नुतुम तेदो काको उदुब् चुंडुल चबा दड़िओ:अ । चिअ:चि चिमिंन को दो नाअ: रिड़िंओ को रिडिंओ: तना । ओकोए चिमतङ चिनअ:ए उदुब् देंगाकेना चिए ओल देंगाकेना, इनकु तारा अतोम आते काको उड़ु: तेबगो: तना । मेनदो ओको हगा-मिसिको अंओ:ते सदिनिन तन लेका दुबगिड़ि को: आते ने पुथि बइ कमि रे सेंड़ां ओड़ो: पेड़े: गलव केआते को देंगाकदा एन सेंड़ान हगाको रे मियद् दो मइनन् निकोदोम केरकेट्टा "सलायन" तनि: । इनि: कजिते ओड़ो: कमि ते बरन लेकाते गे ने पुथि बइ कमि रेए: देंगाकदा । एन लेकागे मिसिको रे मइनन बहामनी गुड़िया ने पुथि रेअ: पंडु लिपि निदा ते सिंगि ते टाइप केआते ओड़ो: पुथि रेअ: ओनोल सोनोतो: को लेल रूड़ा केद ते पुरअ: उतर गेए देंगाकदा । इनिअ: देंगा काते ने पुथि निमतङ का जाअ: बइ तेयर दड़िजन तेअ: ।

नेअ "नवा होड़ो जगर मुंडि पुथि रेअ: तयोम छनपा तनअ: । ने छनपा रे हुड़िङ लेका नवा कंजिको ओल बोतोगाकना ओड़ो: सिदा छनपा रेअ:मरि कजिको ओल सोतोगा कना । एनाते असराए मेनअ: सिदा छनपा ते तयोम छनपा पुरअ: निमन बु अटकरएअ ।

टुंडु रे अपे दुलड़ हगा मिसिको आतेइञ् असाराए तना, अपेअ: दुलड़ "नवा होड़ो जगर मुंडि" पुथि होरातेइञ् नमे गेअ ।

ओ'लनि:

पिचा सकम

	पइति	लेनेका सकम
1.	सड़ा (ध्वनि)	1
2.	बनि मुंडि (अक्षर ज्ञान)	2
3.	टुंङ मुडि (शब्द ज्ञान)	5
4.	बकंड़ा मुंडि (वाक्य ज्ञान)	9
5.	बनि सोनोतो: (वर्त्तनी)	10
6.	मेता (संज्ञा)	25
7.	जति (लिंग)	30
8.	सकम (वचन)	33
9.	गनलङ (कारक)	37
10.	नङमेता (सर्वनाम)	41
11.	गमनङ (विशेषण)	48
12.	उदम (क्रिया)	53
13.	उदम गमनङ (क्रियां विशेषण)	63
14.	बकंड़ा रोकोम (वाच्य)	65
15.	बेड़ा (काल)	67
16.	गनतिन (प्रत्यय)	78
17.	टुंङ मेनेसा (समास)	85
18.	बकंड़ा बनइ (वाक्य रचना)	90
19.	मिद् लेका ओरोतो उड़ुङो:तन टुङको (पर्यायवाची शब्द)	93
20.	मिद् लेका पुचिदो:तन बिनगा ओरोतो टुङको (सम्मोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)	95
21.	उल्टा ओरोतो टुङको (विपरीतार्थक शब्द)	98
22.	सुपुतु:अकन टुङको (सहचर शब्द)	102
23.	संगि टुङको रअ: एस्कर टुङ	105
24.	जोनोका कजिको (मुहावरा)	108
25.	कजि रअ: जुगुतुको (कहावत)	133
26.	कटो ओनोल (संक्षेपण)	139
27.	लिका ओनोल (पत्र लेखन)	144

जगर मुंडि
(व्याकरण)

होड़ो जगर निमन चि खंटि गे बेरेलाकन तइनों:रे सइति ओड़ो: संसकिर होड़ो होनकोअ: का जिअनो:अ एनादो सनरति गे तनअ: । होड़ो जगर रे हसादअ:, नगुरि, केरअ: ओड़ो: लतर दिसुम मुण्डा जगर समजमा उपुनिया जगर मुटन नमो: तना, मेन्दो हसादअ: गे मियद् निमन चि खंटि जगर मुटन तनअ: । चिअ:चि नगुरि, हिन्दी-सादरी ते ओड़ो: लतर दिसुम मुण्डा जगर बंगला ते लेनाकन लेका बइअकना । केरअ: मुण्डा जगर दो एटअ: एटअ: जगर को तेगे तोपा गिड़िअकना । नेका रे मियद् मूद् ओड़ो: खंटि जगर रेअ: मुटन सेपेड़ेद् ओड़ो: हपानुम को काको ओतोङ दड़िअ । एना मेनते होड़ो जगर रे जगर मुंडि पुथि रेअ: दरकार रिता गे लेल दड़िओ: अ । असल रे जगर मुंडि (व्याकरण) होरा ते गे होड़ो जगर रेअ: बनइ जुगुतु (भाषिक रचना शैली) रेअ: सेंड़ां मिमिद् होड़ोको रे चलजद् लोओ: जतन दड़िओ:तना ।

जगर बकंड़ातन इमतङ को रे जनव चिमिनङ बनो : चिमिनङ कजि गलतिओ:तना । चिमिन गलतिको सोंगड़ा उड़ु:ते का उड़ु: तेबअ: दड़िओ:तना । जगर बकंड़ा रे होबाओ:तन ने गलतिको गे "जगर मुंडि" होरा ते पिचा नमो:तना । जगर मुंडि रे गे ठउका-ठउका जगर ओड़ो; ओनोल मुंडि रअ:इनितुको उदुबो:तना ।

जगर रे इसु अइन को मेनअ: । ने अइनको तेगे जगर तोलाकना । बनि, टुङ, ओड़ो: बकंड़ा जोतो जगर रेअ: अइन लेकाते गे जोटोगाकना । गणित चिल्का सूत्र अउरि इतुए बारि का बइओ:अ, एनकागे जगर रअ: अइनो अउरि सबे जकेद् जगर का बइ जुगुतु दड़िओ:अ । एनाते गणित रे "सूत्र" रअ: ओड़ो: जगर रे "अइन" रअ: मइन से गेअ । ने अइन रअ: होरा तेगे जगर का हइनो: तना ओड़ो: दिमसि खंटि गे तइन तना ।

जगर मुंडि रे बनि, टुङ ओड़ो: बकंड़ा मुंडि एमनको रअ: तारा अतोमाते विचारो: तना । नेअ को रअ: जुगुतु ओड़ो: का जुगुतु नेरे गे सलानम - पितिनमो:तना । जगर मुंडि काते जेता जगर रअ: मरम चि मुंडि का नम दड़िओ:अ ।

सड़ा
(ध्वनि)

मोचा ते पुचिद् उड़ुङोःतन सड़ि गे सड़ा कजिओःतना। ने सड़ा मेद् ते का लेलोःअ। नेअ दो लुतुर ते एस्कर गे अयुम दड़िओःअ। एटअः लेकाते, "बनि रअः अनायुम मुटन गे सड़ा कजिओः तना।"

(मुँह से उच्चारण करते समय निकलने वाली आवाज को ही ध्वनि कहते हैं।" ध्वनि आँखों से दिखाई नहीं देती है। यह केवल कान से सुना जा सकता है। दूसरे शब्दों में – "वर्ण के श्रुति रूप को ही ध्वनि कहा जाता है।")

मोचा ते पुचिदोःतन "सड़ा" बर रोकोम रअः नमोःतना। मिद् रोकोम रअः सड़ा आँवगे ककलाओःतना। ने ककला सड़ा ते जेतनअः रअः मुंडि का नमोः तना। एनाते नेअ "का मुंडिअन सड़ा" कजिओःतना।

चिल्का (जैसे):-

ठा, ठू, ह, हि, एमन सड़ाको।

एटअः रोकोम रेअः सड़ा ते पुचिद्तनिअः सनङ अयुमे लोः गे मुंडिओःतना। एनाते नेअ, "मुंडिअन सड़ा" कजिओःतना।

चिल्का (जैसे):-

ने, दे, दो, जू, मर, एमन सड़ाको।

असल रे जगर मुंडि रअः पिनिति पइति दो "मुंडिअन सड़ा" गे तनअः।

(जगर मुंडि रेअः पइति)
(व्याकरण के वर्ण्य विषय)

जगर मुंडि रे पितिओः तन पइति नेअको तनअः :-

1. बनि मुंडि (अक्षर ज्ञान)
2. टुङ मुंडि (शब्द ज्ञान)
3. बकंड़ा मुंडि (वाक्य ज्ञान)

बनि मुंडि

(अक्षर ज्ञान)

एनका दो "सड़ा रअ: ओनोल मुटन गे बनि कजिओ: तना ।" मेन्दो असल रे एन मुनु सड़ा गे "बनि" कजि दड़िओ:अ ओकोअ ओड़ो : एटअ: सोमते का हटिङ रूड़ाओ:तना । (एक प्रकार से ध्वनि के लिखित रूप को ही वर्ण कहते हैं । लेकिन वास्तव में उस मूल ध्वनि को वर्ण कहा जाता है जो अविभाज्य होता है ।)

चिल्का (जैसे) :-

अ, इ, उ, ओड़ो: क, एमन बनिको ।

होड़ो जगर रे बनि बरतअ: रे हटिङाकना :-

1. मुनु बनि (स्वर वर्ण)
2. बोजा बनि (व्यंजन वर्ण)

1. **मुनु बनि** (स्वर वर्ण) :- सोंगड़ा ओड़ो: जेता बेगर एटअ: सड़ा रअ: देंगाते पुचिदो:तन बनिको गे मुनु बनि कजिओ:तना । (बिना किसी दूसरी ध्वनि की सहायता से सहज ही उच्चारित होने वाले वर्ण को स्वर वर्ण कहते हैं ।) मुनु बनि ओड़ो: बरतअ: रे हटिङाकना

   i. दिंगाए : मुन बनि (अल्प स्वर वर्ण)
   ii. जिलिङ मुनु बनि (दीर्घ स्वर वर्ण)

i. **दिंगाए: मुनु बनि** (अल्प स्वर वर्ण) :- सेकेड़ा ओड़ो: सांगड़ाते पुचिदो:तन बनिको गे "दिंगाए : मुनु बनि" कजिओ:तना ।

चिल्का (जैसे):-

अ, इ, उ, ए, ओ, अं, ओड़ो: अ: ।

ii. **जिलिङ मुनु बनि** (दीर्घ स्वर वर्ण) :- पुनुचिद् रे गाड़िओ:तन (मुनु) बनिको गे जिलिङ मुनु बनि कजिओ:तना ।

चिल्का (जैसे):-

आ, ई, ऊ, ऐ, ओड़ो: औ ।

2. **बोजा बनि** (व्यंजन वर्ण):- मुनु बनि (अ) क्राते का पुचिद् दड़िओ:तन बनिको गे "बोजा बनि" कजिओ:तना ।

(स्वर वर्ण अ के बिना उच्चारित नहीं होने वाली ध्वनि को व्यंजन वर्ण करते हैं)

पुनुचिद् लेकाते बोजा बनि ओड़ो: उपुनतअ: रे हटिङाकना :-

1. रबल बोजा बनि (अल्पप्राण)
2. हंबल बोजा बनि (महाप्राण)
3. मुनु बोजा बनि (अनुनासिक)
4. तारा बोजा बनि (अर्द्धव्यंजन)

1. **रबल बोजा बनि** (अल्पप्राण)

क,	ग,
च,	ज,
ट,	ड,
त,	द,
प,	ब,

2. **हंबल बोजा बनि** (महाप्राण)

ख,	घ,
छ,	झ,
ठ,	ढ,
थ,	ध,
फ,	भ,

मुनु बोजा बनि (अनुनासिक)

ङ
ञ
ण
न,
म,

4. **तारा बोजा बनि** (अर्द्ध व्यंजन)

य,	र,
ल,	व,
स,	ह,
ड़,	ढ़,

बनितोङ चिनाको

(मात्रा चिह्न)

बनितोङ (बनि ओतोङ) चिनाको मुनु बनि रअः एस्कर गेअ, बोजा बनि रअः दो बनो:अ। पुनुचिद् परगंड़ा लेकाते बनितोङ चिनाको बरतअः रे हटिङाकना :-

1. दिंगाए : बनितोङ चिना (अल्प मात्रिक चिह्न)
2. जिलिङ बनितोङ चिना (दीर्घ मात्रिक चिह्न)

1. दिंगाए : बनितोङ चिना (अल्प मात्रिक चिह्न)

अ,	(़)
इ	(ि)
उ	(ु)
ए	(े)
ओ	(ो)
अं	(ं)
अः	(ः)

2. जिलिङ बनितोङ चिना (दीर्घ मात्रिक चिह्न)

आ	(ा)
ई	(ी)
ऊ	(ू)
ऐ	(ै)

पहमे कजि :- होड़ो जगर रेअः ओनोल रे जिलिङ बनितोङ चिना "ऐ" (ै)
ओड़ो: "औ" (ौ) एनका रअः एनका गे का जोटोगो: तना।

बनि हिसिर

(वर्णमाला)

होड़ो जगर रेअः ओनोल रे जोटो: जमाओ: तन मुनु ओड़ो: बोजा बनि नेअको तनअः

मुनु बनि : अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः,।

बोजा बनि क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व स
ह ड़ ढ़

पुनुचिद् टयद् लेकाते बोजा बनिको नेका हटिङाकना :-

उद् टोटोड़ां ते (कण्ट से)	:	क	ख	ग	घ	ङ
तलुवा ते (तालु से)	:	च	छ	ज	झ	ञ
लेएः आद् तालु ते (मूर्द्धा से)	:	ट	ठ	ड	ढ	ण
डाटा ते (दन्त से)	:	त	थ	द	ध	न
लचो ते (ओष्ठ से)	:	प	फ	ब	भ	म

टुङ मुंडि
(शब्द ज्ञान)

सड़ा रअः सोंगे ते मिद् चरिःरे सोतोः संगोमाकन सुगड़ा ओड़ोः सुपट बनि च बनि रअः गोट गे टुङ कजिओः तना ।

(ध्वनियों के मेल से बने सार्थक वर्ण या वर्ण समुदाय को शब्द कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

द, दे, दो, ने, जू, एमन टुङको ।

पुनुचिद् रे नमोः तन जोतो टुङको बरतंअः रे हटिङाकनाः-

(i) मुंडिअन टुङ

(ii) का मुंडिअन टुङ,

1. **मुंडिअन टुङ** (सार्थक शब्द):- मुंडिअन टुङको ते कजि तनिअ: मोने ओड़ो: सनङ रअ: मुंडि नमो: तना ।
एटअ: लेकाते कजि दड़िओ:अ मुंडिअन टुङको रअ: ओरोतो रिता गे उड़ुङो: तना ।

चिल्का (जैसे):-

बाबा, दादा. मंडि, उतु एमन टुङको ।

2. **का मुंडिअन टुङ** (निरार्थक शब्द) :- का मुंडिअन टुङको ते कजि तन होड़ोअ: मोने ओड़ो: सनङ रअ: मुंडि का नमो: तना । नेकन टुङ को ककला चि कउरि लेका टेटेड़ें:गे अयुमो:अ ।

चिल्का (जैसे):-

ह. हि, हू, एमन टुङको ।

टुङको रअ: रोकोम

होड़ो जगर ते बकड़ातन इमतङ को चिमिन बनो: चि.मेन टुङको दिमसि ने मोचा ते पुचिद् उड़ुङो: तना । एन टुङको रे चिमिन दो मिद् मुनु आते नाअ: जकेद् सिदा लेका खंटि गे कजिओ: तना, मेन्दो ओल-पढ़व चि एटअ: जति होड़ोको लो: दुब् तिंगुनतन लेकाते एटअ: जगर रअ: टुङको होड़ो जगर रे बोलो इदितना आद् नेकाते होड़ो जगर बोज़ातन पउंटि गे टोरो:तना । मियद् एटअ: कजि दो नेअ गे चि होड़ो जगर रे बनो: उतर टुङको एटअ: जगर टुङको लो: जोका केआते नवा बरिद् टुङको बइ सोतो: संगोम इदिओ:तना । ने लेकाते लेल लेरे होड़ो जगर रे अपि किसिम रअ: टुङको नमो: तना :-

1. मुनु टुङको ।
2. एटअ: टुङको ।
3. नवा टुङको ।

1. **मुनु टुङको** :- ओको टुङको मिद् मुनु आते होड़ो जगर रे खंटिगे कजि चि जगर अगुवाकना ओड़ो: एन टुङको रे जेता एटअ: जगर रअ: सेनेलेद् का नमो: तना, एन टुङको मुनु टुङ कजिओ: तना ।

चिल्का (जैसे):-

मुनु टुङको (मूल शब्द)	टुङको रअ: ओरोतो (शब्दार्थ)
नयल	(= हल)
बयर	(= रस्सी)
सिम	(= मुर्गी)

कुड़ि	(= लड़की)
उलि	(= आम)
निर	(= दौड़ना)
सेता	(= कुत्ता)
उरि:	(= गाय/बैल)
कमि	(= काम)
मेद्	(= आँख)

2. **एटअ: जगर टुङको** - होड़ो जगर रे चिमिन-चिमिन पचवगिड़ितद् लेकन एटअ: जगर को रअ: टुङको मेनागा ओड़ो: ने टुङको जगर बकंड़ा रे सेए: गिड़िअकन लेका बइअकना । एनाते नेअको एटअ: जगर रअ: टुङको लेका का अटकरो:तना । ने टुङको रे संस्कृत, अरबी, फारसी ओड़ो: अंग्रेजी जगर रअ: टुङको लेल दड़िओ:अ ।

चिल्का (जैसे):-

होड़ो जगर टुङ (मुण्डारी के शब्द)	संस्कृत टुङ (संस्कृत के शब्द)
कुटुम	कुटुम्ब
दातरोम	दात्रम
कोनेया	कन्या
आर	आहार
दोरपोन	दर्पण
कलजुग	कलयुग
दोरसोन	दर्शन
पंति	पंक्ति

होड़ो जगर टुङ (मुण्डारी के शब्द)	अरबी टुङ (अरबी के शब्द)
जबहा	जबह
मुकुदिमा	मुकदमा
मुसकिल	मुश्किल
देहाइति	देहात
गोरोजो	गरज

होड़ो जगर टुङ (मुण्डारी के शब्द)	फारसी टुङ (फारसी के शब्द)
फुरसइति	फुरसत
मलिकि	मालिक
बदिलि	बदला
सूद	सूद
सिरनि	सिरनी

होड़ो जगर टुङ (मुण्डारी के शब्द)	अंग्रेजी टुङ (अंग्रेजी के शब्द)
इसकुल	स्कूल
जेल	जेल
टिकट	टिकट
बंगला	बंगला
बकसा	बक्स
बोतोलो	बोतल
मासटर	मास्टर
रसीद	रसीद
रेल	रेल
लालटेन	लालटेन
सइकल	सइकिल

नवा टुंङको

होड़ो जगर रे इसु टुङको बनो: उतरा। एनाते अङो:मा जगर बकंड़ाको रे टेनेकद् बइओ:तना। एना मेन्ते निमतङ होड़ो जगर रे नवा नवा टुङको बइ बोतोगो: तना ओड़ो:चिमिन नवा टुंङको दो बइओ बइ तेयराकना। ने टुङको ते एटअ: जगर रअ: ओरोतो कोंयो: तना, एन लेकाते नवा टुङको कोंयन टुङ मेनतेओ कजिओ:तना।

होड़ो जगर रअ: नवा टुङको (मुण्डारी के नये शब्द)	टुंङको रअ: ओरोतो (शब्दों के अर्थ)
इतुसइ	(= पाठशाला)
ससंकिर	(= संस्कृति)
कपोंटअ:	(= खिड़की)
उदम	(= क्रिया)

बकंड़ा मुंडि
(वाक्य ज्ञान)

होड़ो होन अएअः मोन रअः उड़ुः विचारको बकंड़ा तेगेए उदुब्जदा । एन लेका गे जेता होड़ोअः मोने सनङो बकंड़ा होरा तेगेए कुलिओःतना । एनाते बकंड़ा मिद् रोकोम ते कुपुलि कपाजि रअः मियद् होरा तनअः ।

जगरतन इमतङ कोरे बकंड़ा मिद् टुङ तेओ बइओ तना ओड़ोः मिद् सोनोतोः रे संगोमाकन टुङको तेओ । ने लेकाते बकंड़ा रअः मुटन दिंगाए ओड़ोः जिलिङ बर रोकोम रअः नमोःतना । होबा दड़िओःअ; अङोः मा रेअः दुब् जारू रे ओड़ोः गे जाअः ओसर बकंड़ा को जगरतन इमतङ कोरे जोटोगोःतना मेन्दो पुरअः ते बर रोकोम रेअः बकंड़ा तेगे दिनाकि कुपुलि कपाजिओः तना ।

असल रे गोनोङअन बकंड़ा दो एना गे तनअः ओकोअ मोन सुरूद् रे रोओःगिड़िओःतना ओड़ोः चिउलाओ कबु रिड़िङ जदा । एना तेगे चा "जेता मियद् सुपट टुङ चा टुङको रअः सोनोतोः गे बकंड़ा कजिअकना ।"

बकंड़ा मुंडि रे, बकंड़ा रअः बनर लोःते, बकंड़ा बनइ ओड़ोः बकंड़ा रोकोम रअः कजिको विचारोः तना । बकंड़ा बइतन कोरे नमोः तन सोबेन सनब् को नेरे गे मिद् मुनु आते ठहरवाकन लेका एनाको रअः टयद् उदुबोःतना ।

बकंड़ा बर रोकोम ते हटिङाकना । मियद् दो बनइ लेकाते ओड़ोः एटागअः दो ओरोतो लेकाते ।

बकंड़ा बनइ लेकाते बरतअः रे हटिङाकना :-

1. सोंगड़ा बकंड़ा (सरल वाक्य)
2. ओसर बकंड़ा (संयुक्त वाक्य)

एन लेकागे ओरोतो लेका ते बकंड़ा तुरि तअः रे हटिङाकना :-

1. मुंडि उदुब् बकंड़ा (विधान वाचक वाक्य)
2. कुनुलि उदुब् बकंड़ा (प्रश्न वाचक वाक्य)
3. उजुर उदुब् बकंड़ा (नकार वाचक वाक्य)
4. इदु उदुब् बकंड़ा (संदेह वाचक वाक्य)
5. अनाचु उदुब् बकंड़ा (आज्ञा वाचक वाक्य)
6. सुपट मुंडि उदुब् बकंड़ा (निश्चय वाचक वाक्य)

अयर रेअः कुतुइ रे तारा अतोम आते मिमियद् बकंड़ाको रेअः बनर जोनोका लोः ते उदुब् इदिअकना ।

बनि सोनोतोः
(वर्त्तनी)

होड़ो जगर ओनोल रे बनि सोनोतोः रेअः पहमे कजिको नेका नेल दड़िओःअ । (मुण्डारी भाषा की लेखनी में वर्त्तनी से सम्बन्धित निम्नलिखित विचारणीय तथ्य देखे जा सकते हैं)

1 **मुनु बनि** :- होड़ो जगर रेअः ओनोल रे दिंगाएः मुनु ओड़ोः जिलिङ मुनु बनि बरानअः गे जगाजइन जोटोगोःतना । मेन्दो दिंगाएः मुनु बनि, जिलिङ मुनु बनिको आते पुरअःगरङ ओल जमाओःतना । ओकोतअः रे पुनुचिद् सड़ा दिंगाएः गे उड़ुङोःतना, एनतअः रे दिंगाएः मुनु बनिः ओड़ोः ओकोतअः रे पुनुचिद् सड़ा जिलिङोःतना, एन टयद् रे जिलिङ मुनु बनि ओलोः तना ।

(ह्रस्व और दीर्घ स्वर दोनों का ही मुण्डारी भाषा में यथा स्थान प्रयोग मिलता है । लेकिन दीर्घ-स्वर वर्णों की तुलना में ह्रस्व-स्वर वर्णों का लेखन में अधिक प्रयोग किया जाता है । जहाँ स्वर वर्ण का ह्रस्व की तरह उच्चारण होता है, वहाँ पर ह्रस्व स्वर और जहाँ दीर्घ की तरह उच्चारण होता है वहाँ पर दीर्घ स्वर वर्ण का प्रयोग होता है ।)

चिल्का (जैसे):-

दिंगाएः पुनुचिद् (ह्रस्व उच्चरण)	जिलिङ पुनुचिद् (दीर्घ उच्चरण)
उर = (कोड़ना)	ऊर = (चमड़ा)
उब् = (उड़ेलना)	ऊब् = (बाल)

2 **बनितोङ चिना** :- ओकोतअःरे पुनुचिद् सड़ा दिंगाएः गे उड़ुङोःतना एनतअःरे दिंगाएः बनितोङ चिना ओड़ोः ओकोतअः रे पुनुचिद् सड़ा जिलिङ गे उड़ुङोःतना एनतअःरे जिलिङ बनितोङ चिना ओमोःतना ।

(जहाँ पर ह्रस्व की तरह उच्चारण होता है, वहाँ पर अल्प मात्रिक चिह्न और जहाँ पर दीर्घ की तरह उच्चारण होता है, वहाँ पर दीर्घ मात्रिक चिह्नों का प्रयोग होता है ।)

चिल्का (जैसे):-

दिंगाए: बनितोङ चिना	जिलिङ बनितोङ चिना
(अल्प मात्रिक चिह्न)	(दीर्घ मात्रिक चिह्न)
पिटि = (पेटी)	पीटि = (बाजार)
जिर = (झलना)	जीर = (दलदल)
जुला = (कमीज)	जूला = (चूल्हा)

3 **श / ष / स** :- होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे बोजा बनि "स" एस्कर गे ओलो: तना "श" ओड़ो: "ष" दो का।
(मुण्डारी भाषा के लेखन में केवल मूर्धन्य "स" का ही प्रयोग मिलता है, तालव्य "श" और पेटकटा "ष" का नहीं।)

4 **क्ष / त्र / ज्ञ** :- क्ष, त्र ओड़ो: ज्ञ होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे का जोटोगो: तना। मेन्दो "ज्ञानी" ओलतन दिपिलि "ज्ञ" ओलबड़ाओ: तना।
(क्ष, त्र, और ज्ञ का मुण्डारी भाषा के लेखन में प्रयोग नहीं मिलता है लेकिन कभी-कभी "ज्ञानी" लिखते समय "ज्ञ" का प्रयोग करते हैं।)

5 **"ऋ"** :- "ऋ" होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे का नमो:तना मेन्दो "ऋ" रअ: बदला रे "रि" ओल दड़िओ:अ।
("ऋ" का प्रयोग मुण्डारी भाषा के लेखन में नहीं मिलता है, लेकिन "ऋ" के बदले में "रि" लिखा जा सकता है।)
चिल्का (जैसे):-

ऋषि → रिसि।

6 **'र' रअ: ओनोल** :- होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे सोंगड़ा "र" एसकर गे ओलो: तना। नेरे 'रेफ' रअ: र (र्), समुद्र रअ:र (द्र) दृश्य रअ: र (दृ), ओड़ो: ट्रस्ट रअ:र (ट्र) ओनोल रे का जोटोगो: तना।
(मुण्डारी भाषा के लेखन में साधारणतया 'र' का ही प्रयोग किया जाता है। इसमें रेफ का र (र्), समुद्र का र (द्र), दृश्य का र (दृ), और ट्रस्ट का र (ट्र) का प्रयोग नहीं मिलता है।

7 **बनितोङ आ (ा) रअः जोनोटोः**

i बोजा बनि ते टुंडुअकन टुङको रे दिंगाएः मुनु बनि "अ" तइन तन गेअ। इमिन रेओ कोतअः रे जिलिङ मुनु बनि "आ" रअः पुनुचिद् सड़ा नमोः तना एनतअः रे 'आ' रेअः बनितोङ चिना ओमोः तना। (व्यंजनांत शब्दों में ह्रस्व-स्वर 'अ' रहता ही है फिर भी जहाँ उच्चारित ध्वनि में दीर्घ स्वर वर्ण "आ" मिलता है वहाँ पर "आ" का मात्रा चिह्न लगता ही है।)

चिल्का (जैसे :-

(अ + आ (= आ (ा))
कट → कटा (= पैर)
डाट → डाटा (= दांत)
मांड → मांडा (= पद चिह्न)

ii जेता टुङ रअः टुंडु बोजा बनि रे आ (ा) रअः बनितोङ चिना का ओमाकन रे ओड़ोः गनतिन "अ" ते एटेगाकन रे सिदा टुङ रअः टुंडु बोजा बनि रे "आ (ा) रअः बनितोङ चिना ओमोः तना। (किसी शब्द के अंतिम व्यंजन वर्ण पर आ (ा) का मात्रा चिह्न नहीं रहने पर और प्रत्यय का प्रथम अक्षर "अ" रहने पर, पहले शब्द के अंतिम व्यंजन वर्ण में दीर्घ स्वर "आ" का मात्रा चिह्न दिया जाता है।

चिल्का (जैसे):-

(अ + अ = आ (ा))
बिर + अकना = बिराकना।
बिल + अकना = बिलाकना।

iii टुङ रअः टुंडु बोजा बनि रे जिलिङ मुनु बनि "आ" (ा) रअः बनितोङ चिना ओमाकन रे ओड़ोः गनतिन दिंगाएः मुनु बनि 'अ' ते एटेगाकन रे, सिदा टुङ रअः टुंडु रे मेनअः "आ" (ा) रअः बनितोङ चिना लोःते गनतिन रअः "अ" जमा तुकाओःअ। (शब्द के अंतिम व्यंजन वर्ण में दीर्घ स्वर वर्ण "आ" (ा) की मात्रा रहने पर और प्रत्यय का प्रथम अक्षर "अ" रहने पर, पहले शब्द के अंत में दीर्घ स्वर "आ (ा) की जो मात्रा चिह्न है उसका प्रत्यय "अ" के साथ विलय हो जाता है)

चिल्का (जैसे :-

(आ + अ = आ (ा))
बाबा + अकना = बाबाकना।
साड़ा + अकना = साड़ाकना।

iv जेता टुङ रअ: टुंडु रे मुनु बनि च बोजा बनि रे बनितोङ चिना (आ (ा) रअ: बनितोङ चिना बगे केआते) तइनो: रे ओड़ो: गनतिन रअ: एनेटे:रे दिंगाए: मुनु बनि "अ" तइन जन रे एन टयद् रे जिलिङ मुनु बनि "आ" रअ: बनितोङ चिना का ओमो: अ मेन्दो गनतिन रअ: "अ" एनका रअ: एनका गे ओल हड़गु:अ। (किसी शब्द के अंत में स्वर-वर्ण अथवा व्यंजन वर्ण में मात्रा चिह्न (आ (ा) को छोड़कर) रहने पर और प्रत्यय का प्रथम अक्षर ह्रस्व स्वर वर्ण "अ" रहे तो उस स्थान पर दीर्घ स्वर वर्ण "आ (ा) का मात्रा चिह्न नहीं लगता है बल्कि प्रत्यय का "अ" ज्यों का त्यों उतार दिया जाता है।)

8 **"ऐ" ओड़ो: "औ"** :- होड़ो जगर रे जिलिङ मुनु बनि "ऐ" ओड़ो: "औ" एनका रअ: एनका गे का ओलो: तना ओड़ो: एनका गे "ऐ": ओड़ो: "औ" रअ: बनि ओतोङ चिना "ॅ" आद् "ौ" ओनोल रे का उत्तर गे जोटोगो: तना। मेन्दो मुनु बनि "ऐ" रअ: बदला रे "अइ/अए" ओड़ो: "औ" रअ: बदला रे "अउ / आउ" ओलो: तना। (मुण्डारी भाषा में दीर्घ स्वर वर्ण "ऐ" और "औ" ज्यों का त्यों नहीं लिखा जाता है। इसी प्रकार "ऐ" और "औ" की मात्रा चिह्नों (ै) और (ौ) का प्रयोग भी लेखन में बिल्कुल नहीं किया जाता है। बल्कि "ऐ" और "औ" के बदले में "अइ / अए "और "औ" के बदले में "अउ/ आउ "लिखा जाता है।)

चिल्का (जैसे):-

i "ऐ" रअ: ओनोल मुटन

का ठउका मुटन (अशुद्ध रूप)	ठउका मुटन (शुद्ध रूप)
ऐरू-गैरु -	अइरू-गइरु (= अजनबी)
ऐरा -	अएरा- (= एक प्रकार की मच्छली)

ii "औ" रअ: ओनोल मुटन

का ठउका मुटन (अशुद्ध रूप)	ठउका मुटन (शुद्ध रूप)
औरि	अउरि (= ठहरो)
कौरि	कउरि (= शोर)
दौड़ि	दउड़ि (= दौड़)

9 **'अं' (ं) :-** टुङ रअ: तला रे 'ङ' ओड़ो: "ण" तइनों: रे एन टुङ रअ: सिदा बनि रे अं (ं) रअ: बनितोङ चिना ओमो: तना । (शब्द मध्य में अनुनासिक "ङ" और "ण" रहने पर उस शब्द के प्रथम अक्षर में अनुस्वर (ं) लगता है ।)

चिल्का (जैसे):-

लङका	→ लंका	(= लंका देश)
अङका	→ अंका	(= फाटक)
मुण्डा	→ मुंडा	(= मुण्डा जाति)
रूण्डा	→ रूंडा	(= जंगली बिल्ली)

पहमे कजि :- टुङ टुंडु रे "ङ" तइनों: रे एना एनका रअ: एनका गे तइना । (शब्दांत में अनुनासिक "ङ" रहे, तो वह अपने पूर्व रूप में ज्यों का त्यों लिखा जायेगा ।)

चिल्का (जैसे):-

सनङ	→ सनङ	(= इच्छा)
दनङ	→ दनङ	(= ओट)
सवङ	→ सवङ	(= ताकत)

10 **ग् रअ: बदला रे 'ङ' :-** होड़ो जगर रे तारा मारा होड़ोको टुङ टुंडु रे 'ङ' रअ: बदला रे कोतअ: कोतअ: 'ग' को ओलजदा । होबा दड़िओ:अ' नेका ओलतन को रोमन लिपि ते ओलो: तन टुङ टुंडु रे नमो: तन (G) जी मेनते गे देवनागरी लिपि रे "ग" को ओलजदा । नेअ रअ: इसु जोनोका को लेल दड़िओ:अ । मेनदो "ग्" रअ: बदला रे "ङ" गे ओलो: लगतिङा । चिअ:चि पुनुचिद् सड़ा रे "ङ" रबलते ओड़ो: "ग्" दो बलते उड़ुङो: तना ।

(मुण्डारी भाषा के लेखन में कुछ लोग शब्दांत में "ङ" के बदले कहीं कहीं "ग" लिखते हैं । हो सकता है, ऐसा लिखने वाले रोमन लिपि में शब्द के अंत में आने वाले "जी" (G) के लिए ही देवनागरी लिपि में "ग" लिखते हों । उसके अनेक उदाहरण भी देखें जा सकते हैं । मगर "ग" के स्थान पर "ङ" ही लिखा जाना चाहिए । क्योंकि उच्चारित ध्वनि में "ङ" सहज भाव से और "ग्" मुश्किल से निकलता है ।)

चिल्का (जैसे):-

MARANG	(मरंग्)	→	मरङ	(= बड़ा)
HURING	(हुड़िंग्)	→	हुड़िङ	(= छोटा)
DIRING	(दिरिंग्)	→	दिरिङ	(= सींग)
KIRING	(किरिंग्)	→	किरिङ	(= खरीदना)

11 **दिनि: सड़ा/टोटोड़ां कोटोङ (:)** :- हिन्दी रे ओकोअ विसर्ग ओड़ो: अंग्रेजी ते CHECKED VOWEL सकिअकना एना गे होड़ो जगर ते "दिनि: सड़ा" चि टोटोड़ां कोटोङ कजिओ:तना । होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे नेअ ओको तअ: रे पुनुचिद् सड़ा तारा गे उड़ुङओ: तना ओड़ो: तारा मोचा रेगे टेकद् रूड़ाओ: तना, एनतअ: रे "दिनि:-सड़ा" चि "टोटोड़ां-कोटोङ" जोटोगो: तना ।

मेन्दो होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे दिनि: सड़ा बर किसिम ते जोटोगो: तना । मिद् किसिम ते नेअ दिनि: सड़ा रअ: बनितोङ चिना (:) एस्कर गे ओड़ो: एटअ: किसिम ते नेअ मुनु बनि (अ:) रेअ: मुटन रे ओलो: तना ।

टुङ टुंडु रेअ: मुनु बनि रे ओड़ो: बनितोङ चिना ओमाकन टुंडु बोजा बनि रे जगा जइन दिनि: सड़ा रअ: चिना (:) एस्कर गे ओमो:तना मेन्दो नाता उदुब् नगेन ओड़ो: पुनुचिद् सड़ा रिता गे अयुमो: का मेनते मुनु टुङ रअ: टुंडु रे 'अ' लो:ते दिनि सड़ा रअ: चिना (:) जोटो: जमाओ: तना ।

(हिन्दी में जिसका नामकरण "विसर्ग" और अंग्रेजी में CHECKED VOWEL किया गया है मुण्डारी में उसी को "दिनि: सड़ा" और "टोटोंड़ा कोटोङ" कहा गया है । मुण्डारी भाषा के लेखन में जहाँ पर उच्चारित ध्वनि मुँह से आधा निकलकर आधा मुँह में ही अटक कर रह जाती है, वहीं पर इसका प्रयोग किया जाता है । लेकिन मुण्डारी भाषा के लेखन में विसर्ग का प्रयोग दो रूपों में मिलता है । प्रथम रूप में केवल विसर्ग की मात्रा (:) का और दूसरे रूप में स्वर-वर्ण (अ) के साथ विसर्ग चिह्न: (:) का प्रयोग मिलता है ।

शब्दांत में स्वर वर्ण रहने पर और किसी शब्द के अंतिम व्यंजन वर्ण पर मात्रा चिह्न लगे रहने पर यथा स्थान केवल विसर्ग का चिह्न (:) लगता है किन्तु सम्बन्ध का बोध कराने के लिए और स्पष्ट उच्चरण बोध के लिए मूल शब्द के अंत में "अ" के बाद विसर्ग का चिह्न (:) दिया जाता है ।)

अअ: (= धनुष)
इ: (= विष्टा)
कुउ: (= खाँसी)
अए: (= वह)
बोओ: (= सिर)

ii बनितोङ चिना ओमाकन टुंडु बोजा बनिको रे दिनि: सड़ा (:) रेअ: जोनोटो:। (मात्रा चिह्नों से युक्त व्यंजन वर्णों के अंत में विसर्ग (:) का प्रयोग।)

गिति: (= सोना)
उड़ु: (= चिन्ता)
केटे: (= कड़ा)
जोनो: (= झाड़ू)

iii नाता उदुब् नगेन् 'अ' रे दिनि: सड़ा (:) रेअ: जोनोटो:।
(सम्बन्ध का बोध कराने के लिए 'अ' में विसर्ग (:) का प्रयोग।)

अइञ् + अ: = अइञ्अ: (= मेरा)
अम + अ: = अमअ: (= तुम्हारा)
अए: + अ: = अएअ: (= उसका)
अपे + अ: = अपेअ: (= तुम लोगों का)
सोमा + अ: = सोमाअ: (= सोमा का)

12 **बोजा बनि** :- बोजा बनिको उपुनतअ: रे हटिङाकना- रबल बोजा बनि, हंबल बोजा बनि, मुनु बोजा बनि ओड़ो: तारा बोजा बनि। होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे पुरअ: ते रबल बोजा बनि गे ओलो: तना, हंबल बोजा बनिको ओनोल रे खोम नो: गे जमाओ:तना। खींसअकन दिपिलि ओड़ो: एटअ: जगर रअ: टुङको लो: तेगे हबंल बोजा बनिको ओनोल रे अदेरो: तना।

(व्यंजन वर्णों को चार भागों में बाँटा गया है; अल्पप्राण व्यंजन वर्ण, महाप्राण व्यंजन वर्ण, अनुनासिक और अर्द्ध व्यंजन वर्ण। मुण्डारी भाषा के लेखन में अल्पप्राण

(आर्य भाषा) से आगत शब्दों के लेखन में ही महाप्राण व्यंजन वर्णों का प्रयोग मिलता है।

चिल्का (जैसे):-

i खींसि अकन रे

तेगा → थेगा (= खूँदना)

बिड़ा → भिड़ा (= लाठी से पीटना)

ii एटअ: जगर टुङको रे

धरम → धोरोम। (= धर्म)

भार → भारोम। (= भार)

13 **ङ ओड़ो: ञ रअ: ओनोल मुंडि :-** ङ ओड़ो: "ञ" होड़ो जगर रे पुनुचिद् सड़ा रअ: परगंड़ा लेकाते गे ओलो: तना। (अनुनासिक "ङ" और "ञ" मुण्डारी भाषा के लेखन में उच्चारण की स्पष्टता के आधार पर ही लिखा जाता है।)

चिल्का (जैसे):-

"ङ" → जङ, अङ, बङ, सङ, ससङ।

"ञ" → अइञ्, तइञ्, बाउइञ्, काकाइञ्।

14 **"ण" रेअ: ओनोल :-** "ण" गोटा गे दो का, तारा गे होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे जोटोगो: तना। मेन्दो तारा "ण" बदला रे एन टुङ रअ: एनेटे: बनि रे बिंदि (ं)। (अनुस्वर) ओम के आते नेअ ओल दड़िओ:अ। (पूर्ण "ण" का नहीं, अर्द्ध "ण" का प्रयोग मुण्डारी भाषा के लेखन में मिलता है। लेकिन अर्द्ध "ण" के बदले में सम्बन्धित शब्द के प्रथम अक्षर में अनुस्वर (ं) देकर भी इसे लिखा जा सकता है।

चिल्का (जैसे):-

मुण्डा → मुंडा (= मुण्डा जाति)

लुण्डा → लुंडा (= साफी)

रूण्डा → रूंडा (= जंगली बिल्ली)

15 **"न" ओड़ो: "म":-** मुनु बोजा बनि "न" ओड़ो: "म" रअ: ओनोल रे जेतन रपाचअ: बनो:अ । नेअकिन बरानअ: पुनुचिद् सड़ा रअ: परगंड़ा लेकाते गे ओलो: तना । जेता टुङ रअ: तला रे मुनु बोजा बनि "न" ओड़ो: "म" तारा गे पुचिदो:अ; इमतङ "न" ओड़ो: "म" रअ: बदला रे सिदा बनि रे अं (ं) रअ: बनि ओतोङ चिना जोटोगो: तना ।

(अनुनासकि "न" और "म" के लेखन में कोई मतभेद नहीं है । दोनों का लेखन में प्रयोग उच्चारण की स्पष्टता के आधार पर ही किया जाता है । जिस शब्द के बीच में अनुनासिक "न" और "म" का पूरा उच्चारण नहीं होता है उस परिस्थिति में "न" और "म" के बदले में उस शब्द के प्रथम अक्षर में अनुस्वर अं (ं) लगता है ।)

चिल्का (जैसे):-

i "न्" तारा गे पुचिदो: इमतङ

बन्दा	→ बंदा ।
लन्दा	→ लंदा ।
बन्डि	→ बंडि ।

16 **तारा बोजा बनि :-** तारा बोजा बनि (य, र, ल, व, स, ह, ड़, ढ़,) रबल बोजा बनिको लेकागे होड़ो जगर रेअ: ओनोल रे इसु पुरअ: जोटो:अकन लेल दड़िओ:अ । (अल्पप्राण व्यंजन वर्णों की भाँति मुण्डारी भाषा के लेखन में अर्द्ध व्यंजन वर्णों के प्रयोग को देखा जा सकता है ।)

17 **जिलिङ पुनुचिद् सड़ा चिना ('):-** मियद् टुङ गे बर रोकोम ते पुचिदो: तन इमतङ जिलिङ मुनु लेका पुनुचिद् उदुब् नतिन एनेटे: बनि तयोम रे होरसोद् चिना (ˈ) ओमो: लगतिङा । (एक ही शब्द का दो तरह से उच्चारण होने पर दीर्घ स्वर के उच्चारण को व्यक्त करने के लिए आरम्भिक वर्ण के बाद अल्प खड़ी लकीर (ˈ) प्रतीक चिह्न का प्रयोग करना चाहिए ।)

चिल्का (जैसे):-

दिंगाएः पुनुचिद्	जिलिङ पुनुचिद्
(अल्प उच्चारण)	(दीर्घ उच्चारण)
बोर (= सूता निकालना)	बो'र (= दूल्हा)
बोंगा (= देवता)	बों'गा (= पूजा करना)

18 **जोद् चिना (◌्) :-** जोड़ेनोःतन बनिको हिगड़ा नतिन ओड़ोः तारा गे पुचिदोः तन बनिको रे जोद् चिना (◌्) ओमोः तना। (संयुक्त अक्षरों को अलग करने में और अल्प उच्चारित वर्णों में हलन्त चिह्न लगता है।)

चिल्का (जैसे):-

i जोड़ेनोःतन टुङको बिनगा रे
(संयुक्ताक्षर वर्णों को अलग करने में)

मेन्दो →	मेन्दो।
हेन्दो →	हेन्दो।
हेन्ते →	हेन्ते।

ii तारा गे पुचिदोः तन टुङको रे
(अल्प उच्चारित वर्णों में)

(मेड़ेद्	(= लोहा)
(अद्	(= खोना)
मद्	(= बाँस।
लद्	(= रोटी।

19 **सकम** (वचन) :- सकम उदुब् गनतिन मुनु टुङ लोःते गे ओलोः तना, जुदा ते का। (वचन का बोध कराने वाले प्रत्यय मूल शब्द के साथ ही लिखे जाते हैं, अलग से नहीं।)

चिल्का (जैसे):-

i मिद् सकम आते बर सकम रेअः गनतिन ओनोल मुंडि।

का ठउका मुटन	ठउका मुटन
(अशुद्ध रूप)	(शुद्ध रूप)
होड़ो किङ/ किन	होड़ोकिङ/किन
मेरोम किङ/ किन	मेरोमकिङ/किन
होरा किङ/ किन	होराकिङ/किन

कुड़ि का	कुड़िका
पुथि को	पुथिको
होन को	होनको

20 **"ओ" ओड़ोः "व" :-** होड़ो जगर रेअः ओनोल रे दिंगाएः मुनु बनि "ओ" ओड़ोः तारा बोजा बनि "व" बेड़ा उदुब् उदम गनतिन लेका निमतङ ओलोः तना। असल रे मुनु बनि ओड़ोः बनितोङ चिना जेता टुङ रअः टुंडु रे तइन जन रे "ओ" ओड़ोः का तइन रे टुङ रअः टुंडु बनि रे बनितोङ चिना ओ (ो) जोटोगोः तना।

तारा बोजा बनि "व" पुरअःते आर्य भाषा रअः उदम टुङको रे "ना" रअः बदला रे जोटोगोः तना ओड़ोः मिसा मिसा मेता टुङको रअः टुंडु रेओ नमोः तना।

तारा बोजा बनि "व" रे "ओ" रअः बनि ओतोङ चिना (ो) जोटोःकेआते उदम टुङको रे नेमन बेड़ा उदुब् गनतिन रअः मुटन ओलोः तना।

(मुण्डारी भाषा के लेखन में ह्रस्व-स्वर वर्ण "ओ" और अर्द्ध व्यंजन वर्ण "व" दोनों का ही प्रयोग इस समय काल बोधक कृत प्रत्यय के रूप में हो रहा है। वास्तव में किसी शब्द के अंत में स्वर-वर्ण और स्वर-वर्ण की मात्रा से युक्त कोई व्यंजन वर्ण रहे, तो उस स्थान पर "ओ" और नहीं रहने पर स्वर-वर्ण "ओ" की मात्रा चिह्न (ो) का प्रयोग होता है।

अर्द्ध व्यंजन वर्ण "व" अधिकतर आर्य भाषा के क्रिया पदों में "ना" के स्थान पर और कभी-कभी संज्ञा शब्दों के अंत में भी मिलता है। "व" में भी "ओ" की मात्रा (ो) देकर क्रिया पदों से हमें वर्तमान काल बोधक प्रत्यय का रूप मिलता है।)

21 **डंडिद् चिन (-) :-** जोड़ा टुङ मेनेसा ओड़ोः सुपुतुः टुङको रअः ताला

(योजक चिह्न (-) का प्रयोग द्वन्द्व समास और सहचर शब्दों के बीच में करना चाहिए।)

चिल्का (जैसे):-

कोड़ा-कुड़ि	(= नर-नारी।
ओड़अः-दुवर	(= घर-द्वार)
अयर-तयोम	(= आगे-पीछे)

22 **"अद्" ओड़ोः "आद्"** :- "अद्" ओड़ोः "आद्" रे "आद्" गे जोनोटोः लेका बकंड़ा रे जोटोःए लगतिङा। चिअःचि "अद्" अदम तनअः, जोनोटोः दो का। नेअ रअः ओरोतो दो रिड़िङ च दो अद् होबाओः ना। एना मेन्ते "आद्" एस्कर गे जोनोटोः मनतिङोः का। ("अद्" और "आद्" में आद्" का ही वाक्य में संयोजक के रूप में प्रयोग होना चाहिए। क्योंकि "अद्" क्रिया है संयोजक नहीं। इसका अर्थ "खोना" है। इसलिए केवल "आद्" को ही संयोजक माना जाय।)

23 **"अर" ओड़ोः "आर"** :- "अर" ओड़ोः "आर" रे "अर" गे जोनोटोः लेका बकंड़ा रे जोटोःए लगतिङा। चिअःचि "आर" मेता तनअः ओड़ोः नेअ हिन्दी शब्द "आहार" रअः दिंगाएः मुटन तनअः। ("अर" और "आर" में संयोजक के रूप में "अर" का ही वाक्य में प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि "आर" संज्ञा है, और यह हिन्दी शब्द "आहार" का लघु रूप है।)

24 **"अयअः" ओड़ोः "अएअः"** :- होड़ो जगर रेअः ओनोल रे नाता उदुब् नङ मियद् टुङ गे बर किसिम ते ओलोः तना। ओकोए "अयअः" ए ओलजदा ओड़ोः ओकोए "अएअः"। नेअकिन रे ओकोअः ठउका मुटन तनअः एना जेताए काको बनर तना।

अइञ्अः ओनमान लेकाते नेअकिन रअः ठउका मुटन "अएअः" होबाओः लगतिङा। चिअःचि नेअ रअः मुनु मुटन "अएः" तनअः ओड़ोः "अएः" रे नाता नङ गनतिन रअंः चिना "अः" जोटोः केआते "अएअः" बइओःतना।
(सम्बन्ध का बोध कराने के लिए मुण्डारी भाषा के लेखन में एक ही शब्द दो तरह से लिखा जा रहा है। कोई "अयअः" लिख रहा है तो कोई "अएअः"। दोनों में कौन सा रूप सही है इसकी कोई खोजबीन नहीं हो रही है।

मेरे विचार से इन दोनों का सही रूप "अएअः" होना चाहिए। क्योंकि यह पुरुष वाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष एक वचन में इसका रूप "अएः" मिलता है और "अएः" में सम्बन्ध कारक की विभक्ति चिह्न "अः" जोड़ने पर "अएअः" का रूप बनता है।)

25 **"रेअः", "रेयः" ओड़ो रेयअ** :- निमतङ होड़ो जगर रे नाता नङ गनलङ रअः चिना रेअः/ रेयः ओड़ोः रेयअः अपिया गलेद् टुङको ओलोः तना। नाअः सन्ते मियद् गे ओलोः का मेन्ते कजि अउरि रोदोःअ।

अइञ्अः उड़ुः लेकाते "रेअः" गे असल रे ओलोः लगतिङा "रेयः/रेयअः दो का। चिअःचि नेअ रअः मुनु टुङ "रअः" तनअः ओड़ोः "रअः" तेगे "रेअः" बइअकना। ने टुङ हटिङ लेरे बरतअः रे हटिङ दड़िओःअ "रे" आद "अ"। "रे" आड़ा गनलङ रअः चिना तनअः ओड़ोः "अः" नाता गनलङ रअः। "रे" ते टयद् रअः ओड़ोः "अः" ते एन टयद् रे मंडवाकन चि दोअकन जेता जिनिस रअः नाता रेअः बनर नमोःतना। ने टुङ ते का जीअन रअः नाता, का जीअन लोःते ओड़ोः मिसा मिसा जीअन रअः नाता, का जीअन लोःतेओ उदुबोःतना। एना मेन्ते ओनोल रे "रेअः" एस्कर गे जोटोगोः का। एटअः कजि दो रेयः / रेयअः रअः जेतन मुनु मुंडि का नमोः तना। पुनुचिद् सड़ा एस्कर तेगे नेअ हेना कबु ओलेएअ।

(इस समय मुण्डारी भाषा के लेखन में सम्बन्ध कारक की विभक्ति चिह्न के तीन रूप "रेअः" "रेयः" और "रेयअः का प्रयोग हो रहा है। अभी तक किसी एक ही रूप को लिखने के सम्बन्ध में निर्णय नहीं लिया गया है।

वास्तव में मेरे ख्याल से "रेअः" ही लिखा जाना चाहिए "रेयः/रेयअः नहीं। क्योंकि "रअः" इस शब्द का आदि रूप है और "रअः" से ही "रेअः" बना है। इस शब्द को "रे" और "अः" दो भागों में बाँटा जा सकता है "रे" अधिकरण कारक की विभक्ति चिह्न है और "अः" सम्बन्ध कारक की। "रे" से स्थान का और "अः" से उस स्थान पर रखी हुई किसी चीज के सम्बन्ध का बोध होता है। इस शब्द से अप्राणीवाचक का सम्बन्ध अप्राणीवाचक के साथ और कभी-कभी प्राणीवाचक का अप्राणीवाचक के साथ भी सम्बन्ध का बोध कराता है। इसलिए लेखन में केवल "रेअः" शब्द का ही प्रयोग किया जाय। दूसरी बात यह है कि

"रेय:" शब्द के मूल उत्स की कोई जानकारी नहीं मिलती है केवल उच्चारित ध्वनि के आधार पर ऐसा लिखना तर्क संगत नहीं लगता है ।)

26 **"रेओ" ओड़ो: "रेयो":-** होड़ो जगर रे "रेओ" ओड़ो: "रेयो" रअ: ओनोल रपाचअ:ओ रबल तेगे लेल दड़िओ:अ । मेन्दो नेअ रअ: सोजे होरा "रेअ:" ओड़ो: "रेय:" रे "रेअ:" ओलो:तन लेकागे "रेओ" ओड़ो: "रेयो" रे "रेओ" गे ओलो: का । चिअ:चि "रअ:" ते "रेअ:" ओड़ो: "रेअ:" तेगे "रेओ" बइअकना ।

(मुण्डारी भाषा में "रेओ" और "रेयो" के लेखन का विवाद सहज ही देखा जा सकता है । लेकिन इस विवाद का सहज हल यही है जैसे "रेअ:" और "रेय:" में "रेअ:" लिखा जा रहा है, उसी प्रकार "रेयो" और "रेओ" में "रेओ" लिखा जाय । क्योंकि "रअ:" से "रेअ:" और "रेअ:" से ही "रेओ" शब्द बना है ।)

27 **"गेअ" ओड़ो: "गेया" :-** मुंडि उदुब देंगा उदम् "गेअ ओड़ो: "गेया" होड़ो जगर रे बरन लेकाते ओलो: तना । मेन्दो नेअ रअ: मियद् मुटन गे ओलो: लगतिङा । "गेअ" ओड़ो: "गेया" रे "गेअ" गे ओलो: का ।

(निश्चयता का बोध कराने वाले सहायक क्रिया "गेअ" और "गेया" दोनों ही रूप मुण्डारी भाषा में लिखे जाते हैं । लेकिन इसका एक ही रूप "गेअ" लिखा जाना चाहिए ।

28 **"जना ओड़ो: "यना":-** होड़ो जगर रे गनतिन लेका "जना" ओड़ो: "यना" बरानअ: गे नमो: तना । "जना" हसादअ: रअ: ओड़ो: "यना" नगुरि रअ: बेड़ा उदुब् उदम गनतिनकिन तनअ: । एनाते हसादअ: रे ओलतन दिपिलि नगुरि "यना" रअ: टयद् रेगे "जना" आद् नगुरि ओलतन रे हसादअ: "जना" गे "यना" ओलो: तना ।

(मुण्डारी भाषा में प्रत्यय के रूप में "जना" और "यना" दोनों का ही प्रयोग मिलता है । "जना" हसादअ: का और "यना" नगुरी मुण्डारी का काल बोधक कृत प्रत्यय है । इसलिए हसादअ: मुण्डारी में लिखते समय नगुरी "यना" के स्थान पर "जना" और नगुरी में हसादअ: का "जना" ही "यना" के रूप में लिखा जाता है ।

स्थान पर "जना" और नगुरी में हसादअः का "जना" ही "यना" के रूप में लिखा जाता है।

चिल्का (जैसे):-

(हसादअः)		(नगुरी)	
परोमजना	→	परोमयना	(= पार हो गया)
सेनोःजना	→	सेनोःयना	(= चला गया)

29 **ओःअ / वोःअ** :- होड़ो जगर रेअः ओनोल रे "ओःअ" ओड़ोः "वोःअ" बरानअः गे गपामन बेड़ा रेअः उदम लोओः ते गनतिन लेका जोटोगोः अ। हिन्दी आते अगुअकन उद्म टुङको लोओःते "वोःअ" ओड़ोः एटअः तअः रे गनतिन "ओःअ" जोटोए लगतिङा।

(मुण्डारी लेखन में प्रत्यय "ओःअ" और "वोःअ" दोनों को भविष्यत काल की क्रिया शब्दों के साथ जोड़ा जा सकता है। हिन्दी से आगत क्रिया शब्दों के साथ "वोःअ" और अन्य शब्दों में प्रत्यय "ओःअ" का प्रयोग करना चाहिए।)

चिल्का (जैसे):-

बइ + ओःअ = बइओःअ।

घटव + ओःअ = घटवोःअ।

30 **ए / य** :- होड़ो जगर रे मूद् गनलङ रअः चिना "ए" तनअः। मेन्दो ओनोल रे "ए" ओड़ोः "य" बरानअः गे ओमोः तना। बरानअः ओमोः तन लेकाते ओनोल रअः मियद् मुंडि का रोद् दड़िओः तना। एना मेन्ते ठउका दो होबाओःअ, ओनोल रे "ए" एसकर गे मूद् गनलङ रअः चिना लेकाते जोटोगोः का।

(मुण्डारी भाषा में कर्त्ता कारक की विभक्ति चिह्न "ए" है। लेकिन लेखन में "ए" और "य" दोनों का ही प्रयोग मिलता है। दोनों के प्रयोग से लेखन का एक रूप निर्धारित नहीं हो पा रहा है। इसलिए उचित होगा; लेखन में "ए" का ही कर्त्ता कारक की विभक्ति चिह्न के रूप में प्रयोग होना चाहिए।

31 **अ / यः**- ओनोल रे चिउलाओ गनतिन लेका "अ" ओड़ोः "य" बरानअः का जोटोःए लगतिङा। उड़ुः विचार केआते लेल लेरे गनतिन रअः मुनु बनि होड़ो जगर रे "अ" दो नमोःतना मेन्दो "य" का नमोः तना। एना मेन्ते गनतिन रअः मुनु वनि "अ" गे तनअः।

(लेखन में कभी भी प्रत्यय के रूप में "अ" और "य" दोनों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। विचार करके यदि देखा जाय तो मुण्डारी भाषा में प्रत्यय का

आरम्भिक अक्षर "अ" मिलता है लेकिन "य" नहीं। इसलिए प्रत्यय का आरम्भिक अक्षर "अ" ही है।)

चिल्का (जैसे):-

अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप।
बइयकना	बइअकना।
कजियकना	कजिअकना।

32 **रे (= में / पर) :-** होड़ो जगर रेअः ओनोल रे "रे" मुनु टुङको लोःते जमा रे का मेनदो बिनगा रेगे ओलोः तना।

(मुण्डारी भाषा के लेखन में 'रे' मूल शब्दों के साथ मिलाकर नहीं बल्कि इसे अलग ही लिखा जाता है।

चिल्का (जैसे):-

होरारे	= होरा रे
अमरे	= अम रे
मोचरे	= मोचा रे

मेता
(संज्ञा)

जेता जिउ, जिनिस, टयद् च बोरोन रेअः नुतुम गे मेता कजिओः तना।
(किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को ही संज्ञा कहते हैं।)

चिल्का (जैसे) :-

i सुगि दअःए आउतना।
(सुगि पानी ला रही है।)

ii मंडि इसिन जना।
(खाना पक गया।)

iii राँची मियद् मरङ शहर तनअः।
(राँची एक बड़ा शहर है।)

चेतन रेअः बकंड़ाको रे सुगि, मंडि ओड़ोः राँची मिमियद् जिउ, जिनिसि

(ऊपर के वाक्यों में सुगि, मंडि और राँची क्रमशः एक-एक प्राणी, वस्तु और स्थान के नाम का बोध कराते हैं। इसलिए सुगि, मंडि और राँची को संज्ञा कहा गया है।)

मेता रेअः हनटिङ

(संज्ञा के भेद)

मेता मोड़ेतअः रे हटिङाकना -

1. सुपट मेता (व्यक्ति वाचक संज्ञा)
2. जति मेता (जाति वाचक संज्ञा)
3. बिति मेता (द्रव्य वाचक संज्ञा)
4. बोरोन मेता (भाव वाचक संज्ञा)
5. थोक मेता (समूह वाचक संज्ञा)

1. **सुपट मेता** (व्यक्ति वाचक संज्ञा):- जेता मियद् जिउ, जिनिस च टयद् रेअः नुतुम गे सुपट मेता कजिओः तना।
(जिससे किसी एक प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम का बोध होता है, उसे व्यक्ति वाचक संज्ञा कहते हैं)।

चिल्का (जैसे):-

i <u>बिरसा</u> मंडिए जोमतना।
(बिरसा खाना खा रहा है।)

ii <u>बइबल</u> मियद् धरम पुथि तनअः।
(बइबल एक धर्म ग्रंथ है।)

iii <u>मरंगहादा</u> रेको पीटिअ।
(मरंगहादा में बाजार लगता है।)

चेतन रेअः बकंड़ाको रे बिरसा, बइबल ओड़ोः मरंगहादा मिमियद् जिउ, जिनिस ओड़ोः टयद् रेअः नुतुमको तनअः। एना मेनते बिरसा, बइबल ओड़ोः मरंगहादा सुपट मेताको तनअः।
(ऊपर के वाक्यों में बिरसा, बइबल और मंरगहादा से क्रमशः एक-एक व्यक्ति, वस्तु और स्थान के नाम का बोध होता है। इसलिए बिरसा, बइबल और मंरगहादा व्यक्ति वाचक संज्ञाएँ हैं।)

एटअः जोनोकाको:-

सोमा	(= सोमा)	सुकन बुरू	(= सुकन पहाड़)
बइबल	(= बइबल)	जरगि सा	(= वर्षा ऋतु)
कुरान	(= कुरान)	रबङ सा	(= शीत ऋतु)
मागे चुडु:	(= माघ महीना)	कारो नई	(= कारो नदी)
कटा जमबड़ा	(= दक्षिण)	तोरपा	(= तोरपा)
रातू राजा	(= रातू राजा)	भारत दिसुम	(= भारत देश)

2. **जति मेता** (जाति वाचक संज्ञा):- जेता जिउ च जिनिस रअः जोतो जति च गोट गे जति मेता कजिओः तना ।

(जिससे प्राणी या वस्तु विशेष की सम्पूर्ण जाति का बोध होता है, उसे जाति-वाचक संज्ञा कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

i उरि:को अतिङ तना ।
(गायें चर रही हैं ।)

ii बिर को उजड़ा तना ।
(जंगल उजड़ रहे हैं ।)

चेतन रेअः बकंड़ा रे "उरि:" ओड़ो:लतर रेअः बकंड़ा रे "बिर" ते जोतो जति चि गोट रअः गे मुंडि नमोः तना । एनाते "उरि:" ओड़ोः "बिर" जति मेताकिङ तनअः ।

(ऊपर के वाक्य में "उरि:" और नीचे के वाक्य में "बिर" से सम्पूर्ण जाति या समूह का ही बोध हो रहा है । इसलिए "उरि:" और "बिर" जाति वाचक संज्ञाएँ हैं ।)

एटअः जोनोका को :-

अपु	(= पिता)	गुसिया	(= सदस्य)
इपिल	(= तारा)	जो	(= फल)
उरि:	(= गाय)	बा	(= फूल)
एरा	(= औरत)	बुरू	(= पहाड़)
एंगा	(= माता)	रानु	(= औषधि)
कुड़ि	(= स्त्री)	कोड़ा	(= पुरुष)

3. **बिति मेता** (द्रव्य वाचक संज्ञा):- सोंओ;, मुकाओ: च तुलाओ: तन जिनिसको गे "बिति मेता" कजिओ: तना ।
(नापी या तौली जानेवाली वस्तुओं को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

i. गेल टका रअ: मिद् पुइला चउलि नमो: तना ।
(दस रुपये का एक पइला चावल मिलता है ।)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे "चउलि" मियद् जिनिस तनअ: । नेअ सोंओ: ओड़ो: तुलाओ: तना । एनाते "चउलि" बिति मेता कजिओ: तना ।
(ऊपर के वाक्य में "चावल" एक पदार्थ है, जो नापा और तौला भी जाता है । इसलिए यह द्रव्यवाचक संज्ञा है ।)

एटअ: जोनोकाको :-

होलोङ	(= आँटा)	दिरि	(= पत्थर)
गोतोम	(= घी)	किचिरि	(= कपड़ा)
रूपा	(= चाँदी)	सुनुम	(= तेल)
सोना	(= सोना)	मेड़ेद्	(= लोहा)
समड़ोम	(= हीरा)	चीनी	(= चीनी)
तोवा	(= दूध)	गुड़ू	(= गुड़)

4. **बोरोन मेता** (भाव वाचक संज्ञा):- जेता होड़ो च जिनिस रे नमो: तन गुन/भाव गे बोरोन मेता कजिओ:तना ।
(किसी व्यक्ति या वस्तु में पाये जाने वाले गुण अथवा भाव को ही भाववाचक संज्ञा कहते हैं ।)
चिल्का (जैसे):-

i. सोमा मियद कमिया होड़ो तनि: ।
(सोमा एक कर्मठ व्यक्ति है ।)

ii. रतङ तुतुकुन गेअ ।
(वर्फ ठंढा होता है ।)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे "कमिया ओड़ो: लतर बकंड़ा रे "तुतुकुन" टुङ ते मियद् जिउ ओड़ो: जिनिस रेअ: गुन रअ: मुंडि नमो: तना, एनाते "कमिया" ओड़ो: "तुतुकुन" बोरोन मेता टुङ किङ तनअ: । (ऊपर के वाक्य में "कमिया" और नीचे के वाक्य

में "तुतुकुन" शब्द से एक व्यक्ति और वस्तु के गुण का बोध हो रहा है । इसलिए "कमिया" और "तुतुकुन" शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं ।)

एटअः जोनोका को :-

उनुरूम	(= पहचान)	बनइ	(= बनावट)
एनेम	(= देन)	कमिया	(= कर्मठ)
ओनोल	(= लिखावट)	गुनि	(= गुणी)
सोनोतोः	(= सजावट)	ढिठाई	(= ढिठाई)
लेनेका	(= गिनती)	मइन्न	(= आदरणीय)
दनल	(= पिटाई)	नुतुमन्	(= नामी)

5. **थोक मेता** (समूह वाचक संज्ञा):- मिद् जति जिउ च जिनिसको रअः गोट गे थोक मेता कजिओः तना ।

(एक ही जाति के व्यक्तियों और वस्तुओं के समूह को समूह वाचक संज्ञा कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

i पीटि होड़ोको रूड़ातना ।
(बाजार से लोग लौट रहे हैं)

ii सभा रे होड़ोको दुबाकना ।
(सभा में लोग बैठे हैं)

चेतन रेअः बकंड़ा रे "पीटि" ओड़ोः तयोम रेअः बकंड़ा रे "सभा" टुङकिन ते होड़ोकोअः थोक रेअः मुंडि नमोंः तना, एनाते "पीटि" ओड़ोः "सभा" टुङ थोक मेताकिन तनअः । (ऊपर के वाक्यों में "पीटि" (= बाजार) और "सभा" (= सभा) शब्दों के द्वारा आदमियों के समूह का बोध हो रहा है, इसलिए "पीटि" और "सभा" दोनों ही समूह वाचक संज्ञा शब्द हैं ।)

एटअः जोनोकाको :-

बुरू	(= मेला)
जुलुस	(= जुलूस)
पलटन	(= सैनिक)
चोम्पा	(= फूल / फल का गुच्छा)
जतरा	(= मेला)
दुनुब्	(= बैठक)
मिंडि गोट	(= भेड़ों का झुंड)

जति
(लिंग)

मेता रेअ: ओको मुटन ते जेता जिउ च जिनिस रेअ: एंगा ओड़ो: संडि रअ: मुंडि नमो: तना, एनागे जगर मुंडि रे जति कजिओ: तना ।
(संज्ञा के जिस रूप से किसी प्राणी या वस्तु की नर या मादा जाति का बोध होता है, उसे व्याकरण में "लिंग" कहते हैं ।
ने दिसुम रे चिमिनङ गे जिउ मेनअ: कोअ:, इनकुअ: जति बरिया गेअ । होड़ो जगर रे जिनिस को रअ: जति का नमो: तना । एना मेन्ते नेतअ: रे जिउ को रे नमो: तन जति रअ: मुंडिको एस्कर गे उदुबो:तना ।
जेता जिउ च जिनिस को रअ: नुतुम / लुतुम गे मेता कजिओ: तना । मेता रेअ: जति उरूम गराङए मेन्ते नेअ बर तअ: रे हटिङाकना ।

1. जीअन मेता (प्राणी वाचक संज्ञा)
2. का जीअन मेता (अप्राणीवाचक संज्ञा)

1. **जीअन मेता** (प्राणी वाचक संज्ञा):- जीद्तन च सयद्जद् जिउको गे जीअन मेताको कजिओ: तना ।
(जीवित अथवा साँस लेने वाले प्राणियों को प्राणीवाचक संज्ञा कहा जाता है)

चिल्का (जैसे):-

एंगा (= माता), अपु (= पिता), कोड़ा (= पुरुष), कुड़ि (= स्त्री), एमनको ।

2. **का जीअन मेता** (अप्राणीवाचक संज्ञा):- जी बनो: च का सयद्जद् जिनिसको गे का जीअन मेता कजिओ:तना । (निर्जीव अथवा साँस नहीं लेने वाले पदार्थों को अप्राणीवाचक संज्ञा कहा जाता है ।)

चिल्का (जैसे):-

चटु (= घड़ा), लुंडि (= लकुर), नयल (= हल), ओड़अ: (= घर), एमन को ।

संडि जति आते एंगा जति:रेअ: बनइ मुंडि

(पुलिंग से स्त्रीलिंग बनाने की विधि)

i. "आ" रअ: बनितोङ चिना (ा) रे टुंडुअकन संडि जति टुंङको रे दिंगाए: मुनु "इ" रअ: बनितोङ चिना (ि) ओम केआते एना टुङको एंगा जति रे बदलाओ: तना। (जिन पुलिंग शब्दों के अंत में दीर्घ स्वर वर्ण "आ" की मात्रा रहे, तो उनका स्त्रीलिंग रूप बनाने के लिए शब्द के अंतिम वर्ण में ह्रस्व स्वर "इ" की मात्रा (ि) का प्रयोग होता है)

संडि जति (पुलिंग)			एंगा जति (स्त्रीलिंग)	
आजा	(= दादा)	–	आजि	(= दादी)
काका	(= चाचा)	–	काकि	(= चाची)
कांड़ा	(= एकाक्ष)	–	कांड़ि	(= एकाक्षी)
कोड़ा	(= पुरुष)	–	कुड़ि	(= स्त्री)
कोका	(= गूंगा)	–	कोकि	(= गूंगी)
टूटा	(= लूला)	–	टुटी	(= लूली)
दंगड़ा	(= युवक)	–	दंगिड़ि	(= युवती)
नाना	(= नाना)	–	नानी	(= नानी)
बइरा	(= बहरा)	–	बइरि	(= बहरी)
बडा	(= बड़ा बाप)	–	बडी	(= बड़ी माँ)
बड़ा	(= बड़ा बाप)	–	बड़ी	(= बड़ी माँ)
लंगड़ा	(= लंगड़ा)	–	लंगड़ी	(= लंगड़ी)

ii. तारा जिउ कोअ: एंगा ओड़ो: संडि जति रअ: जुड़ि टुंङको सिदाते गे मेनागा। (कुछ जीव धारियों का पुलिंग और स्त्रीलिंग शब्द रूप का जोड़ा पहले से ही विद्यमान है।)

चिल्का (जैसे):-

संडि जति (पुलिंग)		एंगा जति (स्त्रीलिंग)	
अपु	(= पिता)	एंगा	(= माता)
हेरेल	(= पुरुष)	एरा	(= स्त्री)

हड़ा (= बैल)	गइ (= गाय)
दसि (= नौकर)	कमिड़ि (= नौकरानी)
हगा (= भाई)	मिसि (= बहन)
होंजर (= ससुर)	हनर (= सास)
हड़म (= बूढ़ा)	बुड़िया (= बुढ़िया)
सेपेड़ेद (= युवक)	हपनुम (= युवती)
राजा (= राजा)	रानी (= रानी)

iii. ओको जिउकोअ: एंगा ओड़ो: संडि जति रअ: जुड़ि नुतुमको बनो:अ, एन नुतुमको रअ: अयर रे संडि जति नगेंन "संडि" ओड़ो: एंगा जति नगेन "एंगा" टुंङ जोटो: केआते जति बदिलिओ: तना ।

(जिन जीव धारियों का पुलिंग और स्त्रीलिंग शब्द रूप का जोड़ा नाम नहीं मिलता है, उन नामों के पहले पुलिंग के लिए "संडि" और स्त्रीलिंग के लिए "एंगा" शब्द जोड़कर लिंग बदला जाता है ।)

संडि जति (पुलिंग)	एंगा जति (स्त्रीलिंग)
संडि कुला (= शेर)	एंगा कुला (= शेरनी)
संडि मरअ: (= मोर)	एंगा मरअ: (= मोरनी)
संडि सदोम (= घोड़ा)	एंगा सदोम (= घोड़ी)
संडि सिम (= मुर्गा)	एंगा सिम (= मुर्गी)
संडि हाति (= हाथी)	एंगा हाति (= हाथिनी)

iv. जति का उरूमो: गया टुङको रअ: संडि ओड़ो: एंगा जति रे बदिलि नतिन संडि जति मेन्ते "कोड़ा" ओड़ो: एंगा जति मेन्ते "कुड़ि" टुंङ टुंडु रे जोटो: जमाओ:तना ।

(उभयलिंगि शब्दों को पुलिंग और स्त्रीलिंग में बदलने के लिए क्रमश: मूल शब्द के बाद पुलिंग में "कोड़ा" और स्त्रीलिंग में "कुड़ि" शब्द जोड़ा जाता है)

चिल्का (जैसे):-

संडि जति (पुलिंग)	एंगा जति (स्त्रीलिंग)
इरल कोड़ा (= देवर)	इरल कुड़ि (= ननद)
गेड़ेंञ् कोड़ा (= मेरा भगिना)	गेड़ेंञ् कुड़ि (= मेरी भगिनी)

जइ कोड़ा	(= पोता)	जइ कुड़ि	(= पोती)
तेंजा कोड़ा	(= साला)	तेंजा कुड़ि	(= साली)
बोकोइञ् कोड़ा	(= छोटा भाई)	बोकोइञ् कुड़ि	(= छोटी बहन)
होन कोड़ा	(= बेटा)	होन कुड़ि	(= बेटी)

पहमे कजि :- होड़ो जगर रे जति ओड़ो: हुदा लो: ते हिन्दी रे लेका "इन" ओड़ो: "अइन" गनतिन (प्रत्यय) जोटो: जमा केआते "एंगा जति" का बइओ:तना । मेन्दो जति ओड़ो: "हुदा" लो:ते "रेनि:" कजि जमाओ:अ ।

(मुंडारी में जाति और उपनामवाची शब्दों का हिन्दी भाषा की तरह "इन" और "अइन" प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग रूप नहीं बनाया जाता है)

चिल्का (जैसे):-

होड़ो जगर टुङ	हिन्दी ओरोतो
(मुण्डारी शब्द)	(हिंन्दी अर्थ)
मुण्डा रेनि:	(= मुण्डा की पत्नी)
पांड़ा रेनि:	(= पहना की पत्नी)
पंडित रेनि:	(= पण्डित की पत्नी)
बड़ाय रेनि:	(= लोहर की पत्नी)

सकम

(वचन)

मेता, नङमेता, गमनङ ओड़ो: उदम रेअ: ओको मुटन ते लेनेका रअ: मुंडि नमो: तना, एना गे सकम कजिओ: तना ।

(संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं ।)

सकम रेअ: हनटिंङ

(वचन के भेद)

होड़ो जगर रे सकम अपि तअ: रे हटिङाकना :-

1. मिद् सकम (एक वचन)
2. बर सकम (द्विवचन)
3. इसु सकम (बहुवचन)

1. **मिद् सकम** (एकवचन):- मिद् सकम ते जेता मियद्उतर गे जिउ च जिनिस रेअः मुंडि नमोः तना ।

(एक वचन से केवल किसी एक प्राणी या पदार्थ का ही बोध होता है)

चिल्का (जैसे):-

कोड़ा	(= लड़का)
कुड़ि	(= लड़की)
चटु	(= घड़ा)
बोतोलो	(= बोतल)

2. **बर सकम** (द्विवचन):- बर सकम ते, टटका जेता बरिया जिउ च जिनिस रअः बारि गे मुंडि नमोः तना ।

(द्विवचन से केवल किसी दो प्राणी या पदार्थ का ही बोध होता है)

चिल्का (जैसे):-

कोड़ाकिङ / किन	(= दो लड़के)
कुड़िकिड़ / किन	(= दो लड़कियाँ)
चटुकिङ / किन	(= दो घड़े)
बोतोलोकिङ / किन	(= दो बोतल)

3. **इसु सकम** (बहुवचन):- इसु सकम ते जेता संगि जिउ च जिनिस रअः एसकर गे मुंडि नमोः तना ।

(बहुवचन से केवल किसी प्राणी या वस्तु की अनेक संख्याओं का बोध होता है)

चिल्का (जैसे):-

कोड़ाको	(= लड़के)
कुड़िको	(= लड़कियाँ)
चटुको	(= घड़े)
बोतोलोको	(= बोतलें)

मिद् सकम ते बर सकम रेअः बनइ मुंडि

(एक वचन से द्विवचन बनाने की विधि)

जति मेता रेअः मिद् सकम लोःते किङ/किन गनतिङ गतिजमा केआते बर सकम बइओःतना ।

(जातिवाचक संज्ञा, एक वचन के साथ "किङ/किन प्रत्यय लगाने पर उसका द्विवचन रूप बनता है)

मिद् सकम (एक वचन)		गनतिन प्रत्यय	बर सकम (द्विवचन)	
उरि:	+	किङ/ किन	उरि:किङ/किन	(= दो गायें)
एरा ।	+	किङ/ किन	एराकिङ/किन	(= दो औरतें)
कोड़ा	+	किङ/ किन	कोड़ाकिङ/किन	(= दो मर्द)
कोनेया	+	किङ/ किन	कोनेयाकिङ/किन	(= दो दुल्हिने)
चटु	+	किङ/ किन	चटुकिङ/किन	(= दो घड़े)
बयर	+	किङ/ किन	बयरकिङ/किन	(= दो रस्सियाँ)
दिया ।	+	किङ/ किन	दियाकिङ/किन	(= दो दीये)
डालि	+	किङ/ किन	डालिकिङ/किन	(= दो टोकरियाँ)
लद्	+	किङ/ किन	लद्किङ/किन	(= दो रोटियाँ)
सकोम	+	किङ/ किन	सकोमकिङ/किन	(= दो चूड़ियाँ)
हाति	+	किङ/ किन	हातिकिङ/किन	(= दो हाथियाँ)

मिद् सकम ते इसु सकम रेअ: बनइ मुंडि

(एक वचन से बहुवचन बनाने की विधि)

जति मेता रेअ: मिद् सकम लो:ते "को" गनतिन गतिजमा केआते इसु सकम बइओ: तना ।

(जातिवाचक संज्ञा एक वचन के साथ "को" प्रत्यय लगाने पर उसका बहुवचन रूप बनता है)

चिल्का (जैसे):-

मिद् सकम (एकवचन)	गनतिन प्रत्यय	इसु सकम (बहुवचन)	
उरि:	+ को	उरि:को	(= गायें)
एरा	+ को	एराको	(= औरतें)
कोनेया	+ को	कोनेयाको	(= दूल्हिनें)
चटु	+ को	चटुको	(= घड़े)
बयर	+ को	बयरको	(= रस्सियाँ)

दिया	+ को	दियाको	(= दीये)
डलि	+ को	डलिको	(= टोकरियाँ)
लद्	+ को	लद्को	(= रोटियाँ)
सकोम	+ को	सकोमको	(= चूड़ियाँ)

थोक मेता रेअ: मिद् सकम लो: ते किङ/किन गनतिन गतिजमा केआते बर सकम बइओ: तना । (समूहवाचक संज्ञा एक वचन के साथ किङ/किन प्रत्यय लगाने पर उसका द्विवचन रूप बनता है)

चिल्का (जैसे):-

मिद् सकम (एक वचन)	गनतिन (प्रत्यय)		बर सकम (द्विवचन)	
गोट	+ किङ/किन =		गोटकिङ/किन	(= दो समूह)
चोम्पा	+ किङ/किन =		चोम्पाकिङ/किन	(= दो गुच्छा)
जुलुस	+ किङ/किन =		जुलुसकिङ/किन	(= दो जुलूस)
दुनुब्	+ किङ/किन =		दुनुब्किङ/किन	(= दो बैठक)
पलटन	+ किङ/किन =		पलटनकिङ/किन	(= दो पलटन)
बुरू	+ किङ/किन =		बुरूकिङ/किन	(= दो पहाड़)
मेला	+ किङ/किन =		मेलाकिङ/किन	(= दो मेला)

थोक मेता रेअ: मिद् सकम लो:ते "को" गनतिन जोटो: जमा केआते इसु सकम बइओ: तना । (समूह वाचक संज्ञा एक वचन के साथ "को" प्रत्यय लगाने पर उसका बहुवचन रूप बनता है)

चिल्का (जैसे):-

मिद् सकम (एक वचन)		गनतिन (प्रत्यय)	इसु सकम (बहु वचन)	
चोम्पा	+	को	= चोम्पाको	(= गुच्छे)
मेला	+	को	= मेलाको	(= मेले)

पहमए कजि:- सुपट मेता रेअ: बर सकमो ओड़ो: इसु सकमो बइ दड़िओ:अ । बर सकम मेन्ते तकिङ/तकिन ओड़ो: इसु सकम मेन्ते "तको" गनतिन मुनु टुङ लो: ते गति जमा होबाओ:अ ।

(जातिवाचक संज्ञा, एक वचन के साथ "किङ/किन प्रत्यय लगाने पर उसका द्विवचन रूप बनता है)

मिद् सकम (एक वचन)		गनतिन प्रत्यय		बर सकम (द्विवचन)	
उरि:	+	किङ/ किन		उरि:किङ/किन	(= दो गायें)
एरा ।	+	किङ/ किन		एराकिङ/किन	(= दो औरतें)
कोड़ा	+	किङ/ किन		कोड़ाकिङ/किन	(= दो मर्द)
कोनेया	+	किङ/ किन		कोनेयाकिङ/किन	(= दो दुल्हिने)
चटु	+	किङ/ किन		चटुकिङ/किन	(= दो घड़े)
बयर	+	किङ/ किन		बयरकिङ/किन	(= दो रस्सियाँ)
दिया ।	+	किङ/ किन		दियाकिङ/किन	(= दो दीये)
डालि	+	किङ/ किन		डालिकिङ/किन	(= दो टोकरियाँ)
लद्	+	किङ/ किन		लद्किङ/किन	(= दो रोटियाँ)
सकोम	+	किङ/ किन		सकोमकिङ/किन	(= दो चूड़ियाँ)
हाति	+	किङ/ किन		हातिकिङ/किन	(= दो हाथियाँ)

मिद् सकम ते इसु सकम रेअ: बनइ मुंडि

(एक वचन से बहुवचन बनाने की विधि)

जति मेता रेअ: मिद् सकम लो:ते "को" गनतिन गतिजमा केआते इसु सकम बइओ: तना ।

(जातिवाचक संज्ञा एक वचन के साथ "को" प्रत्यय लगाने पर उसका बहुवचन रूप बनता है)

चिल्का (जैसे):-

मिद् सकम (एकवचन)	गनतिन प्रत्यय	इसु सकम (बहुवचन)	
उरि:	+ को	उरि:को	(= गायें)
एरा	+ को	एराको	(= औरतें)
कोनेया	+ को	कोनेयाको	(= दूल्हिनें)
चटु	+ को	चटुको	(= घड़े)
बयर	+ को	बयरको	(= रस्सियाँ)

को कर्म कारक कहते हैं इसकी विभक्ति चिह्न "को" है ।)

चिल्का (जैसे):-

i मनिको लेनेआ।

(सरसों को पेरते हैं)

ने बकंड़ा रे मनि "रिनिका" तनअ: ओड़ो: "लेन" उदम। "लेन" रेअ: असर मनि रेगे टोगो: तना ओड़ो: नेअ उदुबतन टुङ "को" तनअ:।

(इस वाक्य में "मनि" कर्म और "लेन" क्रिया है। क्रिया का असर "मनि" पर पड़ रहा है। इसका बोधक शब्द "को" है)

3. **सनब् गनलङ** (करण कारक):- उद्म रअ: सनब् उदुब्तन टुङ सनब् गनलङ कजिओ: तना। सनब् गनलङ रअ: चिना "ते" तनअ:।

(क्रिया के साधन को बताने वाला शब्द "करण कारक" कहलाता है। इसकी विभक्ति चिह्न "ते" है।)

चिल्का (जैसे):-

i ती ते मंडि को जोमेअ।

(हाथ से भात खाते हैं)

नेतअ: रे उदम रेअ: सनब् "ती" तनअ: ओड़ो: "जोम" उदम। नेअ रअ: मुंडि उदुब्तन टुङ "ते" तनअ:।

(यहाँ पर क्रिया का साधन "ती" और "जोम" क्रिया है। और इसका बोधक शब्द "ते" है।

4. **नङ गनलङ** (सम्प्रदान कारक):- ओकोए नङ जांन कमि रिकाओ: तना, ओड़ो: एना रअ: मुंडि ओको टुङ ते नमो: तना, एनागे नङ गनलङ कजिओ: तना। नङ गनलङ रअ: चिना "नङ/नगेन" ओड़ो: "नतिन" तनअ:।

(जिसके लिए कोई कार्य सम्पादित किया जाता है और इसका बोध जिस शब्द से होता है, उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं। इसकी विभक्ति चिह्न "नङ/नगेन" और "नतिन" है।

चिल्का (जैसे):-

i होनको नङ जोमेअ:ए इदिजदा।

(वह बच्चों के लिए मिट्ठाइयाँ ले जा रहा है)

नेतअ: रे कमि होनको मेन्ते रिकाओ: तना, ओड़ो: एना रअ: मुंडि "नङ" टुंङ ते नमो: तना।

(यहाँ पर कार्य बच्चों के लिए सम्पादित हो रहा है और इसका बोधक शब्द "नङ" है।

5. **अपद् गनलङ** (अपादान कारक)
मेता रअ: बिनगन उदम अपद् ओड़ो: एना रअ: मुंडि ओको टुङ ते नमो: तना, एना अपद् गनलङ कजिओ: तना। अपद् गनलङ रअ: चिना "ते" ओड़ो : "आते" तनअ:। (संज्ञा का एक दूसरे से अलग होने की क्रिया को अपादान और जिस शब्द से इसका बोध होता है, उसे अपादान कारक कहते हैं। अपादान कारक की विभक्ति चिह्न "ते", और "आते" हैं।)

चिल्का (जैसे):-

दारू आते सकम उयु: तना।
(पेड़ से पत्ता गिर रहा है)

ने बकंड़ा रे "दारू" ओड़ो: "सकम"मेताकिङ तनअ: ओड़ो: "उयु:" बिनगन उदम। नेअ रअ: मुंडि उदुब् तन टुङ "आते" तनअ:।
(इस वाक्य में "दारू" और "सकम" संज्ञा है। "उयु:" अलग होने की क्रिया है। इसका बोधक शब्द "आते" हैं।)

6. **आड़ा गनलङ** (अधिकरण कारक)
उदम रेअ: आड़ा गे, आड़ा गनलङ कजिओ: तना। नेअ रअ: चिना "रे" तनअ:। (क्रिया का आधार ही अधिकरण कारक कहलाता है, इसकी विभक्ति चिह्न "रे"है।)

चिल्का (जैसे):-

पटि रेए दुबाकना।
(वह चट्टाई पर बैठा है)

ने बकंड़ा रे "दुब्" उदम ओड़ो: आड़ा "पटि" तनअ:। नेअ रअ: मुंडि "रे" टुङ ते नमो: तना।
(इस वाक्य में "दुब्" क्रिया और आधार "पटि" है, इसका बोध "रे" शब्द से मिलता है।

7. **नाता गनलङ** (सम्बन्ध कारक)
मेता रेअ: नाता उदुब् तन टुङको नाता गनलङ कजिओ: तना। नेअ रअ: चिना "अ:/ रअ:/ रेन" तनअ:।
(संज्ञा के सम्बन्ध का बोध कराने वाले शब्दों को सम्बन्ध कारक कहते हैं। इसकी विभक्ति चिह्न अ: / रअ: /रेन है।

चिल्का (जैसे):-

राजाअ: बंगला	(= राजा का बंगला)
ओड़अ: रअ: चउलि ।	(= घर का चावल)
रातू रेन राजा ।	(= रातू का राजा)

चेतन रेअ: बकंड़ाको रे राजा, बंगला, ओड़अ:, चउलि, रातू, ओड़ो: राजा सोबेन मेताको तनअ: । ने बंकड़ाको रे मेता को रअ: नाता उदुब् तन टुङ "अ:/रअ:/ रेन"तनअ: । (ऊपर के वाक्यों में "राजा", बंगला, ओड़अ:, चउलि, रातू और राजा संज्ञाएँ हैं । इन वाक्यों में सम्बन्ध का बोधक अ:/रअ:/रेन है ।)

8. **केनेड़ा गनलङ** (सम्बोधन कारक)

मेता रेअ: ओको मुटन ते रनअ: च केनेड़ा रअ: मुंडि नमो:तना, एनागे केनेड़ा गनलङ कजिओ: तना । नेअ रअ: जेतन मियद् गे चिना बनो:अ । (संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने या सम्बोधित करने का भाव सूचित होता है । उसे सम्बोधन कारक कहते हैं । इसकी कोई एक निश्चित विभक्ति चिह्न नहीं है ।)

चिल्का (जैसे):-

(i) मिद् जुड़ि कोड़ोको केनेड़ा रे "हो" ओड़ो: "हले" को मेनेअ ।
अम हले ! दोलङ होनोर ते ।

(ii) मिद् जुड़ि कुड़िको "बइ", "गो" ओड़ो: "गले" को मेनेअ ।
(अम बइ ! दोलङ सुसुन ते ।)

(iii) अपनाते हुपुड़िङ सेपेड़ेद्को "अम", "अमा" ओड़ो: "बबुआ" को मेताकोअ ।
अमा सोमा ! मर बिरिद्में ।

(iv) अपनाते हुपुड़िङ हमपानुमको "अमगे", "अमना" ओड़ो: "अमना मइ" को मेता कोअ ।
अमगे मरियम ! जू ओड़अ: तेम ।

(v) अपनाते हुपुड़िङ कोड़ा होन ओड़ो: कुड़ि होनको "अम रे", "बाबुरे" आद् "मइरे" को मेताकोअ ।
अमरे ! दअ: रे अलोम इनुङअ ।

(vi) एयङ अबातद् को मेन्ते केनेड़ा रे "गा" कजिओ: तना ।
एयङ गा ! दुब्को:में ।

(vii) मपरङ होड़ोको नगेन "ए" ओड़ो: "ओ" कजिओ: तना ।
ए गोमके ! कमि ओमा लेम ।

नङमेता
(सर्वनाम)

मेता रेअ: उइजि रे हिजु:तन टुङको नङमेता कजिओ: तना । एटअ: लेकाते जोतो नुतुमको बदला रे नमो:तन टुङको गे नङमेता को मेतअ: ।
(संज्ञा के बदले में आने वाले शब्द को ही सर्वनाम कहते हैं । दूसरे शब्दों में सब नाम के बदले में आने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं ।)

नङमेता रेअ: हनटिङ
(सर्वनाम के भेद)

नङमेता मोड़ेतअ: रे हटिङाकना–

1. होड़ो नङमेता (पुरुष वाचक सर्वनाम)
2. चुंडुल नङमेता (संकेत वाचक सर्वनाम)
3. कुनुलि नङमेता (प्रश्न वाचक सर्वनाम)
4. मुंडि नङमेता (निश्चय वाचक सर्वनाम)
5. का मुंडि नङमेता (अनिश्य वाचक सर्वनाम)

1. **होड़ो नङमेता** (पुरुष वाचक सर्वनाम):– होड़ोकोअ: नुतुम बदला रे हिजु:तन टुङको गे होड़ो नङमेता कजिओ:तना ।
(व्यक्तियों के नाम के बदले में आने वाले शब्दों को पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं)
चिल्का (जैसे):–

सोमा सेनो: तना ।
(सोमा जा रहा है ।)
अए: सेनो: तना ।
(वह जा रहा है ।)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे "सोमा" मेता तनि: । मेनदो लतर रेअ: बकंड़ा रे सोमा बदला रे अए: हिजु:अकना । नेअगे होड़ो नङमेता कजिओ: तना ।
होड़ो नङमेता ओड़ो: अपितअ: रे हटिड़ाकना –

i सिदानि: (उत्तम पुरुष)
ii तलानि: (मध्यम पुरुष)
iii एटअ:नि: (अन्य पुरुष)

i. **सिदानि:** (उत्तम पुरुष):- कजि तनिअ: नुतुम बदला रे हिजु:तन टुङ सिदानि: कजिओ: तना ।
(वक्ता के नाम के बदले में आने वाले शब्द को उत्तम पुरुष कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- मिद् सकम (एक वचन)
सिदानि: अइञ्
(उ०पु०) (मैं)

ii. **तलानि:** (मध्यम पुरुष):- अयुम तनिअ: नुतुम बदला रे हिजु:तन टुङ तलानि: कजिओ: तना ।
(स्रोता के नाम के बदले में आने वाले शब्द को मध्यम पुरुष कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- मिद् सकम (एक वचन)
तलानि: अम
(म०पु०) (तुम)

iii. **एटअ:नि:** (अन्य पुरुष):- कजिओ: तनिअ: नुतुम बदला रे हिजु:तन टुंङ एटअ: नि: कजिओ: तना ।
(जिसके सम्बन्ध में कोई बात कही जाती है, उसके नाम के बदले में आने वाले शब्द को अन्य पुरुष कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- मिद् सकम (एकवचन)
एटअ:नि: अए:/इनि:
(अ०पु०) (वह)

—xxx—

होड़ो नङमेता रेअः मुटन

(पुरुष वाचक सर्वनाम का स्वरूप)

होड़ो (पुरुष)	मिद् सकम (एक वचन)	बर सकम (द्वि वचन)	इसु सकम (बहु वचन)
सिदा निः	अइञ्	अलङ/अलिङ	अले/अबु
(उ०पु०)	मैं	हम दोनों	हम लोग
तलानिः	अम	अबेन/अबिन	अपे
(म०पु०)	तुम	तुम दोनों	तुम लोग
एटअःनिः	अएः	अकिङ/अकिन	अको
(अ०पु०)	वह	वे दोनों	वे लोग

2. **चुंडुल नङमेता** (संकेत वाचक सर्वनाम):- चुंडुल नङ हिजुःतन टुङको चुंडुल नङमेता कजिओः तना।
(संकेत के लिए प्रयोग में आने वाले शब्दों को संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

नि, हिनिः, नेः, हेनेः एमन टुङको।

चुंडुल नङमेता ओड़ोः बरतअः रे हटिङाकना-

1. नड़ेः चुंडुल नङमेता (निकटवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम)
2. संगिन चुंडुल नङमेता (दूरवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम)

1. **नड़ेः चुंडुल नङमेता** (निकटवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम):- नड़ेः चुंडुल नङ हिजुःतन टुङको नड़ेः चुंडुल नङमेता कजिओः तना।
(निकटवर्ती संकेत के लिए प्रयोग में आने वाले शब्दों को निकटवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं।)

नड़ेः चुंडुल नङमेताओ ओड़ोः बरतअः रे हटिङाकना :-

i. जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता।
ii. का जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता।

i. **जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता** (प्राणीसूचक संकेत वाचक सर्वनाम):- नड़े:रे मेनअः जीअन को चुंडुल नङ हिजुः तन टुङको जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता कजिओः तना । (निकटवर्ती प्राणी सूचक संकेत के लिए प्रयोग में आने वाले शब्दों को प्राणीसूचक निकटवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- न, नि, ने (= यह)
नि होड़ो तनिः ।
(यह आदमी है)

ii. **का जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता** (अप्राणीसूचक संकेत वाचक सर्वनाम)
नड़े:रे मेनअः का जीअन को चुंडुल नङ हिजु:तन टुङको का जीअन नड़ेः चुंडुल नङमेता कजिओः तना ।
(निकटवर्ती अप्राणीसूचक संकेत के लिए प्रयोग में आने वाले शब्द को अप्राणीसूचक निकटवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- नेअ (= यह)

2. **संगिन चुंडुल नङमेता** (दूरवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम)
संगिन चुंडुल नङमेताओ ओड़ोः बरतअः रे हटिङाकना-

i. जीअन संगिन चुंडुल नङमेता ।
ii. का जीअन संगिन चुंडुल नङमेता

i. **जीअन संगिन चुंडुल नङमेता**(प्राणीसूचक दूरवर्त्ती संकेत वाचक सर्वनाम) संगिन रे मेनअः जीअन को चुंडुल नङ हिजु:तन टुङको जीअन संगिन चुंडुल नङमेता कजिओः तना । (दूरवर्ती प्राणी सूचक संकेत के लिए प्रयोग में आने वाले शब्द को प्राणी सूचक दूरवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- हन, हनिः हेन (वह, वो)
हन होड़ोको । (वो आदमी)

ii. **का जीअन संगिन चुंडुल नङमेता** (अप्राणी सूचक दूरवर्त्ती संकेत वाचक सर्वनाम)
संगिन रे मेनअः का जीअन को चुंडुल नङ हिजुः तन टुङको का जीअन संगिन चुंडुल नङमेता कजिओ:तना ।

(दूरवर्ती अप्राणी सूचक संकेत के लिए प्रयोग में आनेवाले शब्द को अप्राणी सूचक दूरवर्ती संकेत वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- हना, हेन, हेना (वह, वो)

हेना बुरू तनअः ।

(वह पहाड़ है ।)

3. **कुनुलि नङमेता** (प्रश्न वाचक सर्वनाम):- कुनुलि नङ हिजुःतन टुङको कुनुलि नङमेता कजिओःतना ।

(एक दूसरे से प्रश्न करने के लिए आने वाले शब्दों को प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

कुनुलि नङ हिजुःतन टुङको ओड़ोः बरतअः रे हटिङाकना :-

i. जीअन कुनुलि नङमेता (प्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम)

ii. का जीअन कुनुलि नङमेता (अप्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम)

i. **जीअन कुनुलि नङमेता** (प्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम):- जीअन को कुलि नङ हिजुःतन टुङको जीअन कुनुलि नङमेता कजिओःतना । (जीवों को पूछने के निमित आने वाले शब्द को प्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

ओकोनिः, ओकोए (= कौन सा, कौन)

चनिः, चिकानिः (= क्या)

चिल्कानिः (= किस तरह का)

चिमिन, चिमिनङ (= कितना)

i. ओकोनिः किङ मरङअ ?

(दोनों में कौन बड़ा है ?)

ii. ओकोए नेते हिजुः तना ?

(कौन इधर आ रहा है ?)

ii. **का जीअन कुनुलि नङमेता** (अप्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम):- का जीअन को कुलि नङ हिजुःतन टुङको का जीअन कुनुलि नङमेता कजिओःतना ।

(अप्राणी वाचक को पूछने के लिए आने वाले शब्द को अप्राणीसूचक प्रश्न वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

ओकोअः	(= कौन सा)
चिनअः, चिकानअः	(= किस तरह का)
चिमिन, चिमिनङ	(= कितना)

i. ओकोअः मरङ दरू तनअः ?
(कौन सा बड़ा पेड़ है ?)

ii. चनअःए नमतना ?
(वह क्या माँग रहा है ?)

4. **मुंडि नङमेता** (निश्चय वाचक सर्वनाम):- जेता सुपट जिउ च जिनिस उदुब् नङ हिजुःतन टुङको मुंडि नङमेता कजिओःतना ।
(जिस सर्वनाम से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध होता है, उसे निश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

नमिन/नमिनङ, निमिन/निमिनङ	(= इतना)
अमिन/अमिनङ, इमिन/इमिनङ	(= उतना)
हमिन/हमिनङ, हिमिन/हिमिनङ	(= उतना)

i. नमिन मरङ बुरू ।
(इतना बड़ा पहाड़)

ii. इमिनङ हुड़िङ टका ।
(उतना कम रुपया)

5. **का मुंडि नङमेता** (अनिश्चय वाचक सर्वनाम):- ओको टुङको ते जेता सुपट जिउ च जिनिसको रअः मुंडि का नमोः तना, एनागे का मुंडि नङमेता कजिओःतना । (जिस सर्वनाम से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध नहीं होता है, उसे अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

का मुंडि नङमेता ओड़ो: बरतअ: रे हटिङाकना :-

i. जीअन का मुंडि नङमेता (प्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम)

ii. का जीअन का मुंडि नङमेता (अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम)

i. जीअन का मुंडि नङमेता (प्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम):-

ओको टुङको ते जेता सुपट जिउ रअ: मुंडि का नमो:तना, एनागे जीअन का मुंडि नङ मेता कजिओ:तना ।

(जिस शब्द से किसी निश्चित प्राणी का बोध नहीं होता है, उसे प्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

	जाँए/जेताए	(= कोई)
	जाँनि:/जेतानि:	(= कोई).
i.	जाँए हिजु:तना ।	(कोई आ रहा है)
ii.	जेताए बङगअ:इअ ।	(कोई नहीं है)

ii. का जीअन का मुंडि नङमेता (अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम):-

ओको टुङ ते जेता सुपट जिनिस रअ: मुंडि का नमो: तना, एनागे का जीअन का मुंडि नङमेता कजिओ:तना ।

(जिस शब्द से किसी निश्चित वस्तु का बोध नहीं होता है, उसे अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

	जान/जेतान	(= कोई)
	जाँनअ:/जेतानअ:	(= कुछ)
i.	जेतन कजि बनो:अ ।	(कोई बात नहीं है)
ii.	जाँनअ: ओमाइ में ।	(उसे कोई चीज दे दो)

—xxx—

गमनङ

(विशेषण)

मेता च नङमेता रेअः मइन उदुब् तन टुङको गे गमनङ कजिओः तना ।
(संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को ही विशेषण कहते हैं ।)
चिल्का (जैसे):-

अराअः बबा	(= लाल धान)
नवा ओड़ाअः	(= नया घर)
पुंडि सिम	(= सफेद मुर्गी)
मरङ होड़ो	(= बड़ा आदमी)
ससङ बा	(= पीले फूल)

चेतन रेअः बकंड़ा रे अरअः, नवा, पुंडि, मरङ, ओड़ोः ससङ टुङ गमनङ तनअः। ने टुङको ते बबा, ओड़अः, सिम, होड़ो, ओड़ोः बा रअः मइन उदुबोः तना ।
(ऊपर के वाक्यों में लाल, नया, सफेद, बड़ा और पीला शब्द विशेषण हैं । इन्हीं शब्दों से धान, घर, मुर्गी, आदमी और फूल की विशेषता का पता मिलता है ।

गमनङ रेअः हनटिङ

(विशेषण के भेद)

गमनङ अपि तअः रे हटिङाकना ।

1. गुन उदुब् गमनङ (गुण वाचक विशेषण)
2. लेनेका उदुब् गमनङ (संख्या वाचक विशेषण)
3. नापि उदुब् गमनङ (परिमाण वाचक विशेषण)

1. **गुन उदुब् गमनङ** (गुण वाचक विशेषण):- मेता च नङमेता रअः गुन उदुब् तन टुङको गे गुन उदुब् गमनङ कजिओः तना ।
(संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को ही गुणवाचक विशेषण कहते हैं ।)
चिल्का (जैसे):-

उरगुम लिजअः	(= गर्म कपड़ा)
एसेल होड़ो	(= गोरा आदमी)
नवा कोनेया	(= नयी दुल्हिन)
पंडु सकम	(= पीले पत्ते)

ii. का जीअन का मुंडि नङमेता (अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम)

i. जीअन का मुंडि नङमेता (प्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम):-

ओको टुङको ते जेता सुपट जिउ रअः मुंडि का नमो:तना, एनागे जीअन का मुंडि नङ मेता कजिओ:तना।

(जिस शब्द से किसी निश्चित प्राणी का बोध नहीं होता है, उसे प्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

	जाँए/जेताए	(= कोई)
	जाँनि:/जेतानि:	(= कोई).
i.	जाँए हिजु:तना।	(कोई आ रहा है)
ii.	जेताए बङगअ:इअ।	(कोई नहीं है)

ii. का जीअन का मुंडि नङमेता (अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम):-

ओको टुङ ते जेता सुपट जिनिस रअः मुंडि का नमोः तना, एनागे का जीअन का मुंडि नङमेता कजिओ:तना।

(जिस शब्द से किसी निश्चित वस्तु का बोध नहीं होता है, उसे अप्राणीसूचक अनिश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

	जान/जेतान	(= कोई)
	जाँनअ:/जेतानअ:	(= कुछ)
i.	जेतन कजि बनो:अ।	(कोई बात नहीं है)
ii.	जाँनअ: ओमाइ में।	(उसे कोई चीज दे दो)

—xxx—

iii मोमोड़ेया लद् ओमाकोपे। (उन्हें पाँच-पाँच रोटियाँ दे दो।)

iv बरसा गलेद् को होसोड़ो कि:इञा। (उन्होंने मुझे दो-दो बार धोखा दिया।)

ii. **का मुंडिअन लेनेका उदुब् गमनङ** (अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण)
मेता च नङमेता रअ: लेनेका ओको टुंङको ते सुपट का मुंडिओ तना, एना गे का मुंडिअन लेनेक उदुब् गमनङ कजिओ: तना ।
(संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध जिन शब्दों से नहीं होता है, उसे अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

गोटा ओड़अ:	(= पूरा परिवार)
तारा टका	(= कुछ रुपया)
पुरअ: जोजो	(= बहुत खट्टा)
संगि होड़ोको	(= बहुत आदमी)
सोबेन होनको	(= सब बच्चे)
हुड़िङ मंडि	(= थोड़ा खाना)

नेतअ: रे गोटा, तारा, पुरअ:, संगि, सोबेन ओड़ो: हुड़िङ टुङको ते सुपट लेनेका रअ: मुंडि का नमो: तना । एनाते नेअको जोतो का मुंडिअन लेनेका उदुब् गमनङ तनअ: ।
(यहाँ पर गोटा, तारा, पुरअ:, संगि, सोबेन और हुड़िङ शब्दों से निश्चित संख्या का बोध नहीं होता है । इसलिए ये सभी शब्द अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण हैं ।)

3. **नापि उदुब् गमनङ** (परिमाण वाचक विशेषण):- ओको टुङको ते तुलाओ:, मुकाओ: ओड़ो: जोकाओ: जिनिसको रअ: मुंडि नमो: तना, एनाको गे नापि उदुब् गमनङ कजिओ: तना ।
(जिन शब्दों से नापी या तौली जाने वाली वस्तुओं का बोध होता है, उसे परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

अपि कांचि बाबा	(= तीन टोकरी धान)
ए सेर ऐड़ेंको	(= सात सेर लाह)
गेल पुइला चउलि	(= दस पइला चावल)
बल्टि पेरे: तोवा	(= बल्टी भर दूध)
बर मुका किचिरि	(= दो हाथ कपड़ा)
मिद् बोतोलो सुनुम	(= एक बोलत तेल)

नेतअ: रे बाबा, एड़ें, चउलि, तोवा, किचिरि ओड़ो: सुनुम सोबेन तुलाओ:, मुकाओ: ओड़ो: जोकाओ: जिनिस को गे तनअ: । एना मेन्ते ने सोबेन जिनिस नापि उदुब् गमनङ को तनअ: ।

(यहाँ पर बाबा, ऐड़ें, चउलि, तोवा, किचिरि और सुनुम, सभी नापी या तौली जाने वाली वस्तुएँ हैं । इसलिए ये सभी वस्तुएँ परिमाण वाचक विशेषण हैं ।)

गमनङ ते बोरोन मेता रेअ: बनइ मुंडि

(विशेषण से भाव वाचक संज्ञा बनाने की विधि)

i. गमनङ टुङ रअ: एनेटे: रे मुनु बनि च बनितोङ चिना आ (ा), इ (ि) उ (ु), ऊ (ू) ए (े) ओड़ो: ओ (ो), तइनो: रे बोजा बनि "न" रेओ एन मुनु बनि रअ: बनितोङ चिना गे जोटो:जमाओ:अ ।

(विशेषण शब्द के आरम्भ में स्वर वर्ण या मात्रा चिह्न आ (ा), इ(ि), उ (ु) ऊ (ू), ए (े), और ओ"(ो) रहने पर व्यंजन वर्ण "न" में भी उसी स्वर वर्ण की मात्रा चिह्न का प्रयोग होता है ।)

चिल्का (जैसे):-

गमनङ (विशेषण)		बोरोन मेता (भाव वाचक संज्ञा)	
इकिर	(= गहरा)	इनिकिर	(= गहराई)
एसेल	(= गोरा)	एनेसेल	(= गोरापन)
ओसर	(= चौड़ा)	ओनोसर	(= चौड़ाई)
केटे:	(= कठोर)	केनेटे:	(= कठोरता)
गोजा	(= नुकीला)	गोनोजा	(= नोक)
जिलिङ	(= लम्बा)	जिनिलिङ	(= लम्बाई)
सुगड़ा	(= सुन्दर)	सुनुगड़	(= सुन्दरता)

ii. गमनङ टुङ रअ: एनेटे: बनि रे बनितोङ चिना का तइनो: इमतङ बोजा बनि "न" रेओ जेतन बनितोङ चिना का जोटोगो: अ ।

(विशेषण शब्द के आरम्भिक वर्ण में मात्रिक चिह्न नहीं रहने पर व्यंजन वर्ण "न" में भी कोई मात्रा चिह्न नहीं लगता है ।)

चिल्का (जैसे):-

गमनङ	बोरोन मेता
(विशेषण)	(भाव वाचक संज्ञा)
सरति (= सच्चा)	सनरति (= सच्चाई)
सलंगि (= ऊँचा)	सनलंगि (= ऊँचाई)

गमनङ रेअः दसाको

(विशेषण की अवस्थाएँ)

होड़ो जगर रे गमनङ रेअः अपिया दसा मेनअः। एनाको मुनु दसा, तला दसा ओड़ोः निमन दसा कजिओः तना। गमनङ रेअः ने दसाको नेका उदुब् दड़िओःअ।

मुनु दसा	तला दसा	निमन दसा
(मूलावस्था)	(मध्यावस्था)	(उत्तमावस्था)
बुगिन	बुगिन गरङ/नोः	बुगिन उतर
मरङ	मरङ गरङ/नोः	मरङ उतर
हुड़िङ	हुड़िङ गरङ/नोः	हुड़िङ उतर
हेड़ेम	हेड़ेम गरङ/नोः	हेड़ेम उतर
सलंगि	सलंगि गरङ/नोः	सलंगि उतर

गमनङ दसा रेअः बनइ मुंडि

मुनु दसा रे गनतिन गरङ/नोः जोटोः केआते तला दसा बइओः तना ओड़ोः तला दसा रेअः गनतिन "गरङ/नोः" ओचोः परका के ते एन टयद् रे गनतिन "उतर" जोटोः केआते निमन दसा बइओः तना। नेअ लतर रेअः जोनोका ते लेल दड़िओःअ।

बकंड़ा रे ने दसाको रेअः उनुदुब्

मुनु दसा (मूलावस्था) - सोमा मियद् बुगिन होन तनिः। (सोमा एक अच्छा लड़का है)

तला दसा (मध्यावस्था) - सोमा सुखराम आते बुगिन गरङ होन तनिः। (सोमा सुखराम से अच्छा लड़का है)

निमन दसा (उत्तमावस्था) - सोमा सोबेन कोआते बुगिन उतर होन तनिः। (सोमा सबसे अच्छा लड़का है)

उदम

(क्रिया)

ओको टुङ ते जेता कमि रिकाओः च होबाओः तन रेअःमुंडि नमोः तना, एनागे उदम कजिओः तना ।

(जिस शब्द से किसी काम के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

ओलेअइञ् । (मैं लिखूँगा)
जोमेअम । (तुम खाओगे)
सेनोःअएः । (वह जाएगा)

सिदा बकंड़ा रे "ओल" तला बकंड़ा रे "जोम" ओड़ोः टुंडु बकंड़ा रे "सेनोः" रअः कमि होबाओःतनअः मुंडिओः तना । एना मेनते "ओल" "जोम" ओड़ोः सेनोः उदम को कजिओः तना ।

(प्रथम वाक्य में "ओल" दूसरे वाक्य में "जोम" और अंतिम वाक्य में "सेनोः" शब्द से क्रिया के होने का बोध होता है । इसलिए "ओल" "जोम" और "सेनोः" ये सभी क्रियाएँ हैं ।)

उदम रेअः हनटिङ

(क्रिया के भेद)

उदम असर लेकाते बरतअः रे हटिङाकना :-

1. सम रिनिका उदम (सकर्मक क्रिया)
2. समा रिनिका उदम (अकर्मक क्रिया)

1. **सम रिनिका उदम** (सकर्मक क्रिया):-

ओको उदम रेअः असर रिनिका रे टोगोः तना, एना सम रिनिका उदम कजिओः तना ।

(जिस क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं)।

चिल्का (जैसे):-

i. उलिए जोमतना । (वह आम खा रहा है)
ii. दअःइञ् नू तना । (मैं पानी पी रहा हूँ)

चेतन रेअः सिदा बकंड़ा रे "जोम" ओड़ोः तयोम बकंड़ा रे "नू" उदम तनअः। उदम रअः असर सिदा बकंड़ा रे "उलि" ओड़ोः तयोम बकंड़ा रे "दअः रे रितागे लेलोःतना। एना मेनते ने बरन बकंड़ा रेअः उदम, सम रिनिका उदम कजिओः तना।

(ऊपर के प्रथम वाक्य में "जोम" और दूसरे वाक्य में "नू" क्रिया है। क्रिया का असर प्रथम वाक्य में "उलि" और दूसरे वाक्य में "दअः" में स्पष्ट दिखाई देता है। इसलिए दोनों वाक्यों की क्रियाएँ सकर्मक क्रिया है।)

2. **समा रिनिका उदम** (अकर्मक क्रिया):- ओको उदम रेअः असर कमिनिः (कर्त्ता) रेगे टोगोः तना, एना समा रिनिका उदम कजिओः तना। (जिस क्रिया का फल कर्त्ता पर पड़ता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

गितिःअकनाए। (वह सोया हुआ है)
गोतअःन तनाञ्। (मैं खुजला रहा हूँ)

चेतन रेअः सिदा बकंड़ा रे "गितिः" ओड़ोः तयोम बकंड़ा रे "गोतअःन" उदम तनअः। बरन बकंड़ा रे उदम रेअः असर सुपट गे कमिनिः रे टोगोः तना। एना मेनते नेअकिङ समा रिनिका उदम तनअः।
(ऊपर के प्रथम वाक्य में "गितिः" और दूसरे वाक्य में "गोतअःन "क्रियाएँ हैं। दोनों वाक्य में क्रिया का असर स्पष्ट रूप से कर्त्ता पर ही पड़ रहा है। इसलिए ये दोनों अकर्मक क्रियाएँ हैं।)

होड़ो जगर रेअः मूद् उदमको

मेनअः /मेनागा :- मुंडि उदुब् बंकड़ा रे का जीअन मेता लोओः ते "मेनअः" ओड़ोः जीअन मेता रे मूद् उदम "मेनअः" लोओः ते नङमेता गनतिनको जोटोगोः तना। मेनदो गनतिन सकम जइन बदिलि इदिओःअ।

(विधान वाचक वाक्य में अप्राणी वाचक संज्ञा के साथ "मेनअः" और प्राणी वाचक संज्ञा में विशिष्ट क्रिया "मेनअः" के साथ सर्वनामिक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। लेकिन प्रत्यय वचन के अनुरूप बदलता है।

चिल्का (जैसे) :-

(i) का जीअन मेता : डालि रे उलि मेनअ: ।
(अप्राणी वाचक संज्ञा) : (टोकरी में आम है)

(ii) जीअन मेता : अइञ् राँची रे मेनअ: इञ्अ ।
(प्राणी वाचक संज्ञा) : (मैं राँची में हूँ ।)

पहमे कजि :- "मेनअ: रअ: बदला रे "री/रे" ओ मूद् उदम लेका गे बकंड़ा रे जोटोगो: तना ।

("मेनअ:" के विकल्प में "री/रे" का प्रयोग भी वाक्य में विशिष्ट क्रिया के रूप में किया जाता है ।)

चिलका (जैसे) :-

होनिइङ कोड़ा दिल्ली रीअ ।
(मेरा बेटा दिल्ली में है)।

बनो:/ बनो:अ/ बनोगा :- उजुर उदुब् बकंड़ा रे का जीअन मेता मेन्ते "बनों: बनों:अ/बनोगा" ओड़ो: जीअन् मेता मेन्ते "बङ / बङगअ:"जोटोगो: तना । गनतिन सकम जइन बदिलि इदिओ:अ ।

(निषेध वाचक वाक्य में अप्राणी वाचक संज्ञा के लिए "बनो:/बनो:अ/बनोगा" और प्राणी वाचक संज्ञा के लिए "बङ/बङ गअ: "जोड़ा जाता है । प्रत्यय वचन के अनुसार बदलता है ।

चिलका (जैसे) :-

(i) का जीअन मेता : अइञ् तअ: रे टका बनो:/ बनो:अ ।
(अप्राणी वाचक संज्ञा) : (मेरे पास पैसे नहीं हैं ।)

(ii) जीअन मेता : ओड़अ रे जेताए बङकोअ ।
(प्राणी वाचक संज्ञा) : (घर में कोई नहीं हैं ।)
जीअन मेता : सोमा ओड़अ: रे बङगअ: इअ ।
(प्राणी वाचक संज्ञा) : (सोमा घर में नहीं है ।)

तन :- "का जीअन मेता लोओ: ते मूद उदम "तन" रे मुनु बनि "अ:" जोटोगो: तना ओड़ो: जीअन मेता लोओ: ते "तन" रे नङमेता गनतिन। गनतिन सकम जइन बदिलि इदिओ:अ। (अप्राणी वाचक संज्ञा के साथ विशिष्ट क्रिया "तन" में स्वर वर्ण "अ:" जोड़ा जाता है और प्राणी वाचक संज्ञा के साथ "तन" में सर्वनामिक प्रत्यय वचन के अनुरूप बदलते हैं।)

i	का जीअन मेता	:	नेअ चउलि तनअ:।
	(अप्राणीवाचक संज्ञा)	:	(यह चावल है।)
ii	जीअन मेता	:	इनि: मुण्डा तनि:।
	(प्राणी वाचक संज्ञा)	:	(वह मुण्डा है।)

उदम ते मेता रेअ: सोंगड़ा बनइ मुंडि
(क्रिया से संज्ञा बनाने की सामान्य विधि)

i. उदम रेअ: एनेटे: रे मुनु बनि तइनों: रे, एन तयोम रेगे बोजा बनि "न" जोटोगो: अ ओड़ो: "न" रे एन मुनु बनि रअ: बनितोङ चिना गे ओल जमाओ: अ। एनाते उदम रेअ: सरे: अकन टुङको जोटोगो: अ।
(क्रिया का प्रथम अक्षर यदि स्वर वर्ण हो, तो उस स्वर वर्ण के ठीक बाद में व्यंजन "न" लगेगा और उस पर सम्बन्धित स्वर की मात्रा ही लगेगा। तब अंत में क्रिया के शेषांश को जोड़ते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
असि	(= माँगना)	अनासि	(= माँग)
इतु	(= सिखाना)	इनितु	(= सीख)
उरूम	(= पहचानना)	उनुरूम	(= पहचान)
एम	(= देना)	एनेम	(= देन)
ओल	(= लिखना)	ओनोल	(= लिखावट)

ii. उदम रेअ: एनेटे: रे बोजा बनि तइनों: रे ओड़ो: एन बोजा बनि रे बनितोङ चिना तइन जन रे "न" रेओ सिदा रअ: बनितोङ चिना गे जोटो: जमाओ:अ।

(क्रिया का प्रथम अक्षर यदि व्यंजन वर्ण हो और उस पर मात्रा चिह्न लगा हो, तो व्यंजन वर्ण "न" पर भी वही मात्रा चिह्न लगता है।)

चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
दुब्	(= बैठना)	दुनुब्	(= बैठक)
लेका	(= गिनना)	लेनेका	(= गिनती)
हेर	(= बोना)	हेनेर	(= बोआई)
सेन	(= चलना)	सेनेन	(= चलन)

iii. उदम रेअः एनेटेः रे बोजा बनि तइनोंः रे ओड़ोः एन बोजा बनि रे बनितोंङ चिना का तइन जन रे "न" रेओ जेतन बनितोंङ चिना का ओमोगा। (क्रिया का प्रथम अक्षर यदि व्यंजन वर्ण हो और उस पर कोई मात्रा चिह्न न रहे, तो व्यंजन वर्ण "न" पर भी कोई मात्रा चिह्न नहीं लगेगा)।

चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
गलङ	(= बिनना)	गनलङ	(= बिनावट)
दल	(= पीटना)	दनल	(= पिटाई)
सब्	(= पकड़ना)	सनब्	(= पकड़)
बइ	(= बनाना)	बनइ	(= बनावट)
सला	(= चुनना)	सनला	(= चुनाव)

समा रिनिका उदम रेअः बनइ मुंडि
(अकर्मक क्रिया बनाने की विधि)

i. उदम रेअः टुंडु बनि रे "आ" (ा) रेअः बनितोङ चिना तइनोः रे गनतिन "अन" अर का तइनोः रे गनतिन "एन" जोटोगोः तना।
(क्रिया पद के अंतिम वर्ण में "आ (ा)" की मात्रा रहने पर प्रत्यय "अन" और नहीं रहने पर प्रत्यय "एन" लगता है।)

अन (आ+अ = आ (ा)

उदम (क्रिया)		गनतिन (प्रत्यय)	समा रिनिका उदम (अकर्मक क्रिया)
लगा	+	अन	= लगान
हका	+	अन	= हकान
सला	+	अन	= सलान
लेका	+	अन	= लेकान
मेसा	+	अन	= मेसान
पुरा	+	अन	= पुरान
चिटा	+	अन	= चिटान

एन (अ + ए = ए (ॅ)

तोल	+	एन	= तोलेन
सब्	+	एन	= सबेन
ओल	+	एन	= ओलेन
जल	+	एन	= जलेन
लेल	+	एन	= लेलेन

ii. इ (ि), ई (ी), उ (ु), (ऊ), (ू), ए (ॅ), रेअः बनितोङ चिना च बनि तइनोः रे गनतिन, "न" जोटोगोः तना ।

(इ (ि), ई (ी), उ (ु) (ऊ) (ू), (ए) (ॅ), की मात्रा या वर्ण रहने पर प्रत्यय "न" लगता है ।)

न

कजि	+	न	= कजिन
राजि	+	न	= राजिन
इतु	+	न	= इतुन
गुतु	+	न	= गुतुन
सू	+	न	= सून

iii. उदम रअः टुडुं बनि "व" तइनोः रे गनतिन "ओन" जोटोः जमा केआते समा रिनिका उदम बइओः तना ।

(क्रिया पद के अंत में व्यंजन वर्ण "व" रहने पर प्रत्यय "ओन" लगाकर अकर्मक क्रिया बनता है ।)

ओन (अ + ओ = ओ (ो)

कटाव	+	ओन / एन	= कटावोन / एन
लगव	+	ओन / एन	= लगवोन / एन
जोगव	+	ओन / एन	= जोगवोन / एन
सटाव	+	ओन / एन	= सटावोन / एन

सम रिनिका उदम रेअः बनइ मुंडि

(सकर्मक क्रिया बनाने की विधि)

i. उदम रेअः टुंडु रे बनितोङ चिना का तइनोः रे "इ" रअः बनितोङ चिना (ि) ओम केआते सम रिनिका उदम बइओःतना ।

(क्रिया पद का अंतिम वर्ण मात्रा विहीन रहने पर, उस वर्ण में "इ" (ि) की मात्रा देकर सकर्मक क्रिया बनता है ।)

उदम (क्रिया)		बनितोंङ चिना (मात्रा चिह्न)	सम रिनिका उदम (सकर्मक क्रिया)
सब	+	ि	= सबि
दल	+	ि	= दलि
नम	+	ि	= नमि

ii. उदंम टुंनुडु रे मुनु बनि च बनि ओतोङ चिना आ (ा), इ (ि), ई (ी), उ (ु), ऊ (ू), ए (े), ओ (ो), ओड़ोः अः (ः) तइनोः रे एन तयोम रे मुनु बनि "इ" जोटोः केआते सम रिनिका उदम बइओः तना ।

(क्रिया के अंतिम वर्ण में स्वर वर्ण या स्वर वर्ण की मात्राएँ आ (ा), इ (ि) ई (ी) उ (ु) ऊ (ू), ए (े), ओ (ो) और अः (ः) रहने पर अंत में स्वर वर्ण "इ" लगाकर सकर्मक क्रिया बनाया जाता है ।)

उदम (क्रिया)	मुनु बनि (स्वर वर्ण)	सम रिनिका उदम (सकर्मक क्रिया)
लगा	+ इ	= लगाइ

उदम (क्रिया)	मुनु बनि (स्वर वर्ण)	सम रिनिका उदम (सकर्मक क्रिया)
सला	+ इ	= सलाइ
जमा	+ इ	= जमाइ
इदि	+ इ	= इदिइ
इतु	+ इ	= इतुइ
अचु	+ इ	= अचुइ
बले	+ इ	= बलेइ
थब्अः	+ इ	= थब्अःइ
दोंदो	+ इ	= दोंदोइ

उदम ते मेता रेअः सोंगड़ा बनइ मुंडि

(क्रिया से संज्ञा बनाने की सामान्य विधि)

i. उदम रेअः एनेटेः रे मुनु बनि तइनोः रे, एन तयोम रे गे बोजा बनि "न" जोटोगोःअ ओड़ोः "न" रे एन मुनु बनि रअः बनितोङ चिना गे ओल जमाओःअ । एनाते उदम रेअः सरेःअकन टुंङको जोटोगोःतना ।

(क्रिया का प्रथम अक्षर यदि स्वर वर्ण हो, तो उस स्वर वर्ण के ठीक बाद में व्यंजन वर्ण "न" लगेगा और उस पर सम्बन्धित स्वर वर्ण की मात्रा लगता है और अंत में क्रिया के शेषांश को जोड़ते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
असि	(= माँगना)	अनासि	(= माँग)
इतु	(= सिखाना)	इनितु	(= सीख)
उरूम	(= पहचानना)	उनुरूम	(= पहचान)
एम	(= देना)	एनेम	(= देन)
ओल	(= लिखना)	ओनोल	(= लिखावट)

ii. उदम रेअः एनेटेः रे बोजा बनि तइनोः रे ओड़ोः एन बोजा बनि रे बनितोङ चिना तइन जन रे "न" रेओ सिदा रअः बनितोङ चिना गे जोटोः जमाओः अ ।

(क्रिया का प्रथम अक्षर यदि व्यंजन वर्ण हो, और उस पर मात्रा लगी हुई हो, तो व्यंजन वर्ण "न" पर भी वही मात्रा लगेगा ।

चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
दुब्	(= बैठना)	दुनुब्	(= बैठक)
लेका	(= गिनना)	लेनेका	(= गिनती)
हेर	(= बोना)	हेनेर	(= बोआई)
सेन	(= चलना)	सेनेन	(= चलन)

iii. उदम रेअः एनेटेः रे बोजा बनि तइनोः रे ओड़ोः एन बोजा बनि रे बनितोङ चिना का तइन जन रे "न" रेओ जेतन बनितोङ चिना का ओमोःअ ।
(क्रिया का प्रथम अक्षर यदि व्यंजन वर्ण हो और उस व्यंजन वर्ण पर कोई मात्रा चिह्न नहीं लगा हो, तो व्यंजन वर्ण "न" पर भी कोई मात्रा चिह्न नहीं लगेगा ।)
चिल्का (जैसे):-

उदम (क्रिया)		मेता (संज्ञा)	
गलङ	(= बिनना)	गनलङ	(= बिनावट)
दल	(= पीटना)	दनल	(= पिटाई)
सब्	(= पकड़ना)	सनब्	(= पकड़)
बइ	(= बनाना)	बनइ	(= बनावट)
सला	(= चुनना)	सनला	(= चुनाव)

उदम ते उपुदम रेअः सोंगड़ा बनइ मुंडि

(क्रिया से पारस्परिक क्रिया बनाने की सरल विधि)

i. उदम रेअः एनेटेः रे मुनु बनि अ, इ, उ, ए ओड़ोः ओ तइनोः रे बोजा बनि "प" रेओ एन मुनु बनि रअः बनितोङ चिना "अ(ा), इ (ि), उ (ु), ए (े) ओड़ोः ओ (ो) गे जोटोगोःअ । सरेःअकन बनिको एन तयोमते उदम लोःते सोतोः जमाओः । (क्रिया का प्रथम अक्षर यदि स्वर वर्ण अ, इ, उ, ए और ओ रहे,तो व्यंजन वर्ण "प" में भी क्रमशः स्वर वर्ण अ (ा), इ (ि), उ (ु), ए (े) और ओ (ो) की मात्रा ही लगेगा । इसके बाद शेष शब्दांश को क्रिया के साथ जोड़ दिया जाता है ।)

उदम (क्रिया)		उपुदम (पारस्परिक क्रिया)	
अयुम	(= सुनना)	अपायुम	(= एक दूसरे को सुनना)
इतु	(= सिखाना)	इपितु	(= एक दूसरे को सिखाना)
उदुब्	(= बताना)	उपुदुब्	(= एक दूसरे को बताना)
एरङ	(= डाँटना)	एपेरङ	(= एक दूसरे को डाँटना)
ओल	(= लिखना)	ओपोल	(= एक दूसरे को लिखना)

ii. उदम रेअ: एनेटे: रे बनितोङ चिना ओमाकन बोजा बनि तइनो: रे बोजा बनि "प" रेओ सिदा रेअ: बनितोङ चिना गे जोटो: जमाओ:अ । सरे:अकन बनिको एन तयोमते उदम लो:ते सोतो: संगोमो:अ ।

(क्रिया के आरम्भ में मात्रा से युक्त कोई व्यंजन वर्ण रहे, तो व्यंजन वर्ण "प" में भी पहले की मात्रा ही लगती है । उसके बाद शेष शब्दांश को क्रिया के साथ जोड़ दिया जाता है ।)

उदम (क्रिया)		उपुदम (पारस्परिक क्रिया)	
चिना	(= चिनना)	चिपिना	(= एक दूसरे को चिनना)
कुलि	(= पूछना)	कुपुलि	(= एक दूसरे को पूछना)
केसेद्	(= छेकना)	केपेसेद्	(= एक दूसरे को छेकना)
तोल	(= बाँधना)	तोपोल	(= एक दूसरे को बाँधना)

iii. उदम रेअ: एनेटे: रे बनितोंङ चिना का ओमाकन बोजा बनि तइनो: रे, बोजा बनि "प" रेओ जेतन बनितोङ चिना का ओमो:अ । सरे: अकन बनिको एन तयोम ते उदम लो:ते जोटो: जमाओ:अ ।

(क्रिया के आरम्भ में यदि व्यंजन वर्ण हो और उस पर कोई मात्रा न रहे, तो व्यंजन वर्ण "प" में भी कोई मात्रा चिह्न नहीं लगेगा । उसके बाद शेष शब्दांश को क्रिया के साथ जोड़ दिया जाता है)

उदम (क्रिया)		उपुदम (पारस्परिक क्रिया)	
कटव	(= खण्डन करना)	कपटव	(= एक दूसरे का खण्डन करना)
चलव	(= चलाना)	चपलव	(= एक दूसरे को चलाना)

नम	(= पाना)	नपम	(= एक दूसरे को पाना)
मअः	(= काटना)	मपअः	(= एक दूसरे को काटना)
सदव	(= सताना)	सपदव	(= एक दूसरे को सताना)

उदम गमनङ
(क्रिया विशेषण)

उदम रेअः मइन उदुब्तन टुङको उदम गमनङ कजिओः तना।
(क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

i. नाअःगे हिजुःमे।
(तुम अभी आओ)

ii. गपाएःसेनोःअ।
(वह कल जायेगा)

ने बरन बकंड़ा रे "हिजुः" ओड़ोः "सेनोः" मिमियद् उदम तनअः। उदम रेअः मइन सिदा बकंड़ा रे "नाअः" ओड़ोः तयोम बकंड़ा रे "गपा" टुङ ते उदुबोः तना। एना मेन्ते "नाअः" ओड़ोः "गपा" उदम गमनङ टुङकिङ तनअः। (ऊपर के दोनों वाक्यों में "हिजुः" और "सेनोः" दो क्रियाएँ हैं। दोनों क्रियाओं की विशेषता प्रथम वाक्य में "नाअः" और दूसरे वाक्य में "गपा" शब्द के द्वारा अभिव्यक्त किया गया है। इसलिए "नाअः और "गपा" क्रिया विशेषण के शब्द हैं।)

उदम गमनङ रेअः हनटिङ
(क्रिया विशेषण के भेद)

उदम गमनङ उपुन तअः रे हटिङाकना :-

1.	टयद् उदुब् उदम गमनङ	(स्थान वाचक क्रिया विशेषण)
2.	बेड़ा उदुब् उदम गमनङ	(काल वाचक क्रिया विशेषण)
3.	नापि उदुब् उदम गमनङ	(परिमाण वाचक क्रिया विशेषण)
4.	मुंडि उदुब् उदम गमनङ	(रीति वाचक क्रिया विशेषण)

1. **टयद् उदुब् उदम गमनङ** (स्थान वाचक क्रिया विशेषण):- उदम रिकाओः रेअः टयद् उदुब्तन टुङको टयद् उदुब् उदम गमनङ कजिओः तना।

(क्रिया के करने या होने के स्थान का बोध कराने वाले शब्द को स्थान वाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

अयर	(= आगे)	अयर-तयोम	(= आगे-पीछे)
तयोम	(= पीछे)	तयोम-तयोम	(= पीछे-पीछे)
चेतन	(= ऊपर)	चेतन-लतर	(= ऊपर-नीचे)
लतर	(= नीचे)	लतर-चेतन	(= नीचे-ऊपर)
बहर	(= बाहर)	बहर-बितर	(= बाहर-भीतर)
बितर	(= भीतर)	बितर-बहर	(= भीतर-बाहर)
नड़े:	(= निकट)	नड़े:-नड़े:	(= निकट-निकट)
परका	(= दूर)	परका-परका	(= दूर-दूर)

2. **बेड़ा उदुब् उदम गमनङ** (काल वाचक क्रिया विशेषण):- उदम रिकाओ: च होबाओ: रेअ: बेड़ा उदुब्तन टुङको बेड़ा उदुब् उदम गमनङ कजिओ: तना।

(क्रिया के करने या होने के काल का बोध कराने वाले शब्द को काल वाचक क्रिया विशेषण कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

तिसिंङ	(= आज)	जनव	(= रोज)
गपा	(= आने वाला कल)	जउ	(= रोज)
मेयङ	(= परसों)	दिमसि	(= रोज)
नाअ:	(= अभी)	सिदा	(= पहले)
नाएके	(= बाद में)	तयोमते	(= पीछे)
लिका	(= बाद में)	निमिर	(= आज कल)
नेअ:	(= थोड़ी देर पहले)	मा	(= गत वर्ष)
खनेसा	(= बार-बार)	खलोम	(= अगामी वर्ष)

3. **नापि उदुब् उदम गमनङ** (परिमाण वाचक क्रिया विशेषण):- उदम रिकाओ: च होबाओ: रेअ: नापि उदुब्तन टुङको नापि उदुब् उदम गमनङ कजिओ: तना। (क्रिया के करने या होने के परिमाण का बोध कराने वाले शब्द को परिमाण वाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

कटि: लेका	(= थोड़ा-सा)	हंबल	(= भारी)
हुड़िङ लेका	(= थोड़ा-सा)	रबल	(= हल्का)
बेटेकन	(= खूब)	मरङ	(= बड़ा)
पुरअ:	(= बहुत)	हुड़िङ	(= छोटा)
बराबरि:	(= बराबर)	इमिनङ	(= उतना)
टटका	(= बिल्कुल)	चिमिनङ	(= कितना)
अमिनङ	(= उतना)	निमिनङ	(= इतना)

4. **मुंडि उदुब् उदम गमनङ** (रीति वाचक क्रिया विशेषण):- उदम रिकाओ: च होबओ: रेअ: मुंडि च जुगुतु उदुब्तन टुङको मुंडि उदुब् उदम गमनङ कजिओ: तना।

(क्रिया के करने या होने की रीति का बोध कराने वाले शब्द को रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

नेका	(= इस तरह)	ने लेका	(= इस तरह)
हेनका	(= उस तरह)	एन लेका	(= उस तरह)
चिल्का	(= किस तरह)	जॉ लेका	(= किसी तरह)
चिकाते	(= कैसे)	चिका लेका	(= किस तरह)
मंड़िते	(= धीरे से)	सेकेड़ा	(= जल्दी)
लेल जद्ते	(= देखते हुए)	बद्ते	(= जबरदस्ती)

बकंड़ा रोकोम
(वाच्य)

उदम रेअ: ओको मुटन ते बकंड़ा रे होबाओ: तन कमि रेअ: मुंडि नमो: तना, एना गे बकंड़ा रोकोम कजिओ: तना।

(क्रिया के जिस रूप से वाक्य में कार्य सम्पादन की प्रकृति का बोध होता है, उसे वाच्य कहते हैं।)

बकंड़ा रोकोम अपितअ: रे हटिङाकना:-

1. मूद् बकंड़ा रोकोम (कर्तृ वाच्य)
2. रिनिका बकंड़ा रोकोम (कर्म वाच्य)
3. बोरोन बकंड़ा रोकोम (भाव वाच्य)

1. **मूद् बकंड़ा रोकोम** (कर्तृ वाच्य):- ओको बकंड़ा रे उदम नि: सुबाओ: तना, एना गे मूद् बकंड़ा रोकोम कजिओ: तना ।
(जिस वाक्य में कर्त्ता की प्रधानता रहती है, उसे कर्तृ वाच्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

i. अइञ सेनो: तना ।
(मैं जा रहा हूँ)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे "अइञ" उदमनि: ओड़ो: "सेनो:" उदम तनअ: । नेतअ: रे उदम, उदमनि: रेगे: टेंडेराकना ।
(ऊपर के वाक्य में "अइञ" कर्त्ता और "सेनो:" क्रिया है । यहाँ पर क्रिया, कर्त्ता पर ही आधारित है ।)

2. **रिनिका बकंड़ा रोकोम** (कर्म वाच्य):-ओको बकंड़ा रे उदम रिनिका रे सुबाओ: तना, एना गे रिनिका बकंड़ा रोकोम कजिओ: तना ।
(जिस वाक्य में क्रिया कर्म पर आधारित रहता है, उसे कर्म वाच्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

i. बबा हेरो: तना ।
(धान बोया जाता है ।)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे "बबा" रिनिका ओड़ो: "हेर"उदम तनअ:। नेतअ: रे उदम रिनिका रे सुबाओ: तना ।

3. **बोरोन बकंड़ा रोकोम** (भाव वाच्य):- ओको बकंड़ा रे उदम बोरोन रे सुबाओ: तना, एना बोरोन बकंड़ा रोकोम कजिओ: तना । (जिस वाक्य में भाव की प्रधानता रहती है, उसे भाव वाच्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

जेटे रे का सेनो:अ ।
(धूप में चला नहीं जाता है ।)

चेतन रेअ: बकंड़ा रे उदम न दो उदमनि: रे न दो रिनिका रे मेन्दो नेअ बोरोन रे सुबाकना ।
(ऊपर के वाक्य में क्रिया न तो कर्त्ता पर न कर्म पर आधारित है, वरन क्रिया भाव पर आधारित है ।)

बेड़ा

(काल)

उदम रिकाओ: च होबाओ: तन रे, सोनो: तन सोमय गे बेड़ा कजिओ: तना ।
(क्रिया के करने या होने में जो समय लगता है, उसे काल कहते हैं)

बेड़ा रेअ: हनटिङ

(काल के भेद)

बेड़ा अपितअ: रे हटिङाकना :-

1. ने मन बेड़ा (वर्त्तमान काल)
2. होलामन बेड़ा (भूत काल)
3. गपामन बेड़ा (भविष्यत् काल)

1. **ने मन बेड़ा** (वर्त्तमान काल):- ओकोअ ते उदम निमतङ होबाओ: तन रअ: मुंडि नमो:तना, एनागे ने मन बेड़ा कजिओ: तना । (जिस से क्रिया के वर्त्तमान समय में होने का बोध होता है, उसे वर्त्तमान काल कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

i. ओलतनाए: ।
(वह लिख रहा है)

ii. जोम तनाए:
(वह खा रहा है)

ने मन बेड़ा ओड़ो: अपितअ: रे हटिङाकना :-

1. सोंगड़ा ने मन बेड़ा:- (सामान्य वर्त्तमान काल)
2. हलि ने मन बेड़ा (तात्कालिक वर्त्तमान काल)
3. होबाजन ने मन बेड़ा (पूर्ण वर्त्तमान काल)

i. **सोंगड़ा ने मन बेड़ा** (सामान्य वर्त्तमान काल):- ओकोअ ते उदम निमतङ होबाओ: तन रअ: मुंडि नमो: तना, एना सोंगड़ा ने मन बेड़ा कजिओ: तना । सोंगड़ा ने मन बेड़ा रअ: मुंडि "जअ: इ" ओड़ो: "जद्" ते नमों: तना ।
(जिससे क्रिया का वर्त्तमान में होने का बोध होता है, उसे सामान्य वर्त्तमान काल कहते हैं । सामान्य वर्त्तमान काल का बोधक प्रत्यय "जअ:", और "जद्" है ।)

क्रि० + आस्पद + व्य० सर्व०
लेल + जअ:इ/जदा + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ०पु०	लेल जअःअइञ् । (मैं उनको देख रहा हूँ ।)	लेल जअःइअलङ/अलिङ । (हम दोनों उनको देख रहे हैं ।)	लेल जअः इ अले । (हमलोग उनको देख रहे हैं ।)
म०पु०	लेल जअः इ अम । (तुम उनको देख रहे हो ।)	लेलजअः इअबेन । (तुम दोनों उनको देख रहे हो ।)	लेलजअःइअपे । (तुम लोग उनको देख रहे हो ।)
अ०पु०	लेल जअः इ अए: । (वह उनको देख रहा है)	लेल जअःइ अकिन । (वे दोनों उनको देख रहे हैं ।)	लेल जअःइअको । (वे लोग उनको देख रहे हैं ।)

ii. **हलि ने मन बेड़ा** (तात्कालिक वर्त्तमान काल):- ओकोअ ते उदम निमतङ एटे: जनते नाअः जकेद् सेसेन तन गेअः मुंडिओः तना, एना हलि ने मन बेड़ा कजिओः तना । हलि नेमन बेड़ा रअः मुंडि "तना", ती/ते तना, ते नमोः तना ।

(जिस से क्रिया का वर्त्तमान काल में आरम्भ होकर अब तक क्रिया व्यापार के होने का बोध होता है, उसे तात्कालिक वर्त्तमान काल कहते हैं । तात्कालिक वर्त्तमान काल का बोध तना, ती/ ते तना," के द्वारा होता है ।)

क्रि०, + तन + व्य० सर्व०
सेन/सेनोः + तन + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	सेन/सेनोंःतनाइञ् । (मैं जा रहा हूँ ।)	सेन/सेनोःतनालिङ । (हम दोनों जा रहे हैं ।)	सेन/सेनोः तनाले/बु । (हम लोग जा रहे हैं ।)
म० पु०	सेन/सेनोः तनाम । (तुम जा रहे हो ।)	सेन/सेनोःतनाबेन । (तुम दोनों जा रहे हो)	सेन/सेनोंः तनापे । (तुम लोग जा रहे हो ।)
अ० पु०	सेन/सेनोः तनाएः । (वह जा रहा है ।)	सेन/सेनोः तना किन । (वे दोनों जा रहे हैं ।)	सेन/सेनोः तना को । (वे लोग जा रहे हैं ।)

कर्म० + व्य० सर्व० + क्रि० + तना
राँची + अइञ + सेन/सेनोः + तना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राचीइञ सेन/सेनो: तना । (मैं राँची जा रहा हूँ ।)	राँची लिङ सेन/सेनो: तना । (हम दोनों राँची जा रहे हैं ।)	राँची ले सेन/सेनो: तना । (हम लोग राँची जा रहे हैं ।)
म० पु०	राँचीम सेन/सेनो: तना । (तुम राँची जा रहे हो ।)	राँची बेन सेन/सेनो: तना । (तुम दोनों राँची जा रहे हो ।)	राँचीपे सेन/ सेनो: तना । (तुम लोग राँची जा रहे हो ।)
अ० पु०	राँचीए सेन/सेनो: तना । (वह राँची जा रहा है ।)	राँचीकिन सेन/सेनो: तना । (वे दोनों राँची जा रहे हैं ।)	राँचीको सेन/सेनो: तना । (वे लोग राँची जा रहे हैं ।)

विकल्प

क्रि० + ती/ते + व्य० सर्व० + आस्पद्
इनुङ + ती/ते + अइञ + तना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	इनुङ तीइञ तना । (मैं खेलने जा रहा हूँ ।)	इनुङ तेलिङ/तेलङ/तना । (हम दोनों खेलने जा रहे हैं ।)	इनुङ तेले/तेबु तना । (हम लोग खेलने जा रहे हैं ।)
म० पु०	इनुङ तेम तना । (तुम खेलने जा रहे हो ।)	इनुङ तेबेन तना । (तुम दोनों खेलने जा रहे हो ।)	इनुङ तेपे तना । (तुम लोग खेलने जा रहे हो ।)
अ० पु०	इनुङ ती तना । (वह खेलने जा रहा है ।)	इनुङ तेकिङ/तेकिन तना । (वे दोनों खेलने जा रहे हैं ।)	इनुङ तेको तना । (वे लोग खेलने जा रहे हैं ।)

कर्म + ती/ते + व्य० सर्व० + आस्पद्
राँची + ती/ते + अइञ + तना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राँची तीइञ तना । (मैं राँची जा रहा हूँ ।)	राँची तेलिङ/तेलङ तना । (हम दोनों राँची जा रहे हैं ।)	राँची तेले/तेबु तना । (हम लोग राँची जा रहे हैं ।)
म० पु०	राँची तेम तना । (तुम राँची जा रहे हो ।)	राँची तेबेन तना । (तुम दोनों राँची जा रहे हो ।)	राँची तेपे तना । (तुम लोग राँची जा रहे हो ।)
अ० पु०	राँची ती तना । (वह राँची जा रहा है)	राँची तेकिङ/तेकिन तना । (वे दोनों राँची जा रहे हैं ।)	राँची तेको तना । (वे लोग राँची जा रहे हैं ।)

iii. **होबाजन ने मन बेड़ा** (पूर्ण वर्त्तमान काल):- ओकोअ ते उदम ने:गे चबाकनअ: मुंडिओ: तना, एना होबाजन ने मन बेड़ा कजिओ: तना । होबाजन ने मन बेड़ा रअ: मुंडि गनतिन "अकना" ते नमों: तना ।

दुब + अकन + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	दुबाकनाइञ् । (मैं बैठा हूँ ।)	दुबाकनालङ/लिङ । (हम दोनों बैठे हैं)	दुबाकनाले/बु । (हम लोग बैठे हैं ।)
म० पु०	दुबाकनाम । (तुम बैठे हो ।)	दुबाकनाबेन । (तुम दोनों बैठे हो ।)	दुबाकनापे । (तुम लोग बैठे हो ।)
अ०पु०	दुबाकनाए: । (वह बैठा है ।)	दुबाकनाकिन/किङ । (वे दोनों बैठे हैं ।)	दुबाकनाको । (वे लोग बैठे हैं ।)

कर्म + रे + व्य० सर्व० + क्रि० + आस्पद् ।
गंडु + रे + अइञ् + दुब + अकना ।

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	गंडु रेइञ् दुबाकना । (मैं पीढ़े पर बैठा हूँ ।)	गंडु रेलिङ/रेलङ/दुबाकना । (हम दोनों पीढ़े पर बैठे हैं)	गंडु रेले/रेबु/दुबाकना । (हम लोग पीढ़े पर बैठे हैं ।)
म० पु०	गंडु रेम दुबाकना । (तुम पीढ़े पर बैठे हो ।)	गंडु रेबेन दुबाकना । (तुम दोनो पीढ़े पर बैठे हो)	गंडु रेपे दुबाकना । (तुम लोग पीढ़े पर बैठे हो ।)
अ० पु०	गंडु रेए: दुबाकना । (वह पीढ़े पर बैठा है ।)	गंडु रेकिन/रेकिङ/दुबाकना । (वे दोनों पीढ़े पर बैठे हैं ।)	गंडु रेको दुबाकना । (वे लोग पीढ़े पर बैठे हैं ।)

2. **होलामन बेड़ा (भूत काल):-** ओकोअ ते उदम सेनों: जन समय रे होबाजन रअ: मुंडि नमों: तना, एना होलामन बेड़ा कजिओ: तना ।
(जिस से क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है, उसे भूत काल कहते हैं ।

चिल्का (जैसे):-

i. मंडिञ् जोमाकदा ।
(मैंने खाना खाया है ।)

होलामन बेड़ा ओड़ो: मोढ़े तअ: रे हटिङाकना :-

i. सोंगड़ा होलामन बेड़ा (सामान्य भूत काल)
ii. हलि होलामन बेड़ा (तात्कालिक भूत काल)
iii. होबाजन होलामन बेड़ा (आसन्न भूत काल)
iv. होबाकन होलामन बेड़ा (पूर्ण भूत काल)
v. होबा अयर लेन होलामन बेड़ा (पूर्व पूर्ण कालिक भूतकाल)

i. **सोगड़ा होलामन बेड़ा** (सामान्य भूतकाल):- ओकोअ ते उदम सेनों: जन समय रे चबाजन रअ: मुंडि नमों: तना, एना सोंगड़ा होलामन बेड़ा कजिओ:तना । ने बेड़ा रअ: मुंडि गनतिन "केदा, जना ओड़ो: ती/ते जना" ते नमो: तना ।

(जिस से क्रिया के भूत काल में होने का बोध हो, उसे सामान्य भूत काल कहते हैं । इस काल का बोध प्रत्यय "केदा, जना और ती/ ते जना" के द्वारा होता है ।

क्रि० + केद् + व्य० सर्व०
लेल + केद् + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	लेल केदाइञ् । (मैंने देख लिया ।)	लेल केदालङ/केदलिङ। (हम दोनों ने देख लिया)	लेल केदाले/केदाबु । (हम लोगों ने देख लिया ।)
म० पु०	लेल केदाम । (तुमने देख लिया ।)	लेल केदाबेन । (तुम दोनों ने देख लिया ।)	लेल केदापे । (तुम लोगों ने देख लिया ।)
अ० पु०	लेल केदाए: । (उसने देख लिया ।)	लेल केदाकिन/केदाकिङ । (उन दोनों ने देख लिया ।)	लेल केदाको । (उन लोगों ने देख लिया ।)

कर्म + व्य० सर्व० + क्रि० + केदा ।
ओड़अ: + अइञ् + लेल + केदा ।

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	ओड़अ:इञ् लेल केदा । (मैंने घर देख लिया ।)	ओड़अ: लङ/लिङ लेलकेदा । (हम दोनों ने घर देख लिया ।)	ओड़अ: ले/बु लेलकेदा । (हम लोगों ने घर देख लिया ।)
उ० पु०	ओड़अ:म लेल केदा । (तुमने घर देख लिया ।)	ओड़अ:बेन लेल केदा । (तुम दोनों ने घर देख लिया ।)	ओड़अ: पे लेल केदा । (तुम लोगों ने घर देख लिया ।)
उ० पु०	ओड़अ:ए:लेल केदा । (उसने घर देख लिया ।)	ओड़अ:किन/किङ लेल केदा । (उन दोनों ने घर देख लिया ।)	ओड़अ:को लेल केदा । (उन लोगों ने घर देख लिया ।)

विकल्प

कर्म + ति/ते + व्य० सर्व० + जना ।
ओड़अः + ति/ते + अइञ + जना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	ओड़अः तीइञ् जना । (मैं घर चला गया ।)	ओड़अः तेलङ/तेलिङ/जना । (हम दोनों घर चले गये ।)	ओड़अः तेले/तेबु/जना । (हम लोग घर चले गये ।)
म० पु०	ओड़अः तेम जना । (तुम घर चले गये ।)	ओड़अः तेबेन जना । (तुम दोनों घर चले गये ।)	ओड़अः तेपे जना । (तुम लोग घर चले गये ।)
अ० पु०	ओड़अः तीअ । (वह घर चल गया ।)	ओड़अः तिकिन जना । (वे दोनों घर चले गये ।)	ओड़अः तेकोअ/तेको जना । (वे लोग घर चले गये ।)

ii. **हलि होलामन बेड़ा** (तात्कालिक भूत काल):- ओकोअः ते उदम् सेनोः जन दिपिलि रे सेसेन तन गेअः रअः मुंडि नमोः तना, एना हलि होलामन बेड़ा कजिओः तना । ने बेड़ा रअः मुंडि गनतिन "तन तइकेना, ओड़ोः जद् तइकेना"ते नमोः तना । (जिस से भूत काल में काम आरम्भ होकर चलते रहने का बोध होता है, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं । इस काल का बोध "तन तइकेना" और "जद् तइकेना" आस्पद् के द्वारा होता है ।

क्रि० + तन + व्य० सर्व० + तइकेना ।
सेनोः + तन + अइञ् + तइकेना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	सेन/सेनोः तनेइञ तइकेना । (मैं जा रहा था ।)	सेन/सेनोः तनलिङ/लङ तइकेना । (हम दोनों जा रहे थे ।)	सेन/सेनोः तन ले/बु/तइकेना । (हम लोग जा रहे थे ।)
म० पु०	सेन/सेनोः तनेम तइकेना । (तुम जा रहा था ।)	सेन/सेनोः तनबेन तइकेना । (तुम दोनों जा रहे थे ।)	सेन/सेनो तन पे तइकेना । (तुम लोग जा रहे थे ।)
अ० पु०	सेन/सेनोःतनएः तइकेना । (वह जा रहा था ।)	सेन/सेनोः तनकिन तइकेना । (वे दोनों जा रहे थे ।)	सेन/सेनोः तन को तइकेना । (वे लोग जा रहे थे ।)

कर्म + व्य० सर्व० + क्रि० + आस्पद्
मंडि + अइञ् + जोम + तन् तइकेना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	मंडिइञ् जोम तन तइकेना। (मैं खाना खा रहा था।)	मंडिलिङ/लङजोमतन तइकेना। (हम दोनों खाना खा रहे थे।)	मंडिले/बु जोमतन तइकेना। (हम लोग खाना खा रहे थे।)
म० पु०	मंडिम जोम तन तइकेना। (तुम खाना खा रहा था।)	मंडिबेन जोम तन तइकेना। (तुम दोनों खाना खा रहे थे।)	मंडिपे जोम तन तइकेना। (तुम लोग खाना खा रहे थे।)
अ० पु०	मंडिए: जोम तन तइकेना। (वह खाना खा रहा था।)	मंडिकिन जोमतन तइकेना। (वे दोनों खाना खा रहे थे।)	मंडिको जोम तन तइकेना। (वे लोग खाना खा रहे थे।)

iii. होबाजन होलामन बेड़ा (आसन्न भूत काल):- ओकोअ ते उदम सेनों: जन दिपिलि रे एटे: जनते हुड़िङ खोन सिदा रे चबाजन रअ: मुंडि नमों: तना, एना होबाजन होलामन बेड़ा कजिओ: तना। ने बेड़ा रअ: मुंडि गनतिन "अकदा, अकना, अकअ:इअ, तद ओड़ो: कि:अ" ते नमों: तना।

(जिस से क्रिया भूत काल में आरम्भ होकर कुछ समय पूर्व समाप्त होने का बोध होता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं। इस काल का बोध "अकदा, अकना, अकअ:इअ, तदा, और कि:अ" आस्पद् के द्वारा होता है।)

क्रि० + आस्पद् + व्य० सर्व०
जोम + अकदा + अइञ

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	मंडिइञ जोमाकदा। (मैंने खाना खाया है।)	मंडिलिङ/लङजोमाकदा। (हम दोनों ने खाना खाया है।)	मंडि ले/बु जोमाकदा। (हम लोगों ने खाना खाया है।)
म० पु०	(मंडिम जोमाकदा।) (तुमने खाना खाया है।)	(मंडिबेन जोमाकदा।) (तुम दोनों ने खाना खाया हैं।)	(मंडिपे जोमाकदा।) (तुम लोगों ने खाना खाया है।)
अ० पु०	मंडिए: जोमाकदा। (उसने खाना खाया है।)	मंडिकिङ/किन जोमाकदा। (उन दोनों ने खाना खाया है।)	मंडिको जोमाकदा। (उन लोगों ने खाना खाया है।)

iv. होबाजन होलामन बेड़ा (पूर्ण भूत काल):- ओकोअ ते उदम सेनों: जन दिपिलि रे पुराकन रअ: मुंडि नमों: तना, एना होबाकन होलामन बेड़ा कजिओ: तना। ने बेड़ा रअ: मुंडि उदुब् गनतिन "केना, लेना, लअ:, लि:अ ओड़ो: लेदा" तनअ: ।

(जिससे क्रिया का पूर्व में पूरा होने का बोध होता है, उसे पूर्ण भूत काल कहते हैं। इस काल का बोध "केना, लेना, लअ:, लि:अ ओड़ो: लेदा" आस्पद् के द्वारा होता है।)

क्रि० + आस्पद् + व्य० सर्व०
सेन + केन + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	सेनकेनाइञ् । (मैं गया था ।)	सेनकेनालङ/लिङ । (हम दोनों गये थे ।)	सेनकेना ले/बु । (हम लोग गये थे ।)
म० पु०	सेनकेनाम । (तुम गये थे ।)	सेनकेना बेन । (तुम दोनों गये थे ।)	सेनकेनापे । (तुम लोग गये थे ।)
अ० पु०	सेन्केनाए: । (वह गया था ।)	सेनकेना किन । (वे दोनों गये थे ।)	सेनकेनाको । (वे लोग गये थे ।)

कर्म + व्य० सर्व + क्रि० + आस्पद्
राँची + अइञ + सेन + केना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राँचीइञ् सेन केना । (मैं राँची गया था ।)	राँचीलङ/लिङ सेनकेना । (हम दोनों राँची गये थे ।)	राँचीले/बु सेनकेना । (हम लोग राँची गये थे ।)
म० पु०	राँचीम सेन केना । (तुम राँची गये थे ।)	राँची बेन सेनकेना । (तुम दोनों राँची गये थे ।)	राँचीपे सेनकेना । (तुम लोग राँची गये थे ।)
अ० पु०	राँचीए: सेन केना । (वह राँची गया था ।)	राँची किङ/किन सेन केना । (वे दोनों राँची गये थे ।)	राँची को सेनकेना । (वे लोग राँची गये थे ।)

पहमे कजि :- "लअ:" का जीअन मेता रे ओड़ो: लि:अ "जीअन मेता रे उदम लोओ: ते जोटोगो: तना । (आस्पद् "लअ: अप्राणीवाचक संज्ञा में और "लि:अ" प्राणी वाचक संज्ञा में क्रिया के साथ जोड़ा जाता है ।)

v. **होबा अयर लेन होलामन बेड़ा** (पूर्व पूर्ण कालिक भूत काल):- आकोअ: ते उदम सेनो: जन दिपिलि रे होबा सिदा लेन रअ: मुंडि नमों: तना, एना होबा अयर लेन होलामन बेड़ा कजिओ: तना । नेअ रअ: मुंडि "अकद तइकेना" ते नमों: तना ।)

(जिससे भूत काल में किसी क्रिया का पूर्व में ही हो चुकने का बोध होता है, उसे पूर्व पूर्ण कालिक भूत काल कहते हैं । इस काल का बोध "अकद् तइकेन" आस्पद् के द्वारा होता है ।)

क्रि० + आस्पद् + व्य० सर्व + तइकेना
जोम + अकद् + अइञ + तइकेना ।

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	जोमाकदेइञ् तइकेना । (हम खाये हुए थे ।)	जोमाकदलङ/लिङ तइकेना । (हम दोनों खाये हुए थे ।)	जोमाकद्ले/बु तइकेना । (हम लोग खाये हुए थे ।)
म० पु०	जोमाकदेम तइकेना । (तुम खाये हुए थे ।)	जोमाकदबेन तइकेना । (तुम दोनों खाये हुए थे ।)	जोमाकद्पे तइकेना । (तुम लोग खाये हुए थे ।)
अ० पु०	जोमाकदए: तइकेना । (वह खाया हुआ था ।)	जोमाकदकिङ/किन तइकेना । (वे दोनों खाये हुए थे ।)	जोमाकदको तइकेना । (वे लोग खाये हुए थे ।)

कर्म + व्य० सर्व० + क्रि० + आस्पद् + तइकेना ।
मंडि + अइञ + जोम + अकद् + तइकेना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	मंडिइञ् जोमाकद तइकेना । (हम खाना खाये हुए थे ।)	मंडिलिङ/लङजोमाकद तइकेना । (हम दोनों खाना खाये हुए थे ।)	मंडिले/बु जोमाकद् तइकेना । (हम लोग खाना खाये हुए थे ।)
म० पु०	मंडिम जोमाकद् तइकेना । (तुम खाना खाये हुए थे ।)	मंडिबेन जोमाकद तइकेना । (तुम दोनों खाना खाये हुए थे ।)	मंडिपे जोमाकद् तइकेना (तुम लोग खाना खाये हुए थे ।)
अ० पु०	मंडिए जोमाकद् तइकेना । (वह खाना खाया हुआ था ।)	मंडिकिङ/किन जोमाकद् तइकेना । (वे दोनों खाना खाये हुए थे ।)	मंडिको जोमाकद् तइकेना । (वे लोग खाना खाये हुए थे ।)

3. **गपामन बेड़ा** (भविष्यत् काल):- ओकोअ ते उदम हिजु: तन दिपिलि रे होबाओ: रअ: मुंडि नमों: तना, एना गपामन बेड़ा कजिओ: तना ।
(जिस से क्रिया का आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):- सेनाइञ् / सेनो:अइञ् / सेनोगाइञ् । (मैं जाऊँगा ।)
गपामन बेड़ा ओड़ो: बरतअ: रे हटिङाकना :-

i. सोंगड़ा गपामन बेड़ा (सामान्य भविष्यत् काल)

ii. होबा सोंजोको: गपामन बेड़ (सम्भाव्य भविष्यत् काल)

i. ओकोअ ते उदम हिजु: तन दिपिलि रे होबाओ: रअ: मुंडि नमों: तना, एना सोंगड़ा गपामन बेड़ा कजिओ: तना ।

(जिस से क्रिया का आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं ।)

क्रि० + व्य० सर्व०

सेन + अइञ्

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	सेनाइञ्/सेनो:अइञ् । (मैं जाऊँगा ।)	सेनालिङ/लङ, सेनो:अलिङ/अलिङ । (हम दोनों जायेंगे ।)	सेनाले/बु, सेनो:अले/अबु । (हम लोग जायेंगे ।)
म० पु०	सेनाम/सेनो:अम:। (तुम जाओगे ।)	सेनाबेन/सेनो:अबेन । (तुम दोनों जाओगे ।)	सेनापे/सेनो:अपे । (तुम लोग जाओगे ।)
अ० पु०	सेनाए:/सेनो:अए:। (वह जायेगा ।)	सेनाकिङ/किन, सेनो:अकिङ/अकिन । (वे दोनों जायेंगे ।)	सेनाको/सेनो:अको । (वे लोग जायेंगे ।)

कर्म + व्य० सर्व + क्रि०

राँची + अइञ् + सेना

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राँचीइञ् सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (मैं राँची जाऊँगा ।)	राँची लिङ/लङसेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (हम दोनों राँची जायेंगे ।)	राँचीले/बु सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (हम लोग राँची जायेंगे ।)
म० पु०	राँचीम सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (तुम राँची जाओगे ।)	राँचीकिङ/किन सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (तुम दोनों राँची जाओगे ।)	राँचीपे सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (तुम लोग राँची जाओगे ।)
अ० पु०	राँचीए: सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (वह राँची जायेगा ।)	राँची किङ/किन सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (वे दोनों राँची जायेंगे ।)	राँची को सेना/सेनो:अ/ सेनोगा । (वे लोग राँची जायेंगे ।)

विकल्प :-

कर्म + ती/ते + व्य० सर्व०
राँची + ती + इञा

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राँची तीइञा । (मैं राँची जाऊँगा ।)	राँची तेलिङा/तेलङा । (हम दोनों राँची जायेंगे ।)	राँची तेलेअ/तेबुअ । (हम लोग राँची जायेंगे ।)
म० पु०	राँची तेमा । (तुम राँची जाओगे ।)	राँची तेबेना । (तुम दोनों राँची जाओगे ।)	राँची तेपेअ । (तुम लोग राँची जाओगे ।)

पहमे कजि :- एटअ: नि: रअ: मिद्, बर ओड़ो: इसु सकम रे बकंड़ा रेअ: मुटन का नमो: तना ।
(अन्य पुरुष एक वचन, द्विवचन और बहु वचन में इसके वाक्य रूप नहीं मिलते हैं ।

ii. होबा सोंजको: गपामन बेड़ा (संभाव्य भविष्यत् काल):- ओकोअ ते उदम हिजु:तन बेड़ा रे होबा सोंजको: रअ: मुंडि नमों तना, एना होबा सोंजको: गपामन बेड़ा कजिओ: तना ।

क्रि० + व्य० सर्व० आस्पद्
नम + अइञ + जाअ:

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	नमे अइञ जाअ: । (शायद मैं पाऊँगा ।)	नमेअलिङ/अलङ जाअ: । (शायद हम दोनों पायेंगे ।)	नमेअले/अबु जाअ: । (शायद हम लोग पायेंगे ।)
म० पु०	नमेअम जाअ:। (शायद तुम पाओगे ।)	नमेअबेन जाअ: । (शायद तुम दोनों पाओगे ।)	नमे अपे जाअ: । (शायद तुम लोग पाओगे ।)
अ० पु०	नमे अए: जाअ: । (शायद वह पाएगा ।)	नमे अकिङ/अकिन जाअ: । (शायद वे दोनों पाएँगे ।)	नमे अको जाअ:। (शायद वे लोग पाएँगे ।)

कर्म + व्य० सर्व० + क्रि० + आस्पद्
राँची + अइञ् + नमेअ + जाअ:

पुरुष	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
उ० पु०	राँचीइञ नमेअ जाअ:। (शायद मैं राँची पाऊँगा।)	राँची लिङ/लङ नमेअ जाअ:। (शायद हम दोनों राँची पायेंगे।)	राँची ले/बु नमेअ जाअ:। (शायद हम लोग राँची पायेंगे।)
म० पु०	राँचीम नमेअ जाअ:। (शायद तुम राँची पाओगे)	राँची बेन नमेअ जाअ:। (शायद तुम दोनों राँची पाओगे।)	राँचेपे नमेअ जाअ:। (शायद तुमलोग राँची पाओगे।)
अ० पु०	राँचीए: नमेअ जाअ:। (शायद वह राँची पाएगा।)	राँची किङ/किन नमेअ जाअ:। (शायद वे दोनों राँची पायेंगे।)	राँची को नमेअ जाअ:। (शायद वे लोग राँची पायेंगे।)

गनतिन

(प्रत्यय)

टुङ सिदा रे, तला रे ओड़ो: टुंडु रे गति जमाओ: तन बनि च बनि रअ: गोट गे गनतिन कजिओ:तना। होड़ो जगर रे गनतिन अपितअ: रे हटिङाकना।

(शब्दारम्भ में, शब्द मध्य में और शब्दांत में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को प्रत्यय कहते हैं। मुण्डारी में प्रत्यय तीन भागों में बांटा गया है :

i. सिदा गनतिन (पूर्व प्रत्यय)
ii. तला गनतिन (मध्य प्रत्यय)
iii. तयोम गनतिन (अंत्य प्रत्यय)

i. **सिदा गनतिन** (पूर्व प्रत्यय) :- जेता टुङ रअ: सिदा रे गति जमाओ: तन बनि च बनि रअ: गोट गे सिदा गनतिन कजिओ: तना। सिदा गनतिन जउगे टुङ सिदा रेगे जोटोगो:अ। नेअ हिन्दी ते पूर्व प्रत्यय ओड़ो: अंग्रेजी ते PRE-FIX कजिओ: तना।

(किसी शब्द के पहले जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को ही "सिदा गनतिन" कहा जाता है। सिदा गनतिन अक्सर शब्दारम्भ में ही जोड़े जाते हैं। हिन्दी में इसे पूर्व प्रत्यय और अंग्रेजी में PRE-FIX कहा जाता है।)

होड़ो जगर टुङको सिदा रे जोटो: जमाओ: तन तारा सिदा गनतिन को (मुण्डारी शब्दों के पहले जोड़े जाने वाले कतिपय पूर्व प्रत्यय):-

i. उदम रे सिदा गनतिन "अ" रेअ: जोनोटो: -

(पूर्व प्रत्यय)		(क्रिया)		(प्रेरणार्थक क्रिया)
अ	+	जल (= चाटना)	=	अजल (= चटाना)
अ	+	जोम (= खाना)	=	अजोम (= खिलाना)
अ	+	नु (= पीना)	=	अनु (= पिलाना)

पहमे कजि :- होड़ो जगर रेअः सोबेन उदम टुङको सिदा रे सिदा गनतिन "अ" रेअः जोनोटोः का नमोः तना । (मुण्डारी में सभी क्रिया शब्दों के पहले पूर्व प्रत्यय "अ" का प्रयोग नहीं मिलता है ।)

(ii) उदम टुङ रेअः सिदा बनि रअः दुनुवड़ा ।
(क्रिया शब्द के प्रथम अक्षर की द्विरावृति)

(पूर्व प्रत्यय)		(क्रिया)		(अकर्मक क्रिया)
कु	+	कुल (= भेजना)	=	कुकुल (= भेजने की क्रिया करना)
गे	+	गेलेः (= खोदना)	=	गेगेले (= खोदने की क्रिया करना)
च	+	चला (= छानना)	=	चचला (= छानने की क्रिया करना)
ज	+	जल (= चाटना)	=	जजल (= चाटने की क्रिया करना)
ते	+	तेला (= फोंकना)	=	तेतेला (= फोंकने की क्रिया करना)
थे	+	थेर (= फेंकना)	=	थेथेर (= फेंकने की क्रिया करना)
द	+	दल (= पीटना)	=	ददल (= पीटने की क्रिया करना)
ने	+	नेल (= देखना)	=	नेनेल (= देखने की क्रिया करना ।)
ब	+	बइ (= बनाना)	=	बबइ (= बनाने की क्रिया करना)
म	+	मअः (= काटना)	=	ममअः (= काटने की क्रिया करना)
र	+	रअः (= बुलाना)	=	ररअः (= बुलाने की क्रिया करना)
ल	+	लअः (= छीलना)	=	ललअः (= छीलने की क्रिया करना)
स	+	सब् (= पकड़ना)	=	ससब् (= पकड़ने की क्रिया करना)
ह	+	हर (= भगाना)	=	हहर (= भगाने की क्रिया करना)

(iii) तारा लेनेका उदुब् टुङको रेअः सिदा बनि रअः दुनुवड़ा ।
(कतिपय संख्या वाची शब्दों के प्रथम अक्षर की द्विरावृति ।)

(पूर्व प्रत्यय)		(सं०व०श०)		(वि०बो०सं०व०श०)
मि	+	मिद् /मियद (= एक)	=	मिमिद्/ मिमियद् (= एक-एक)
ब	+	बर/बरिया (= दो)	=	बबर/ बबारिया (= दो-दो)
मो	+	मोढ़े/मोढ़ेया (= पाँच)	=	मोमोढ़े/मोमोढ़ेया (= पाँच-पाँच)
तु	+	तुरि/तुरिया (= छह)	=	ततुरि/ततुरिया (= छह-छह)
गे	+	गेल/गेलेया (= दस)	=	गेगेल/गेगेलेया (= दस-दस)

(iv) सिदा गनतिन रेअः एटअः जोनोका को ।
(पूर्व प्रत्यय के अन्य उदाहरण)

ii. **तला गनतिन** (मध्य प्रत्यय) :- टुङ तला रे जोटो: जमाओ: तन बनि च बनि रअ: गोट गे तला गनतिन कजिओ: तना । तला गनतिन सोबेन इमतङ टुङ तला रेगे जोटोगो: अ । होड़ो जगर रेअ: तला गनतिन हिन्दी रे "मध्य प्रत्यय" ओड़ो: अंग्रेजी रे IN-FIX कजिओ: तना ।

होड़ो जगर रे उदम ते मेता रेअ: बनइ मुंडि रे तला गनतिन "न" ओड़ो: उदम ते उपुदम रेअ: बनइ मुंडि रे तला गनतिन "प" उदम रेअ: सिदा बनि तयोमते जोटोगो: तना । उदम रेअ: सिदा बनि मुनु बनि च बनितोङ चिना ओमाकन बोजा बनि तइनों: रे तला गनतिन "न" ओड़ो: "प" रेओ एन बनितोङ चिना गे ओमोगा । मेनदो बनितोङ चिना का ओमाकन बोजा बनि तइन रे तला गनतिन "न" ओड़ो: "प" रेओ जेता बनितोङ चिना का जोटोगो:अ ।

(शब्द मध्य में जोड़े जाने वाले वर्ण या वर्ण समूह को ही मुण्डारी में "तला गनतिन" कहा जाता है । तला गनतिन शब्द मध्य में ही जोड़ा जाता है । हिन्दी में इसे "मध्य प्रत्यय" और अंग्रेजी में IN-FIX कहा जाता है ।

मुण्डारी में क्रिया से संज्ञा बनाने की विधि में मध्य प्रत्यय "न" और क्रिया से पारस्परिक क्रिया बनाने की विधि में मध्य प्रत्यय "प" को क्रिया के प्रथमाक्षर के बाद जोड़ा जाता है । क्रिया का प्रथमाक्षर स्वर वर्ण या मात्रा चिह्नों से युक्त व्यंजन वर्ण रहने पर क्रमश: मध्य प्रत्यय "न" और "प" में भी मात्रा चिह्न लगता है । लेकिन मात्रा विहीन व्यंजन वर्ण रहने पर मध्य प्रत्यय "न" और "प" में भी कोई मात्रा चिह्न नहीं लगता है ।

पहमे कजि :- तला गनतिन "न" रेअ: जोनोका मेनते "उदम ते मेता रेअ: बनइ मुंडि" पिचा सकम 60 ओड़ो: 61 आद् तला गनतिन "प" मेनते "उदम ते उपुदम रेअ: बनइ मुंडि" पिचा सकम 61, 62 ओड़ो: 63 लेलेपे ।

(मध्य प्रत्यय "न" का उदाहरण "क्रिया से संज्ञा बनाने की विधि पृ० संख्या 60 और 61 में और मध्य प्रत्यय "प" का उदाहरण पृ० संख्या 61, 62 और 63 में देखें ।)

iii. **तयोम गनतिन** (अंत्य प्रत्यय) :- टङ टुंड रे जोटो: जमाओ: तन बनि च बनि

जोटोगो:अ। होड़ो जगर रेअ: "तयोम गनतिन" हिन्दी रे "अंत्य प्रत्यय" ओड़ो: अंग्रेजी रे "SUFFIX" कजिओ: तना।

(शब्दांत में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को मुण्डारी में "तयोम गनतिन" कहते हैं। अक्सर "तयोम गनतिन" किसी शब्द के अन्त में ही जोड़ा जाता है। मुण्डारी का "तयोम गनतिन" हिन्दी में "अंत्य प्रत्यय" और अंग्रेजी में "SUFFIX" कहा जाता है।)

होड़ो जगर रे "तयोम गनतिन" ओड़ो: मोढ़ेतअ: रे हटिङ रूड़ाकना :-

i.	मेता गनतिन	(संज्ञा प्रत्यय)
ii.	नङमेता गनतिन	(सर्वनाम प्रत्यय)
iii.	उदम गनतिन	(कृत प्रत्यय)
iv.	बेड़ा गनतिन	(काल प्रत्यय)
v.	गनलङ गनतिन	(कारक प्रत्यय)

i. **मेता गनतिन** (संज्ञा प्रत्यय):- मेता टुङको रअ: तयोम रे जोटो: जमाओ: तन बनि च बनि को रअ: गोट गे मेता गनतिन कजिओ: तना।
(संज्ञा शब्दों के बाद में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को संज्ञा प्रत्यय कहते हैं।)

	मेता (संज्ञा)	**तयोम गनतिन** (अंत्य प्रत्यय)	**गमनङ** (विशेषण)
<u>अन/गन/जन</u>	पेड़े:(= बल)	+ अन/गन/जन	= पेड़ेअन/पेड़ेगन/पेड़ेजन (बलवान/बली)
अन	बोरो (= डर)	+ अन	= बोरोअन (= डरावना)
	मइन (= आदर)	+ अन	= मइनअन (= आदरणीय)
	रानु (= औषध)	+ अन	= रानुअन (= औषधीय)
	लुतुम (= नाम)	+ अन	= लुतुमन (= नामी)
	सुनम (= तेल)	+ अन	= सुनुमन (= तेलीय)
<u>अ</u>	कमि (= कर्म)	+ अ	= कमिअ (= कर्मठ)
	बोरो (= डर)	+ अ	= बोरोअ (= डरावना)

	मेता (संज्ञा)	तयोम गनतिन (अंत्य प्रत्यय)	समा रि० उदम (अकर्मक क्रिया)
एन	अङ (= सुबह)	+ एन	= अङएन (= सुबह तक ठहरना)
	अतोम (= किनारे)	+ एन	= अतोमेन (= किनारे हटना)
	लुतुम (= नाम)	+ एन	= लुतुमेन (= नाम लेना)
न	दसि (= धांगर)	+ न	= दसिन (= धांगर बनना)
	बलु (= मूर्ख)	+ न	= बलुन (= मूर्ख बनना)
	बुइदि (= वैद्य)	+ न	= बुइदिन (= वैद्य बनना)

ii. **नङमेता गनतिन** (सर्वनामिक प्रत्यय):- नङमेता टुङको रअ: तयोम रे जोटो: जमाओ: तन बनि च बनि रअ: गोटको गे नङमेता गनतिन कजिओ: तना ।
(सर्वनाम शब्दों के बाद में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को ही सर्वनाम प्रत्यय कहते हैं ।)

i. **चुंडुल नङमेता** (संकेत वाचक सर्वनाम)

	नड़े: चुंडुल (निकटवर्ती संकेत)					संगिन चुंडुल (दूरवर्ती संकेत)				
	मु०टु० (मू०श०)		त०ग० (अं०प्र०)		सेने० टुङ (यौगिक शब्द)	मु०टु० (मू०श०)		त०ग० (अं०प्र०)		सेने० टुङ (यौगिक शब्द)
का	न	+	का	=	नका	हन	+	का	=	हनका
	ने	+	का	=	नेका	हेन	+	का	=	हेनका
कु	न	+	कु	=	नकु	हन	+	कु	=	हनकु
डे	न	+	डे	=	नडे	हन	+	डे	=	हनडे
	ने	+	डे	=	नेडे	हेन	+	डे	=	हेनडे
तअ:	न	+	तअ:	=	नतअ:	हन	+	तअ:	=	हनतअ:
	ने	+	तअ:	=	नेतअ:	हेन	+	तअ:	=	हेनतअ:
ते	न	+	ते	=	नते	हन	+	ते	=	हनते
	ने	+	ते	=	नेते	हेन	+	ते	=	हेनते
रे	न	+	रे	=	नरे	हन	+	रे	=	हनरे
	ने	+	रे	=	नेरे	हेन	+	रे	=	हेनरे

ii. **कुनुलि नङमेता** (प्रश्न वाचक सर्वनाम)

मुनु टुङ (मूल शब्द)		**तयोम गनतिन** (अंत्य प्रत्यय)		**कुनुलि नङमेता** (प्रश्नवाचक सर्वनाम)
ओको	+	ए	=	ओकोए (= कौन)
ओको	+	को	=	ओकोको (= किनको)
ओको/को	+	अ	=	ओकोअ/कोअ (= कौन-सा)
ओको/को	+	तअः	=	ओकोतअः/कोतअः (= किस जगह)
ओको/को	+	सअः	=	ओकोसअः/कोसअः (= किस ओर)
ओको	+	एअः	=	ओकोएअः (= किसका)
ओको/को	+	ते	=	ओकोते/कोते (= किधर)
ओको/को	+	निः	=	ओकोनिः/कोनिः (= कौन सा)
ओको/को	+	मन	=	ओकोमन/कोमन (= किस जगह)
ओको/को	+	रे	=	ओकोरे/कोरे (= कहाँ)
ओकोन	+	कु/को	=	ओकोनकु/ओकोनको (= किनको)
ओकोन/कोन	+	अः	=	ओकोनअः/कोनअः (= कौन सा)
ओकोन/कोन	+	डे	=	ओकोनडे/कोनडे (= कहाँ)
चा	+	ते	=	चाते (= कैसे)
चि	+	अः	=	चिअः (= क्यों)
चिका/चिल्का	+	ते	=	चिकाते/चिल्काते (= कैसे)
चिका/चिल्का	+	न	=	चिकान/चिल्कान (= क्या/कैसे)

iii. **उदम गनतिन** (कृत प्रत्यय):- उदम रअः तयोम रे जोटोः जमाओः तन बनि च बनि रअः गोट गे उदम गनतिन कजिओः तना।

(क्रिया पद के बाद में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को कृत प्रत्यय कहते हैं।)

	उदम (क्रिया)		**तयोम गनतिन** (अंत्य प्रत्यय)		**समा रि० उदम** (अकर्मक क्रिया)
एन	असुल(= पालना)	+	एन	=	असुलेन(= पलना)
	तोल(= बांधना)	+	एन	=	तोलेन(= बंधना)
	बइ(= बनाना)	+	एन	=	बइएन(= बनना)

न	इतु(= सिखाना)	+	न	= इतुन(= सिखना)
	उकु(= छिपाना)	+	न	= उकुन(= छिपना)
	बइ(= बनाना)	+	न	= बइन(= बनना)
बड़ा	दुब्(= बैठना)	+	बड़ा	= दुब्बड़ा(= बैठ-चलना)
बेड़ा	निर(= भागना)	+	बेड़ा	= निरबेड़ा(= भाग-चलना)

iv. **बेड़ा गनतिन** (काल प्रत्यय):- बेड़ा उदुब् नङ उदम लो:ते जोटो: जमाओ: तन बनि च बनि रअ: गोटको गे बेड़ा गनतिन कजिओ: तना ।
(काल का बोध कराने के लिए क्रिया के साथ जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को काल प्रत्यय कहते हैं ।)

बेड़ा (काल)		**तयोम गनतिन** (अंत्य प्रत्यय)
1. ने मन बेड़ा/सेसेन तन बेड़ा		
i. सोंगड़ा ने मन बेड़ा (सामान्य वर्तमान काल)	-	जअ:, अकअ:, जद ।
ii. हलि ने मन बेड़ा (तात्कालिक वर्तमान काल)	-	तना, ती/ते, तना ।
iii. होबाजन ने मन बेड़ा (पूर्ण वर्तमान काल)	-	अकन/अकना ।
2. होलामन बेड़ा/सेनो: जन बेड़ा		
i. सोंगड़ा होलामन बेड़ा (सामान्य भूत काल)	-	केद्/केदा, जन/जना, ती/ते जना ।
ii. हलि होलामन बेड़ा (तात्कालिक भूत काल)	-	तन तइकेना, जद तइकेना ।
iii. होबाजन होलामन बेड़ा	-	अकद्/अकदा, अकन/अकना ।

iv. होबाकन होलामन बेड़ा (पूर्ण भूत काल) – केन/केना, लेन/लेना, लअ:/लि:अ, लेद्/लेदा ।

v. होबा अयर लेन होलामन बेड़ा (पूर्व पूर्ण कालिक भूत काल) – अकद् तइकेना ।

3. गपामन बेड़ा/हिजु: तन बेड़ा

i. सोंगड़ा गपामन बेड़ा (सामान्य भविष्यत् काल) – अ, गा ।

ii. होबा सोंजोको: गपामन बेड़ा (संभाव्य भविष्यत् काल) – जाअ: ।

v. **गनलङ गनतिन** (कारक प्रत्यय):- गनलङ उदुब् नगेन बकंड़ा रे नमो: तन गनलङ चिनाको गे "गनलङ गनतिन" कजिओ: तना ।
(कारक बतलाने के लिए वाक्य में पाये जाने वाले विभक्ति चिह्नों को कारक प्रत्यय कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

ते (से)	ती ते सबेमें । (हाथ से पकड़ो)
नगेन (के लिए)	ने जिदन बरसिङ नगेन गेअ । (यह जीवन दो दिनों के लिए है ।)
आते (से)	बुरू आते दअ: पुटि: तना । (पहाड़ से पानी पजर रहा है ।)
अ: (का)	राजाअ: बंगला । (राजा का बंगला)
रे (में)	लता रे कुला तइनतना । (माँद में शेर रहता है)

टुङ मेनेसा

(समास)

बरिया च बरिया ते अदिका टुङको मिद् कड़ि रे मेसाओ: गे "टुङ मेनेसा" ओड़ो: मिद् कड़ि रे मेसाकन टुङको जोनोटो: च गनलङ रअ: चिनाको ओम केआते छिनगव "टुङटोनोटअ:" कजिओ: तना ।

चिल्का (जैसे):-

अअ:सार (अअ: ओड़ो: सार)

चेतन रेअ: जोनोका "अअ:सार" रे बरिया टुङ "अअ:" आद् "सार" मेनअ: ओड़ो: बरन टुङकिन तला रे जोनोटो: "ओड़ो:" उकुअकना। एनाते "अअ:सार" रअ: टुङ टोनोटअ: "अअ:" ओड़ो: "सार" होबाओ: अ।

(ऊपर के उदाहरण "अअ:सार" में "अअ:" और "सार" दो शब्द हैं। इन दोनों शब्दों के बीच में "ओड़ो:" शब्द छिपा हुआ है। इसलिए "अअ:सार" का विग्रह करने पर "अअ:" ओड़ो: "सार" होता है।)

होड़ो जगर मुंडि रे "टुङ मेनेसा" मोड़े तअ: रे हटिङाकना :-

1. सकि टुंङ मेनेसा (तत्पुरुष समास)
2. जुड़ि टुङ मेनेसा (द्वन्द्व समास)
3. जोनोका टुङ मेनेसा (कर्मधारय समास)
4. लेनेका टुङ मेनेसा (द्विगु समास)
5. बनर टुङ मेनेसा (बहुब्रीहि समास)

1. **सकि टुङ मेनेसा** (तत्पुरुष समास):- सकि टुङ मेनेसा रेअ: बरन टुङकिङ मेता गे तइनो:अ ओड़ो: नेरे पुचिद् अयरो: टुङ आते तयोम ते पुचिद्ए टुङ पुरअ: सुबा गरङओ: तना।

सकि टुङ मेनेसा गनलङ रअ: चिनाको लेकाते ओड़ो: तुरितअ: रे हटिङकना।

i. **रिनिका सकि "को"** (कर्म तत्पुरुष "को")

कोनेया किचिरि (कोनया को ओमा को किचिरि।) कन्या वस्त्र (कन्या को दिया जाने वाला वस्त्र)

कुपुल रिंड़ि (कुपुलको ओमा को रिंड़ि) (कुटुम्बों को दिया जाने वाला ऋण)

साग हुति (साग को ओमा को हुति) (शाकों को दिया जाने वाला धोती)

ii. **सनब् सकि "ते"** (करण तत्पुरुष "से")

ऊर बुगुलि (ऊर ते बइअकन बुगुलि) चमड़ा थैली (चमड़े से बना हुआ थैली)

दारु नकि: (दारु ते बइअकन नकि:) लकड़ी कंघी (लकड़ी से बनी हुई कंघी)

दिरि ओड़अ: (दिरि ते बइअकन ओड़अ:) पत्थर घर (पत्थर से बना हुआ घर)

मद् चतोम (मद् ते बइअकन चतोम) बाँस छाता (बाँस से बना हुआ छाता)

सेल दअ: (सेल ते उड्डुङ तन दअ:) ओखल पानी (ओखल से निकलने वाला पानी)

हसा पचिरि (हसा ते थपअ:तद पचिरि) मिट्टी दीवार (मिट्टी से बनी हुई दीवार)

iii. **नङ सकि (नङ, नगेन, मेन्ते)** (सम्प्रदान तत्पुरुष "के लिए")

गड़ि भड़ा (गड़ि नङ भाड़ा) गाड़ी भड़ा (गाड़ी के लिए भाड़ा)

गोदाम ओड़अ: (गोदाम नङ ओड़अ:) गोदाम घर (गोदाम के लिए घर)

दुनुब् ओड़अ: (दुनुब् नगेन ओड़अ:) सभा भवन (सभा के लिए भवन)

सिरनि चउलि (सिरनि नगेन चाउलि) सिरनी चावल (सिरनी के लिए चावल)

होरा खरचा (होरा मेन्ते खरचा) राह खर्च (राह के लिए खर्च)

iv. **अपद् सकि "आते"** (अपादान तत्पुरुष "से")

बुरू होरा (बुरू आते उड्डुङो: तन होरा) पहाड़ी रास्ता (पहाड़ से गुजरने वाला रास्ता)

राँची गड़ि (राँची आते हिजु: गड़ि) राँची गाड़ी (राँची से आने वाली गाड़ी।)

सिरमा दअ:(सिरमा आते गमाए दअ:) आकाश जल (आकाश से बरसने वाल पानी)

v. **नाता सकि अ: / रअ:/ रेन** (सम्बन्ध तत्पुरुष का / के/ की)

कुड़ि-गोनोंङ (कुड़िअ: गोनोङ) वधू मूल्य (वधू का मूल्य)

राजा बंगला (राजाअ: बंगला) राजा बंगला (राजा का बंगला)

किता पटि (किता रअ: पटि) खजूर चट्टाई (खजूर की चट्टाई)

गड़ा दअ: (गड़ा रअ: दअ:) नदी पानी (नदी का पानी)

बोरा चउलि (बोरा रअ: चउलि) बोरा चावल (बोरा का चावल)

ओड़अ: होड़ो (ओड़अ: रेन होड़ो) घरैया आदमी (घर का आदमी)

बिर सिम (बिर रेन सिम) जंगली मुर्गी (जंगल की मुर्गी।)

राँची कुड़ि (राँची रेन कुड़ि) राँची लड़की (राँची की लड़की।)

vi. **आड़ा सकि "रे"** (अधिकरण तत्पुरुष "में / पर")

असम होड़ो (असम रे तइनतन होड़ो) असामी आदमी (असम में निवास करने वाला आदमी)

कुँआ चोके (कुँआ रे तइनतन चोके) कूप मंडूक (कूँए में रहने वाला मेंढक)

बिर केड़ा	(बिर रे तइन केड़ा)	वन भैंसा	(वन में रहने वाला भैंसा)
दअ: जिउ	(दअ: रे तइन जिउ)	जल जन्तु	(जल में रहने वाला जन्तु)
समय दअ:	(समय रे गमाए दअ:)	समय पानी	(समय में बरसने वाला पानी)

2. **जुड़ि टुङ मेनेसा** (द्वन्द्व समास):- जुड़ि टुङ मेनेसा रे पुचिद् जमाओ: तन बरन टुङकिङ मेता गे तइनो:अ ओड़ो: नेरे बरन टुङ मिद् बराबरि: गे सुबाओ: तना।

चिल्का (जैसे):-

ओड़अ:दुवर	(ओड़अ: ओड़ो: दुअर)	घर द्वार	(घर और द्वार)
एंगा अपु	(एंगा ओड़ो: अपु)	माता पिता	(माता और पिता)
कुला मिंडि	(कुला ओड़ो: मिंडि)	बाघ भालू	(बाघ और भालू)
टका पएसा	(टका ओड़ो: पएसा)	रुपया पैसा	(रुपया और पैसा)
तिसिङ गपा	(तिसिङ ओड़ो: गपा)	आज कल	(आज और कल)
दालि मंडि	(दालि ओड़ो: मंडि)	दाल भात	(दाल और भात)
दुकु सुकु	(दुकु ओड़ो: सुकु)	दुख सुख	(दुख और सुख)
धरम करम	(धरम ओड़ो: करम)	धर्म कर्म	(धर्म और कर्म)
निदा सिंगि	(निदा ओड़ो: सिंगि)	रात दिन	(रात और दिन)
राजा रानी	(राजा ओड़ो: रानी)	राजा रानी	(राजा और रानी)
सार कपि	(सार ओड़ो: कपि)	तीर धनुष	(तीर और धनुष)
सेंगेल सुकुल	(सेंगेल ओड़ो: सुकुल)	आग धूँआ	(आग और धूँआ)
सोना रूपा	(सोना ओड़ो: रूपा)	सोना चाँदी	(सोना और चाँदी)
हनर होंजर	(हनर ओड़ो: होजर)	सास ससुर	(सास और ससुर)

3. **जोनोका टुङ मेनेसा** (कर्मधारय समास):- ने टुङ मेनेसा रे पुचिद् अयरो: टुङ गमनङ (विशेषण) ओड़ो: तयोमते पुचिदो: टुङ मेता तइनो:अ। नेरे तयोमते पुचिद्ए टुङ गे पुरअ: सुबा गरंओ: तना।

कड़ाकोम मरमर (कड़ाकोम लेका लेलो: मरमर) केंकड़ा बिच्छू (केंकड़ा जैसा दिखने वाला बिच्छू)

चीनी उलि	(चीनी लेका हेड़ेम उलि)	चीनी आम	(चीनी जैसा मीठा आम)
जोनोः इपिल	(जोनोः लेका लेलोः इपिल)	झाड़ू तारा	(झाड़ू जैसा दिखने वाला तारा)
तोवा बा	(तोवा लेका लेलोः बा)	दूध फूल	(दूध जैसा दिखने वाला फूल)
पुसि कोओः	(पुसि लेका लेलोः कोओः)	बिलाइ बका	(बिल्ली के समान दिखाई देनेवाला बगुला)
पोंडे दअः	(पोंडे गे लेलोः दअः)	गंदा पानी	(गंदा दिखाई देने वाला पानी)

4. **लेनेका टुङ मेनेसा** (द्विगु समास):- लेनेका टुङ मेनेसा रे लेनेका उदुब् टुङ गे पुचिद् अयरोःअ। मेन्दो तयोमते पुचिदे टुङ पुरअःउतर सुबाओः तना।

नवरत्न	(नव गोटो समाड़ोम)	नव रत्न	(नव रत्नों का समाहार।)
बारोमास	(गेल बर चंडुः रअः गोट)	बारह मास	(बारह मास का समाहार)
ए मा	(ए मा रअः गोट)	सात दिन	(सात दिनों का समाहार)
सोला आना	(सोला गोटो मिद् आना)	सोलाह आने	(सोलह आने का एक समाहार)

5. **बनर टुंङ मेनेसा** (बहुब्रीहि समास):- बनर टुङ मेनेसा रे जेतन टुङ का सुबाओःतना मेन्दो बरन टुङ रअः मेनेसा ते मियद् जुदा ओरोतो रअः बनर नमोः तना।

(बहुब्रीहि समास में कोई पद/शब्द प्रधान नहीं होता है, बल्कि दोनों शब्द मिलकर एक विशिष्ट अर्थ का बोध कराते हैं।)

चिल्का (जैसे):-

मरङ होड़ो	(मरङ लेकाकन होड़ो)	(= हाथी,)
लतर दिसुम	(लतर रे मेनअः दिसुम)	(= बुण्डू, तमाड़,)
कसरा कोड़ा	(कसराकन कोड़ा)	(= भगवान,)
मेड़ेद् बिरि	(मेड़ेद् ते बइअकन बिरि)	(= हतकड़ि,)

कजि रअः मुडि उदुब्तन सुपट टुङ च टुङका रअः गोट गे बकंड़ा कजिओः तना ।
(केवल सार्थक शब्द या शब्दों के समूह को ही वाक्य कहते हैं)

बनइ लेकाते बकंड़ा रेअः रोकोम

(बनावट के विचार से वाक्य के भेद)

बनइ लेकाते बकंड़ा बरतअः रे हटिङाकना :-

1. सोंगड़ा बकंड़ा (सरल वाक्य)
2. ओसर बकंड़ा (संयुक्त वाक्य)

1. **सोंगड़ा बकंड़ा** (सरल वाक्य):- एसकर उदमनिः (कर्त्ता) ओड़ोः उदम (क्रिया) ते सोतोः संगोमकन बकंड़ा, सोंगड़ा बकंड़ा कजिओः तना ।
(जिस वाक्य में एक कर्त्ता और एक क्रिया होती है, उसे सरल वाक्य कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

उरिः अतिङ तना ।
(गाय चर रही है)

ने बकंड़ा रे "उरिः" उदमनिः ओड़ोः "अतिङ" उदम तनअः । एना मेन्ते नेअ सोंगड़ा बकंड़ा कजिओः तना ।

2. **ओसर बकंड़ा** (संयुक्त वाक्य):- बरिया च बरिया ते अदिका सोंगड़ा बकंड़ाको जोनोटोः टुङ ते जोटोःअकन बकंड़ा ओसर बकंड़ा कजिओः तना ।
(संयोजक शब्दों से जुड़े हुए दो या दो से अधिक सरल वाक्यों को संयुक्त वाक्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-
राँची रे मुसिंङएञ् कुपुल केना ओड़ोः गपातेरे ओड़अः तेइञ् रूड़ा जना ।
(मैं एक दिन राँची में ठहर गया और दूसरे दिन घर लौट आया ।)
नेतअः रे बरिया बकंड़ा मेनअः । बरन बकंड़ा जोनोटोः टुङ "ओड़ोः" ते जोटोः जमाकना । उङःए चि पहमे कजि दो नेअ गे तनअः चि ओसर बकंड़ा रे मियद

ओरोतो लेकाते बकंड़ा रेअः रोकोम

(अर्थ के विचार से वाक्य के भेद)

ओरोतो लेकाते होड़ो जगर रेअः बकंड़ा तुरि तअः रे हटिङाकना :-

1. मुंडि उदुब् बकंड़ा	(विधान वाचक वाक्य)
2. कुनुलि उदुब् बकंड़ा	(प्रश्न वाचक वाक्य)
3. उजुर उदुब् बकंड़ा	(नकार वाचक वाक्य)
4. इदु उदुब् बकंड़ा	(संदेह वाचक वाक्य)
5. अनाचु उदुब् बकंड़ा	(आज्ञा वाचक वाक्य)
6. सुपट मुंडि उदुब् बकंड़ा	(निश्चय वाचक वाक्य)

1. **मुंडि उदुब् बकंड़ा** (विधान वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते होबाओः तन उदम रेअः मुंडि नमोः तना, एना मुंडि उदुब् बकंड़ा कजिओः तना ।
(जिस वाक्य से किसी क्रिया के होने की स्थिति का बोध होता है, उसे विधान वाचक वाक्य कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

सुगि मंडिए जोम तना ।
(सुगि खाना खा रही है)

ने बकंड़ा रे निमतङ सुगि मंडिए जोम तना, नेअ रअः मुंडि नमोः तना । ने लेकागे एटअः एटअः बेड़ा रअः बकंड़ाको तेओ होबाओः उदम रेअः मुंडि नम दड़िओःअ ।

2. **कुनुलि उदुब् बकंड़ा** (प्रश्न वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते जाँन कुनुलि जॉए कुलिओः तना, एना कुनुलि उदुब् बकंड़ा कजिओःतना ।
(जिस वाक्य से किसी को कोई प्रश्न पूछे जाने का बोध होता है, उसे प्रश्न वाचक वाक्य कहते हैं ।)

चिल्का जैसे):-

एंगम कमि तनाएः चि ?
(क्या तुम्हारी माँ काम करती है ?)

होड़ो जगर रेअः बकंड़ा एनेटेः च टुंडु रे कुनुलि नङ "चि" जोटोगोः तना । मेन्दो मिसा-मिसा बकंड़ा रे "चि" बेगर जोटोः तेओ सड़ा रअः पुचिद् जुगुतु तेगे कुनुलि बइओः तना ।

चिल्का (जैसे):-

गपाए: हिजु: तना ?

(क्या वह कल आ रहा है ?)

3. **उजुर उदुब् बकंड़ा** (नकार वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते उदम का होबाओ: रअ: मुंडि नमो: तना, एना उजुर उदुब् बकंड़ा कजिओ: तना । (जिस वाक्य से किसी क्रिया के नहीं होने का बोध होता है, उसे नकार वाचक वाक्य कहते हैं)

चिल्का (जैसे):-

पीटि काए सेना ।

(वह बाजार नहीं जायेगा)

ने बकंड़ा ते उदम होबाओ: तंन रअ: मुंडि का नमो: तना । एना मेन्ते नेअ का उदुब् बकंड़ा कजिओ तना ।

4. **इदु उदुब् बकंड़ा** (संदेह वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते उदम होबाओ: रअ: अड़अ: उड़ु: मोन रे हिजु:तना, एना इदुड़ो: उदुब् बकंड़ा कजिओ: तना । (जिस वाक्य से क्रिया के होने का संदेह उत्पन्न होता है, उसे संदेह वाचक वाक्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

गड़ि सेनो: जना जाअ: ।

(शायद् गाड़ी छूट गई होगी,)

ने बकंड़ा रे जोटो:अकन टुङ "जाअ:" ते मोन रे उदम होबाओ: रअ: अड़अ: उड़ु: हिजु: तना ।

5. **अनाचु उदुब् बकंड़ा** (आज्ञा वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते अनाचु ओमो: तन रअ: मुंडि नमों: तना, एना गे अनाचु उदुब् बकंड़ा कजिओ: तना । (जिस वाक्य से आज्ञा/आदेश का भाव प्रकट होता है, उसे आज्ञा वाचक वाक्य कहते हैं ।)

चिल्का (जैसे):-

मंडि तुपु तपे ।

(भात को बोथ दो ।)

ने बकंड़ा रे मंडि तुपु नतिन अनाचु ओमाकना ।

6. **सुपट मुंडि उदुब् बकंड़ा** (निश्चय वाचक वाक्य):- ओको बकंड़ा ते उदम होबाओ: रअ: सुपट मुंडि नमो:तना, एना सुपट मुंडि उदुब् बकंड़ा कजिओ:तना । (जिस वाक्य से क्रिया के निश्चित रूप से होने का बोध हो, उसे निश्चय वाचक वाक्य कहते हैं ।

चिल्का (जैसे):-

टकाइञ् नमेअ बद्कम ।
(मुझे निश्चित रूप से रुपया मिलेगा)

बकंड़ा रेअ: टुंड़ु रे "बद्कम जोटो: केआते सुपट मुंडि उदुब् बकंड़ा बइओ:तना ।

मिद् लेका ओरोतो उड़ुङो:तन टुङको
(पर्यायवाची शब्द)

अकल	(= बुद्धि)	:	अकल, सेंड़ां,ससलि, सद्ड़ा, लूर, मुंडि ।
अबुङ	(= धोना)	:	अबुङ, आब्, चपि, हुतुम ।
ओड़े	(= पक्षी)	:	ओड़े, चेंड़े, चेरे, चे:ए, ।
ओते	(= धरती)	:	ओते, हसा ।
उड़ु:	(= चिन्ता)	:	उड़ु:, पहम, फिकिर, अरदास, ओनमान ।
उपल	(= कमल)	:	उपल, सलुकिद्, कोमोल, कमल ।
कटि:	(= थोड़ा)	:	कटि:, कटिकन, हुड़िङ, हुडुड़िङ, चोको:ए, पिदिरङ।
कुड़ि	(= पत्नी)	:	कुड़ि, कोनेया, घरनि, बुड़िया, गोमकाइन, ओड़अ: होड़ो, होनको एंगाते ।
कुड़ि होन	(= बेटी)	:	कुड़ि होन, होन कुड़ि, मइ कुड़ि, मइ होन, बिटि, मइया, दअ: आउनि:, अड़अ: टेओनि: ।
कोड़ा	(= पति)	:	कोड़ा, किसन, बोर, मलिकि, होनको अपुते, हेरेल ।
कोड़ा होन	(= बेटा)	:	कोड़ा होन, होन कोड़ा, बेटा, बाबु, बुचु, डुंड़ुं, मुनु, बोयो, सेपेड़ेद् ।
गुडि	(= गुड्डी)	:	गुडि, ओटङ, पिरकल ।
जेटे	(= धूप)	:	जेटे, सिंगि मरसल, अरतङ, तुरतुङ, एपेलङ, ठेकाइर ।
टका	(= रुपया)	:	टका, लोट, दोरोब्, पोएसा ।
तराउड़ि	(= तलवार)	:	तराउड़ि, खण्डा ।

थिम्बा	(= अधिक)	:	थिम्बा, इसु, पुरअः, मिद्पुरअः, बुरति, गुदु गुदु ।
तुतुकुन	(= ठंढा)	:	तुतुकुन, रेयड़, रबङ, कनकन, ।
डेबेलेन	(= नहाना)	:	डेबेलेन, उमेन, ओड़न, रेड़ान, चपिन।
तुयु	(= सियार)	:	तुयु, सिरिपंडे ।
दअः	(= पानी)	:	दअः ।
दसि	(= नौकर)	:	दसि ।
दिरि	(= पत्थर)	:	दिरि, सेरेङ, पखना ।
दुकु	(= दुःख)	:	दुकु, तकलिप, बलय, सदव, सिगिद्, पोए ।
दुलड़	(= प्रेम)	:	दुलड़, प्रेम ।
नइ	(= नदी)	:	नइ, गड़ा ।
नम	(= पाना)	:	नम, सिड़िब्, बनर, जसु, जइगि, लेल ।
पुकुरि	(= बाँध)	:	पुकुरि, बंदा, डोबा, पोखरा ।
बिर	(= जंगल)	:	बिर, टोन्ङ ।
बिङ	(= साँप)	:	बिङ, बयर, पटि ।
बुरू	(= पहाड़)	:	बुरू ।
बेड़ा	(= समय)	:	बेड़ा, खोन, घड़ि, दिन ।
बेमइन	(= बेइज्जत)	:	बेमइन, बेपुछव, बेकुरचु, लेल बगे ।
भगवान	(= भगवान)	:	भगवान, भोगोमान, ईश्वर, सिङबोंगा, सिरमा अबा, चेतनरेनिः, परमेश्वर ।
मअः	(= काटना)	:	मअः, हद्, इर, गेद्, लयर, तोपङ ।
मोने	(= इच्छा)	:	मोने, सनङ, अङगव, टुल, थब् ।
रासिका	(= खुशी)	:	रासिका, सुकु ।
लिजअः	(= कपड़ा)	:	लिजअः, किचिरि, सिंड़िः, गिनियुः दपल, एनेयोर ।
लोलो	(= गर्मी)	:	लोलो, उरगुम, उगुम ।
समा	(= व्यर्थ)	:	समा, पव, इपइअःए, ।
सार	(= तीर)	:	सार, तुइञ्, टोटे ।
सोना	(= सोना)	:	सोना, समाड़ोम ।
हति	(= हाथी)	:	हति, मरङ होड़ो, रा ।
हिड़ि	(= ठगना)	:	हिड़ि, बेदा, होसड़ो, पोटोःए, पोलव ।
पेटेः	(= तोड़ना)	:	पेटेः हेएः, हेज्, टुसा, सिद्, गोद्, ओद्, ।

मिद् लेका पुचिदो:तन बिनगा ओरोतो टुङको

(समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अबेन = अम आद् अए:
आबेन = मेद मुंअड़ अबुङएन ।
अद् = दो रिड़िङ (= खोना)
आद् = जोनोटो: (= संयोजक)
अमल = अंबोल (= अनपच)
हमल = भरती होड़मो (= गर्भ)
अठउरि = हपता (= हफ्ता /सप्ताह)
अथउड़ि = बेहिसाब (= बेहिसाब)
अर = जोनोटो: (= संयोजक)
आर = जोमेअ: (= आहार)
ओड़े = चेंड़े (= पक्षी)
ओड़े: = चेचअ: (= फाड़ना)
ओद् = टोटअ: (= टूटना)
ओंद् = हिरगंड़ा (= रगड़ना)

उद् = जोम (= निगलना)
ऊद् = जोमे ऊद् (= मशरूम)
उम = डेबेल/रेड़ा (= नहाना)
उमा = एयङ (= माँ)
उरि: = गइ/हड़ा (= गाय/बैल)
उरि = ओचअ:/चोटअ: (= उचाड़ना)
काना = कांड़ा (= काना)
खाना = कुटुरि (= कोठरी)
कुडि = कुदाल (= कुदाली)
कुड़ि = एरा (= औरत)
कुटि = एंगा सेता (= कुत्तिया)
खुटि = हुड़िङ खुँटा (= खूटी)
किरि = पयसा (= पैसा)

अम्बा = उलि (= आम)
अहम्बा = टमुटि, (= अजनबी)
अंगुर = दाख (= अंगूर)
अंगोर = हसंगर (= अंगोर)
आरा = मरङ दरु हद् कल (= आरा मशीन)
अरा = दामाद (= दामाद)
उब् = दुल उड़ुङ (= उड़ेलना)
ऊब् = ऊहुब (= बाल)
उर = हसा उर । (= कोड़ना/खोदना)
ऊर = होड़मो रअ: ऊर (= चमड़ा)
उमेन = डेबेलेन, रेड़ान (= नहाना)
उमिन = ओते सोंगनि: (= अमीन)
करे = कुड़िद् (= चील)
कारे = च (अथवा/अन्यथा)

किला = गढ़ (= गढ़)
खिला = टो:टोड़ि:/पचर (= पचर)
कुटुङ = टेंगो: (= ढोना)
कुटुम = कुपुल/पेड़ा (= अतिथि)
कोड़ा = हेरेल (= मर्द)
कोडा = उरबड़ा (= कोड़ना/खोदना)
गरा = पाप/गुना (= पाप/गुनाह)
गारा = थेगा लोसोद् (= गारा)
गटि = चुना दिरि (= चूना पत्थर)
घटि = नोकसान (= नुकसान)
गड़ि = मोटोर (= गाड़ी)
गंड़ि = गंड़ि (= कोल्हू)
गेड़े = भंगिना (= भांजा)

खिरि = मोटो (= मोटापा)
केडा = भंइसि (= भैंस)
केड़ा = हकव/रअ: (= बुलाना)
गड़ि = बंदरा (= बंदर)
घड़ि = समय लेल कल (= घड़ी)
गुड़ु = लोयोङ कटेया (= मूसा)
गुड़ू = गुड़ू डंडअ: रासि (= गुड़)
गेरा = बिचा दिरि (= कच्चा लोहा)
घेरा = चरदोवालि (= चहर दीवारी)
जअ: = जुटिद् (= छूना)
जाअ: = इदु (= शायद)
जड़ा = पविता (= पपीता)
झाड़ा = लाई: दुल/छेरा (= पेचिस)
जिअन = गोए: (= मरण)

जीअन = जीवट (= साहसी)
जुटि = बुलव (= खेलाना)
जुति = नङगलि बयर (= रस्सी)
जुला = सोनो: (= कमीज)
जूला = मंडि जूला (= चूल्हा)
जुड़ि = बरिया जिउ/जिनिस (= जोड़ी)
झोड़ि = चकुलि भारोम (= झोड़ी)
एलङ = लोलो (= गर्मी)
इलङ = उदुर (= ठेलना)
डाड़ो = हब्/हुअ: (= दाँत से काटना)
डाडो = एंगा टेपो (= अँगूठा)
टोर = चेंड़े मोचा (= चोंच)

ठोर = उड़ु: नम (= स्मरण करना)
तिङ = सान जूला रे उरूब्
(= चूल्हे में लकड़ी डालना)

गेंड़े = ऊद्गेंड़े (= मशरूम)
जावा = जुड़वां (= जुड़वा)
झांवा = सेराकन ईंटा (= गला हुआ ईंट)
जिर = टपा (= हवा देना)
जीर = जोबेला/जुबिला (= दलदल)
जुटा = जोम सरे: (= अपशिष्ट)
जुटहा = होसोड़ो (= झूठा)
जोला = सिड़िगिर (= चढ़ान)
जोल्हा = लिजअ: तेंङ नि: (= जुल्हा)
जटा = सान जटा (= सूखी लकड़ी)
जा, टा = जटाड़िं (= घेरा)
डुंडु = बिंङ डुंडु (= साँप)
डुंडु: = मंडि (= खाना)
टुल = अंगव / सना (= लगना)

ठुल = टोढ़े/टोटे (= गोली मारना)
टोकव = कुलि (= पूछना)
ठोकव = थम / दल (= पीटना)
टनव = रचअ: (= खींचना)
ठनव = मोने केटे: (= ठानना)
ताला = ताला (= ताला)
थाला = मरङ थाड़ि (= थाला)
तिलि = सिकु जरोम
तेलि = जाति (= तेली जात)
तेर = ओम एतेल
थेर = हुदमा (= फेंकना)
दड़ि = पेड़े: / पया (= ताकत)

दड़हि = गुचु (= दाढ़ी)
ददा = मरङ हगा (= बड़ा भाई)
दादा = आजा (= दादा)

तींङ = तुलङ/डुंगा/हका (= हाथ से उठाना)
तेन = डबनि / अतिरि (= ढकन)
तेङ = लिजअः बइ (बुनना)
दका = बुनुम ऊद (= मशरूम)
धका = टेसा (= धक्का)
दइ = मरङ मिसि (= बड़ी बहन)
दहि = ओदासि (= दही)
दवा = रानु (= दावा)
दावा = दबि (= दावा)
दुंडु = तोनोः (= तोनोः)
डुंडु = होन कोड़ा (= बेटा)
दान = ओम गिड़ि (= दान)
धान = बबा (= धान)
नना = उसुः (= पतला शरीर)
नाना = एंगअः अपुते (= नाना)
पया = पेड़ेः (= ताकत)
पाया = परकोम कटा (= पाया)
पेंदा = डुरि/चटु पेंदा (= नितम्ब)
फेंदा = हरव/हरतिङ (= हराना)
पिड़ि = गोड़ा (= टाँड़)
पिरि = ढाल (= ढाल)
बना = बिर बुड़ि (= भालू)
बाना = कजि परोमेन (= बहाना)
बाड़ा = मरङ अबा (= बड़ा बाप)
भाड़ा = गोनोंङ (= किराया)
बेड़ा = समय (= समय)
भेड़ा = संडि मिडिं (= भेड़)
बटा = जोल बटा (= टमाटर)
भटा = सेंगेल भट्टा (= भट्ठा)
बिर = टोनङ (= जंगल)
दोहो = मडंव/जोगव (= रखना)
दो = गरका/दोला (= चलाना)
दंदा = सोंकोटो (= संकट)
धंधा = कमि (= काम धंधा)
नड़ि = नड़ि (= लरंग)
नारि = मयोम होरा / सीर (= नस)
नगा = अकम (= गैर हाजिर)
नागा = नागा जति होड़ोको (= नागा)
पुइ = उटु अड़अः (= फुही साग)
पुहि = बड़ंसि पुहि (= बनसी की पूही)
पेटे = मिठाई (= मिठाई)
पेटेः = टोःए (= तोड़ना)
पोंङ = दअः अपड़ा (= पानी छोड़ना)
पो'ङ = ओयोंङ (= भाँपना)
बले = पसे (= फंदा)
बलेः = होन/डेले (= शिशु)
बअः = जिलु (= माँस) धान
बहा = बा (= फूल)
बोर = राड़ा (= सूत निकालना)
बो'र = दमाद (= दामाद)
बारि = एसकर (= अकेला)
भारि = भारोम (= भार)
बिरि = हथकड़ि (= हथकड़ी)
बीरि = बिहरि (= एकत्र करना)
बुड़ि = बना (= बोदी/भालू)
बुडि = बुड़िया कुड़ि (= बूढ़ी औरत)
बिटि = बेगर नाला रअः कमि (= बेगारी)
बेटि = होन कुड़ि (= बेटी)

बीर = पेड़ेगन होड़ो (= ताकतवर व्यक्ति)
रोद् = कजि गोटा (= बात तय करना)
रो'द = हुमु खरिंडा (= मैल की परत)

उल्टा ओरोतो टुंङको

(विपरीतार्थक शब्द)

अ	अयर	(= आगे)	तयोम	(= पीछे)
	असलि	(= असली)	नकलि	(= नकली)
	अयुब	(= साँझ)	सेतअः	(= सबेरा)
	अद्	(= खोना)	नम	(= पाना)
	अङ	(= सुबह)	अयुब	(= शाम)
	अदवा	(= अरवा)	तिकि	(= उसना)
	अजिञ्	(= दीदी)	बउइञ्	(= दादा)
	ओते	(= जमीन)	सिरमा	(= आसमान)
	ओल	(= लिखना)	पढ़व	(= पढ़ना)
	ओम	(= देना)	असि	(= लेना)
इ	इकिर	(= गहरा)	तेमबेः	(= छिछला)
	इबिल	(= मोटा)	एतङ	(= पतला)
	इसिन	(= पका)	बेरेल	(= कच्चा)
	इदि	(= लेना)	आउ	(= लाना)
उ	उम्बुल	(= छाया)	जेटे	(= धूप)
	उरगुम	(= गर्म)	तुतुकुन	(= ठंडा)
	उसुम	(= सुसुम)	रड़ेः	(= ठंडा)
	उड़ुङ	(= निकालना)	अदेर	(= घुसाना)
ए	एरा	(= औरत)	हेरेल	(= मर्द)
	एटेः	(= आदि)	टुंड़ु	(= अंत)
	एदका	(= अशुभ)	बुगिन	(= शुभ)
	एतङ	(= पतला)	इबिल	(= मोटा)

	एंगा	(= माता)	अपु	(= पिता)
	एंगा	(= मादा)	संडि	(= नर)
	एसेल	(= श्वेत)	हेंदे	(= श्याम)
	कटा	(= पैर)	ती	(= हाथ)
क	कटि:	(= थोड़ा)	थिम्बा	(= अधिक)
	कमिया	(= मेहनती)	अड़िसा	(= आलसी)
	कटा जम्बड़ा	(= दक्षिण)	बोओ: जम्बड़ा	(= उत्तर)
	का	(= नहीं)	हे	(= हाँ)
	काका	(= चाचा)	काकी	(= चाची)
	किमिन	(= पुत्रवधु)	अरा	(= दामाद)
	किरिङ	(= क्रय)	अकरिङ	(= विक्रय)
	किसंड़	(= अमीर)	रेंगे:	(= गरीब)
	कुमा	(= फुफा)	हतोम	(= फुफु)
	कुदरा	(= खुदरा)	जामा	(= थोक)
	केटे:	(= कठोर)	लेबे:	(= कोमल)
	केड़ा	(= काड़ा)	उरि:	(= गाय)
	कोड़ा	(= नर)	कुड़ि	(= नारी)
	कोनेया	(= दुल्हिन)	बो'र	(= दूल्हा)
ग	गअ:इदि	(= गद्य)	गमुइदि	(= पद्य)
	गति	(= दोस्त)	बइरि	(= दुश्मन)
	गिड़ि	(= फेंकना)	जोगव	(= रखना)
	गुरु	(= गुरु)	चेला	(= चेला)
	गो:ए	(= मृत)	जीद्	(= जीवित)
	गोनो:ए	(= मरण)	जिनिद्	(= जन्म)
	गोटा	(= पूर्ण)	तारा	(= अधा)
	गोमके	(= मालिक)	दासि	(= नौकर)
च	चंडु:	(= चाँद)	सिंगि	(= सूरज)
	चउलि	(= चावल)	दालि	(= दाल)
	चीनी	(= चीनी)	गुड़	(= गुड़)

	चेतन	(= ऊपर)	लतर	(= नीचे)
	चोरे	(= पतला)	मोटो	(= मोटा)
ज	जङ	(= हड्डी)	जिलु	(= माँस)
	जपअः	(= निकट)	परका	(= दूर)
	जरगि	(= बरसात)	जेटे	(= गर्मी)
	जनव	(= रोज)	अचका	(= कभी)
	जुड़ि	(= जोड़)	फुटा	(= विजोड़)
	जू	(= जाओ)	देला	(= आओ)
	जो	(= फल)	बा/बहा	(= फूल)
	जोजो	(= खट्टा)	हेड़ेम	(= मीठा)
	जोड़	(= सम)	विजोड़	(= विषम)
	जोला	(= चढ़ान)	सिड़गिर	(= उतरान)
ट	टका	(= रुपया)	पएसा	(= पैसा)
त	तिसिङ	(= आज)	गपा	(= कल)
	तिंगु	(= उठना)	दुब्	(= बैठना)
	तेतेः	(= चाँदनी)	नुब्अः	(= अंधेरा)
	तेता	(= साफ)	पोंडे	(= गंदा)
द	ददा	(= बड़ा भाई)	दई	(= बड़ी बहन)
	दसि	(= दास)	कमिड़ी	(= दासी)
	दहिना	(= दाँया)	लेंगा	(= बाँया)
	दंगड़ा	(= युवक)	दंगिड़ि	(= युवति)
	दुकु	(= दुःख)	सुकु	(= सुख)
न	नड़ेः	(= निकट)	संगिन	(= दूर)
	नवा	(= नया)	पुरना	(= पुराना)
	नम	(= पाना)	अद्	(= खोना)
	नरादुरा	(= निर्बल)	पेड़ेगन	(= सबल)
	नफा	(= लाभ)	नुकसान	(= हानि)
	नमोः	(= सुलभ)	का नमोः	(= दुर्लभ)

	निदा	(= रात)	सिंगि	(= दिन)
	नू	(= पीना)	जोम	(= खाना)
प	पापी	(= अधर्मी)	धरमि	(= धर्मी)
	पोकोतो	(= पुष्ट)	नरादुरा	(= क्षीण)
ब	बइ	(= बनाना)	बगड़व	(= बिगाड़ना)
	बलु	(= मूर्ख)	सेंड़ा	(= ज्ञानी)
	बनोः	(= नहीं है)	मेनअः	(= है)
	बबु	(= बेटा)	मई	(= बेटी)
	बिर	(= जंगल)	पिड़ि	(= टाँड़)
	बुरू	(= पहाड़)	बेड़ा	(= तराई)
म	मइन	(= आदर)	बेमइन	(= अनादर)
	मरङ	(= बड़ा)	हुड़िङ	(= छोटा)
	मामु	(= मामा)	मामी	(= मामी)
	मिसि	(= बहन)	हगा	(= भाई)
	मुतुकुल	(= जेष्ठ)	लिटा	(= कनिष्ठ)
र	रबल	(= सुबोध)	हंबल	(= दुर्बोध)
	रकब्	(= चढ़ना)	हड़गु	(= उतरना)
	रबङ	(= जाड़ा)	जेटे	(= गर्मी)
	रड़ेः	(= ठंढा)	लोलो	(= गर्म)
	राजा	(= राजा)	रानी	(= रानी)
	राटा	(= रुखा)	लपाए	(= मुलायम)
	रोड़	(= सूखा)	बेरेल	(= कच्चा)
ल	लंदा	(= हँसना)	रअः	(= रोना)
	लाभ	(= लाभ)	हानि	(= हानि)
स	ससता	(= सस्ता)	महँगा	(= महँगा)
	सरते	(= सत्य)	होसड़ो	(= असत्य)
	सिबिल	(= मीठा)	जोजो	(= खट्टा)
	सिंगि	(= सूर्य)	चंड़ुः	(= चाँद)

	हतोम	(= फुफु)	कुमा	(= फूफा)
	हुड़िङ	(= न्यून)	पुरअः	(= अधिक)
	हे	(= हाँ)	का	(= नहीं)
	हेरेल	(= मर्द)	एरा	(= औरत)
	हेंदे	(= श्याम)	पुंडि	(= श्वेत)
	होन कोड़ा	(= बेटा)	होन कुड़ि	(= बेटी)

सपुतुःअकन टुङको

(सहचर शब्द)

अ .	अयर	(= आगे)	तयोम	(= पीछे)
	अता	(= मूढ़ी)	तबेन	(= चिउड़ा)
	अङ	(= बिहान)	अयुब्	(= साँझ)
	ओड़अः	(= घर)	दुवर	(= द्वार)
	ओते	(= जमीन)	सिरमा	(= आसमान)
इ .	इलि	(= हँड़िया)	अरकि	(= दारू)
	इंदुर	(= यहाँ)	निदुर	(= वहाँ)
उ .	उलि	(= आम)	कंटाड़ा	(= कटहल)
	उरिः	(= गाय)	मेरोम	(= बकरी)
	उकिल	(= वाकील)	मुंशी	(= मुंशी)
	ऊद्	(= कुखड़ी)	पुटुकुइ	(= रूगड़ा)
ए .	एपेरङ	(= लड़ना)	कपजि	(= झगड़ना)
	एंगा	(= माता)	अपु	(= पिता)
	एंगा	(= मादा)	संडि	(= नर)

	कुला	(= बाघ)	मिंडि	(= भालू)
	कुला	(= बाघ)	बिङ	(= साँप)
	केड़ा	(= भैंस)	उरि:	(= गाय)
	केटे:	(= कड़ा)	लेबे:	(= नरम)
	कोड़ा	(= पुरुष)	कुड़ि	(= स्त्री)
	कोनेया	(= दुल्हिन)	बो'र	(= दूल्हा)
च .	चटु	(= घड़ा)	लुंडि	(= लकुर)
	चउलि	(= चावल)	दालि	(= दाल)
	चुना	(= चूना)	तमाकु	(= तम्बाकू)
	चुटु	(= चूहा)	कटेया	(= मूसा)
	चेतन	(= ऊपर)	लतर	(= नीचे)
ज .	जङ	(= हड्डी)	जिलु	(= माँस)
	जिलु	(= गोश्त)	मंडि	(= भात)
	जिलिङ	(= लम्बा)	चकर	(= चौड़ा)
	जेटे	(= गर्मी)	जरगि	(= बरसात)
	जोम	(= खाना)	नू	(= पीना)
त .	तिरिल	(= केंद)	तरोब्	(= चार)
द .	दसि	(= नौकर)	कमिड़ि	(= नौकरानी)
	दंगड़ा	(= युवक)	दंगिड़ि	(= युवती)
	दिदि	(= गीध)	कुड़िद	(= चील)
	दुकु	(= दु:ख)	सुकु	(= सुख)
न .	नवा	(= नया)	पुरना	(= पुराना)
	निदा	(= रात)	सिंगि	(= दिन)
प .	पटि	(= चट्ठाई)	परकोम	(= खटिया)
ब .	बबा	(= धान)	चउलि	(= चावल)
	बिर	(= जंगल)	बुरू	(= पहाड़)
	बेंगड़ा	(= बैंगन)	जोलबटा	(= टमाटर)

म .	मंडि	(= भात)	उतु	(= तरकारी)
	मिंडि	(= भेड़)	मेरोम	(= बकरी)
	मुण्डा	(= मुण्डा)	मड़की	(= मानकी)
	मेद्	(= आँख)	लुतुर	(= कान)
	मोटो	(= मोटा)	नाना	(= पतला)
र .	राजा	(= राजा)	रानी	(= रानी)
	राड़ि	(= राहड़)	रम्बड़ा	(= उड़द्)
	रेजा	(= रेजा)	कुलि	(= कुली)
	रेंगेः	(= भूख)	तेतङ	(= प्यास)
ल .	लंदा	(= हँसना)	जगर	(= बोलना)
	लोलो	(= गर्म)	रड़ेः	(= ठंढा)
स .	ससङ	(= हल्दी)	मसला	(= मसाला)
	सार	(= तीर)	कपि	(= भलुवा)
	सिंगि	(= सूर्य)	चंडुः	(= चाँद)
	सिम	(= मुर्गी)	सुकुरि	(= सूअर)
	सी	(= जोतना)	चलु	(= कोड़ना)
	सुनुम	(= तेल)	बुलुङ	(= नमक)
	सेनोंः	(= जाना)	हिजुः	(= आना)
	सेंगेल	(= आग)	सुकुल	(= धूँआ)
	सेपेड़ेद्	(= लड़का)	हपनुम	(= लड़की)
ह .	हगा	(= भाई)	मिसि	(= बहन)
	हइ	(= मछली)	कड़ाकोम	(= केंकड़ा)
	हनरे	(= यहाँ)	नरे	(= वहाँ)
	हनसअः	(= इधर)	नसअः	(= उधर)
	हड़म	(= बूढ़ा)	दंगड़ा	(= युवक)
	हंबल	(= भारी)	रबल	(= हल्का)
	हुड़िङ	(= छोटा)	मरङ	(= बड़ा)
	हेड़ेम	(= मीठा)	हड़द्	(= तीता)

हेंदे	(= काला)	पुंडि	(= सफेद)
होयो	(= हवा)	दअः	(= पानी)
होड़ेः	(= कुरती)	सुरगुंजा	(= सुरगूंजा)
होला	(= कल)	गपा	(= आने वाला कल)

संगि टुङको रअः एसकर टुङ

(अनेक शब्दों का एक शब्द)

अपुअः बोकेते कोड़ा	काका
अपुअः बाउते	बाडा
अपुअः मिसिते	हतोम
अपुअः मिसि तेअः कोड़ा	कुमा
अपुअः अपुते	आजा
अपुअः एंगाते	जियङ
आजा हड़मअः अपुते	ताता
आराओः तनिः	बो'र
असि असिते असुलेन	जेले
उरिः मेरोमको अदेर ओड़अः	गोंड़ा
उरिः केड़ाको गुपिनिः	महरा
एनलोःगे रअःए होन	सिमिः
एंगाअः मिसिते	काकी / गड़िङ
एंगाअः मिसितेअः कोड़ा	काका
एंगा अपुकिङ गोःए बगेतअः होन	टुअर
एंगाअः हगाते	मामु
एंगाअः हगातेअः कुड़ि	मामी
एंगअः मरङ मिसि	बडी
एंगाअः एंगाते	नानी
एंगा सेता	कुटि
एटअः निअः जगर	उकुता
ओम अयरो टका	बयना
ओम लदिओः गोनोङ	लादा

कमि च जोम सोला	बुबुकव
का कमि होड़ो	लंडिया
का ओपोम होड़ो	सूम / कुटु
का अंड़दिअकन नि:	डिंडा
कुड़िअ: बाउते	बाउहोंजर
कुड़िअ: अजिते	अजिहनर
कुड़ि गोए: जन कोड़ा	रांडा
कुड़िअ: बोकोते कोड़ा	तेंजा कोड़ा
कुड़ि निर बगे तअ:इ कोड़ा	चाड़ा
जगर सड़ा	रूगुम
जरोम जितवाकन जो	मति
जियङ बुड़िअ: अपुते	ताता
जोमतन रे देआ कुडम	कुरल
जोका जुड़ि रअ: कजि इदिआउनि:	दुतमदार
टका कमि हपे	पुगुड़ि
तारा मेद् बगड़वाकन कोड़ा	कांड़ा
तारा मेद् बगड़वाकन कुड़ि	कांड़ि
तारा कटा बनो:, कोड़ा	लंगड़ा
तारा कटा बनो:, कुड़ि	लंगड़ि
दुअर पहरा नि:	संतरि
बले: होन	डेले
बा रे बोंगा टयद्	सरना / जयर
बहर ओड़अ:	ओवरि
बितर ओड़अ:	अदिङ
बेगर सूद रअ: रिंडि	काड़ि
बेगर कुलि काजिते इदि हपे	कुमबड़

बोंगा ओमाइ / रकबइ मेठाई	सिरनि
मद्ते तेङाकन बकसा	हड़का
मरङ हगा	दादा
मरङ मिसि	दाइ, अजि
मांड़ा तोपा ठांव	मंसंड़ा
मरङ हगाअः कुड़ि	हिली
मरङ मिसिअः कोड़ा	बोनाई
मिसिअः होनको	गेड़े, भगिना/भगिनी
मिद लाईः होनको	बोकोबोया, हगेया, उंडिबोया
मियद् कोड़ाअः बरिया कुड़िकिङ	हिरूम
मिसाते जनमाकन बरिया-होनकिङ	जावा
रोका रअः कमि	रोकाड़ि
लेंगा तीते कमिनिः	टोटो
हगेआ रेन कुड़िको	नतेया
हगेआ रे हुड़िङ उतर निः	लिटा
हकिम दुअर	कचइरि
हतु रअः सुसुन टयद्	अकड़ा
हतु रेन मरङ निः	मुण्डा
हतु रेन मरङ बोंगा निः	पांड़ा
हतु रेन मरङ रानु जियड़ तनिः	बुइदि
हुड़िङ ते का बीओः निः	दरिदा
हुड़िङ हगाअः कुड़ि	किि॰न
हुड़िङ मिसिअः कोड़ा	अरा
हुड़िङ ते का डोङोःनिः	बुकुडु
हुड़िङ मिसि	नाना
होन कुड़िअः हगाको	बरे

अइन छंटव : समा रअ: काटछाँट ।
पुरअ: अइन छटव जन रे बइओ: कमिओ बगड़वो:अ ।

अद् मन्ड़ा : जलम कोलद् ।
जाँनअ: कारबार अद् मनड़ा होड़ोको लो: बोरो गेअ ।

अदोवा गुना : अपय / अकलक ।
पुरअ: कलकल जन होन अदोवा गुना को नमे गेअ ।

अपिरतन चेंड़ें कुदव : दड़ितन को लो: जोकन ।
अपिरतन चेंड़ें कुदव हंबल गेअ ।

अपिया कटाओ: : डंडअ: ते टुंडाबड़न ।
हड़म जन चि होड़ो अपिया को कटाओ: अ ।

अयरअ: दिन : अयरते / तयोमकोते / गपा हुलङ ।

अयर अयरेन : अटाड़िंन / संदामंदान / कुरसुन / सोकाबेन ।
कमि तअ: रे होनको अयर अयरेन गेअ ।

अदाकड़ा रे : तला रे ।
अदाकड़ा रे निरजन दसि गोनोङ काको नमेअ ।

असिओ: : कुपुलो: ।
अड़ंदिओ: सिदा रे कुड़ि होनको असिओ: अ ।

अपिर मेद् : सिरपल मेद् ।
अपिर मेद् होड़ो बुगिन होड़ो रे काको
हिसाबो:अ ।

अयर रअ: : गपा हुलङ रअ: / तयोम हुलङ रअ: ।
अयर रअ: कजि हंबल गेअ ।

असि उरिअ: डाटा लेका : सिथि ते नमाकनअ: सला ।
असि उरिअ: डाटा काको लेकाएअ ।

ओड़अ: रअ: : अपनअ: ।

ओड़अः होड़ो : अड़ंदि कुड़ि / घरनि ।
अपनअः ओड़अः होड़ो दो बुगिन गेए कजिओः अ ।

ओड़अः रअः कजि : हगेआ च कुटुम रअः कजि ।
जेता होड़ो ओड़अः रअः कजि काको उदुब् बड़ाएअ ।

ओड़अः रे चुटु पइकिन : रेंगेगोः ।
पुंजिओः रअः सेंड़ां बनोः रेदो, ओड़अः रे चुटुको पइकिन गेअ ।

ए

एटअः निअः कजि रे सेसेनः एटअः निअः कजि अयुम / एटअः निअः सलाह मनतिङ ।
अंव गे एटअः निअः कजि रे सेसेन का लगतिङा ।

एटअः निअः जूला ओङ : एटअः निअः मांडि ।
कुड़ि होन दो एटअः निअः जूला ओङको गे दङ ।

एनका गे : अंवगे ।
हड़मको एनका गे जॉनअः काको कजिअकदा ।

एनका ते : समा ते / बेगर गोनोङ ते ।
होड़ो एनका ते जॉनअः मुसिङ दङ को ओमेअ; जनव दो का ।

एनेः एनेः जोम : जोम इनुङ / इनुङ इनुङ जोम ।
एटअः निअः ओड़अः रे एनेः एनेः जोम दो सुकु गेअ ।

एयङ अबा : असराए । एंगा अपु ठहरव ।
सोंकोटो रे जाँय गेको एयङ अबाओःअ ।

एरङ जोम : एरङ अयुम / एरङ नम / कजि अयुम ।
दुतम कमि दो एनका गेअ । सेनोः हिजुः तेओ काबुअ; जोम नू तेओ, मेन्दो कमि कम ठउका ता रे बरन सअः ते रअः एरङ जोमोःअ ।

एरे लेल : सगुन लेल / होरा पड़ि लेल ।
कुड़ि लेल सेनोः तन रे का बइओः एरेको लेल जन रे होरा आते को रूड़ाअः, दुतमतनिः बारि हाल इदितुका मेन्तेए सेनोःअ ।

क

कजि पोसा : कजि एपेरङ ते इदि ।
केरेद् बेरेद् होड़ो कजि गेको पोसाअः ।

कजि ते परोमेन : बहानाए ।
लोंदोर पोंदोर होड़ो एनलोः गे कजिते को परोमेना ।

कजि बइ : (i) तुति लगव ।
कजि बइ होड़ोको जपअः रे का लंदाए होड़ोको लंदाएअ ।
(ii) कमि बइओः ।
टका हजुर रे का बइओः कजिओ बइओःअ ।
(iii) बहाना बइ ।
अड़िसा होड़ो, कजि बइ बेटेकन को जुगुतुएअ ।

कजि बदला : कजि लेआते रिंटि ।
बंड़िया एनलोः गे कजि को बदलाएअ ।

कजि मनतिङ : हुकुम मनतिङ / कजि अयुम ।
ओकोएअः बुलुङेम जोमतना; इनिअः कजि मनतिङ गे लगतिङा ।

कजि सेनोः : बदनामोः / सोरोदोः ।
बुगिन कजि आते एद्कन कजि पुरअः सेकेड़ा सेनोः अ ।

कजि रे सेनोः : कजि रे विश्वास / सलाह मनतिङ ।
अंव गे एटअः निअः कजि रे सेनोः का लगतिङा ।

कजि रे हिजुः : नेलेपे "कजि रे सेनोः" ।

कजि हुरङगिड़ि : कजि का मनतिङ / अनचु का मनतिङ ।
हकिमअः कजि हुरङगिड़ि का दड़िओःअ ।

कजि कटव : (i) तला रे टोकव / तला रे कुलि ।
जाँय जगर तन रे इनिः कजि कटव का लगतिङा ।
(ii) कजि का टोगोः / कजि तोरोड़ेंयओः ।
सिदा रे रोदे कजि कटवोः गेअ को मेनेअ ।

कजि का पचव : कजि उदुब् बियुर ।
कुड़िकोअः लाईः रे कजि का पचवोः अ ।

कजि का मनतिङ : हुकुम / अनचु का मनतिङ ।
ओड़अः रे कजि का मनतिङ होरा ते गे होन होपोन रे एपेरङोः अ ।

कजि-कुलि : दरियब् ।
बेगर कजि कुलि ते, नी हिजु:अ चि
हिनि: हिजु:अ मेन्ते ओकोए ड़ो: टोरएअ ।

कजि केसेद् : नेलेपे "कजि कटव"।

कजि रे आउ : राय रे आउ / सलाह रे आउ ।
नू जोम होड़ोको कजि रे आउ हंबल गेअ ।

कजि चुटि : कजि लो: गे / एन लो: गे ।
कजि चुटि मंडि का इसिनो: अ ।

कजि ते बुरु हंदिड़ि : बड़वरि जगर / फोर-फोर जगर ।

कजि ते बंदा तोल : नेलेपे "कजि ते बुरू हंदिड़ि" ।

कमि उदुब् : (i) कमि बतलव'
दसि कमिड़ि दो कमि उदुब् होबाओ:अ, अको ते काको मुंडिअ ।
(ii) कमि लेल रिका ।

कमि उड़ुङ : मतलब उड़ुङ ।
कमि उड़ुङजन ते जेताए काको पुछवो:अ ।

कमि ओम : कमि रे जोगवो: ।
चेचअ: जन रेओ लोट (नोट) कमि: ओमे गेअ ।

कमि रअ: : बेयोहार रअ: / मतलब रअ: ।
कमि रअ: जेतन जिनिस काको गिड़िअ ।

कमि रअ: जो : गरा / पाप, / मइन ।
एद्कन कमि रअ: जो मुसिङ कारे मुसिङ होड़ोए नमे गेअ ।

कमि पोसा : कमि संगि इदि ।
होन कमि गेको पोसाअ: ।

कटा सब् : छमा असि / माफी असि ।
गुनाकद होड़ो गे कटा को सबेअ ।

कटा सुबा सब : नेलेपे "कटा सब"।

कटा रे उयु:न : नेलेपे "कटा सब" ।

कटा सुबा रे उयु:न : नेलेपे "कटा सब"।

कटा सुबा रे : ठंव रे ।
गोनो:ए दो कटा सुबा रे गेअ ।

ग

गपअः दिन : गपाकोते / गपामन / गपा हुलङ ।
गपागअः दिन चिनअः होबाओः अ; ओकोए इतुअना ?

गपागअः दिन : नेलेपे "गपअः दिन"।

गराओः : पाप टोगोः ।
इतुअन ते एद्कन कमि अलोमअः कारे दो गरातेम गराओः गेअ ।

गरा कटव : (i) दंदरि ।
चा दअः रे बुलुङ दो गरा कटव गेको हेरेअ ।
(ii) ओंड़ा बइरुड़ा / ओंड़ा मेटव ।
बुइदि को कजिअ; गरा कटव मेन्ते, "गरा अना" (गेल मिद् गंडा) बुगिन उतर गेअ ।

गरा गोओः : जिमा आउ ।
नू जोम होड़ोकोअः गरा गोओः हंबल गेअ ।

गरा रे उयुगोः : बिड़व रे उयुगोः / टोगोः ।
मिसा मिसा गरा रे उयुगोः दिपिलि सेंड़ां अदोःअ ।

गव रे बुलुङ हेर : चेतन ते दुकु ओम / पोसा ।

गियुः जोम : गियुः रे टोगोः ।
होनको मेनअः ओड़अः समा तीम सेनाकन रे गियुःम जोमे गेअ ।

गियुः रिका : गियुः रे टोओः ।
लंबाएः लुंबुःइ होड़ो जाँतअः रेगे को गियुः रीकअः ।

गुन सेनोः : बोंडोः / ओवलोः ।
बंदुनुअकन दिपिलि जाँ कुला च बिङ जाँय गे गोएः किरे बंदुनुकेन होड़ोअः गुन सेनोःअ को मेनेअ ।

गुना हुमानि : गुना मनतिङ ।
ओको होड़ो अएअः गुनाए हुमानि जदा, इनिअः पाप छमाओः तना ।

गेलमा : घड़िमा / खनेमा ।

गेलेया : रकम रअः / नेअ हेना ।
कमि लंडिया ते होन गेलेया को सेंड़ांएअ ।

गोवा ओम : गोवा पेरेः ।
हकिम दुवर रे गोवा ओमको रेम्बेद् चपितन लेका को कुलिओःअ ।

गोटा दिसुम : गोटा दुनिया ।
मिद् बिता लाईः नगेन गे गोटा दिसुम दंड़ाओः तना ।

घ

घति मरा : अड़िसा / लंडिया ।
कमि दिन घति मरा होड़ोको पुचुकव बड़न गेअ ।

घात नम : समय नम / मोका नम ।
एरङ रअः घात नाम केरे; कुड़ि जति कोअः एरङ दो टोराकन गेअ ।

घात रे नम : ताका रे नम / मोका रे नम ।
घात रे नमकि होड़ो काको काएअ ।

घात रे : सोंकोटो रे / जरूड़ु रे ।
जाँनअः घात रे गे दङ अपासिओःअ ।

घड़िसा : खनेसा / घड़ि-घड़ि ।
मिसा करोअ जोमकेद् उरिः घड़िसा एनतअः गेको सेनोःअ ।

च

चतुर बइन : इतुअन बइन / सेंड़ांन बइन ।
मिसा-मिसा चतुर बइन होड़ोको बेदाओः अ ।

चुंदि लेका टुंडङः : अंडाएः अकरोः / तुंगुर मुंगुरोः / डाले कालेओः ।
एंगा अपु ते टुअर जन होनको चुंदि लेका को टुंडङा ।

चुंदि लेका गोजोः : सतापे ते गोजोः ।
एद्कनअः कमि होड़ोको चुंदि लेका को गोजोः अ ।

चद्लोम उदुब् : कमि गोड़ेः न ।

चटु लुंडिः जिमा : ओड़अः दुवर रअः जिमा ओम ।
होन किमिन दो मुसिङ कारे मुसिङ चटु लुंडिः जिमा गे होबाओःअ ।

होबाओः अ ।

चेतन लतर उड़ुः : उड़ुः बइ ।
मिसा चेतन लतर उड़ुः केआते गे जाँन कमि एटेः लगतिङा ।

ज

जतिओः : सोंगेओः ।
होन दो होनको लोः गेको जतिओः अ ।

जतिसेनोः : चिलानोः ।
चिपि गसर कोः ते कोड़ाकोअः जति चि सेनोः अ ?

जबान ओम : कजि एम / कजि ओम / करार ओम ।
जबान ओम रबाला, पुरव इसु हंबाला ।

जम्डा सेता : जोम मंडि ओतोङ होड़ो ।
बाला सका तअः जम्डा सेताको तेबअःए गेअ ।

जला बइ : हिड़ि / बेदा / धोखा ओम ।
डोंडो तेगे एटअः जति जला को बइजद् बुअ ।

जी एकेलाओ : जी किटिलोः ।
रिम्बिल सड़ि लेरे जी एकेलाओः अ ।

जी केटेः : सातिङ / जिरव ।
दिकु कुड़िकोअः जी रे जेतन केटेः बनोःअ, मिद् चोकोए हसु रेगे, हुलअः गुंगु लेका को रिकाना ।

जी आउ : गोएः ।
जी आउ का बुगिअ; गरा टोटोगा ।

जी सेनोंः : गोजोः / सयद् होकाओः ।
जोम सकम पुरवजन हुलङ जी सेनोः गेअ ।

जी जोगव : जी आड़ा ।
मनोअको रे लेका दो जन्तुको रे सेंड़ां बनोःअ; हड़म हुड़िङ लेका अकोअः जी जोगव रअः बारि सेंड़ांए

जी रे दो : ठोर हुंडि ।
तारा मारा होड़ो चिमतङ-चिमतङ रअ: खींसि जी रे को दोअकअ: ।

जी लाअ: : लेलेपे "जी केटे:" ।

जी हटिङ : जी ओम ।
टका पोएसा ओड़ो: ओते सान दङ हटिङ दड़िओ:अ, जेताए जी हटिङ काए दड़िओ:अ ।

जूला ओङ : इसिन बसङ ।
कुड़ि दो सेतअ: अयुब् जूला गेको ओङतना ।

जूला होरो : ओड़अ:ते का उड़ुङो: / ओड़अ: रअ: ओड़अ: रे गे तइनो: ।
जूला होरोजन होड़ो लंडिया को हेवओ:अ ।

जोमकेन कलु: रे इ:इ : बइमानो: ।
एद्कन होड़ोकोअ: चेतन रे विश्वास दो का लगतिङा ।
एनकन होड़ो जोमकेन कलु:रे इ:इ का उसुम दुरुम कोअ ।

जोम पोसा : लेलेपे "बोओ: पोसा" ।

जोम सकम : अरदा ।
जोम सकम टुंडुजन रे दो जाँ इमिनङ रानुन् रेओ गोगो: ए गेअ, जोम सकम रे ओलाकन इमिनङ गेबु जीदो: अ ।

ट

टका मरव : टका उकु हपे ।
चांइ टका मरव बेजंइञ् को जोरेअ ।

टका कमि : टका हुंडि ।
जी बुगिअंकन रे टका कमिओ: गेअ ।

टका दुल : टका एन्डअ: / टका गिड़ि ।
कचइरि रअ: कमि बेगर टका दुल ते का होबाओ: अ ।

टका पोटो: ए : टका पुंदियव / टका धकालुका / टका भेद ते असि ।
लेलेल मेद् ते सिपई टका को पो'टोएअ ।

ड

डंडअः उदुब् : दल एतेल ।
गड़ि डंडअः उदुब् ली रेए सुसुना ।

डंडी मरव : तुला रे उकु / तुला रे बेदा ।
बंड़िया जति डंडी मरव अलोम बतिरिअ कोअ ।

डटा उदुब् : रिसुड़ि / रेसेकेः । खींसि उदुब ।
खींसिअकन रे एनलोः गे गड़ि डटा को उदुबा ।

डुंडुः पोसा : जोम पोसा / जेतन कमि का पोकोतोए होड़ो ।
जोम नमोः तअः रे डुंडुः पोसा होड़ोको तेबअेंए गेअ ।

तनब् ते : अङओः ते / जनव हुलङ ।
बे'स आद् का बे'स दो तनब् ते जमानोः अकन गे तइना ।

तिसिङ चि गपा : चिमतङ / ओको इमतङ ।
तिसिङ चि गपा, मेद्बु जपिदेअ ओकोए इतुअना ?

तिलि : सूम / कुटु ।
तिलि सोबेन इमतङ बनोः आद् बनोः गेको मेनेअ ।

ती लगव : जाँन कमि एटेः ।
कमि दो ती लगव लेरे च चबाओःअ, दुबाकन तेदो काएअः ।

तीरे हिजुः : नमोः ।
कजि मेनेअः गेको कजिअ "टका दो ती रअः मइला तनअः ।" मेन्दो नेअ बरासंदे ती रे हिजुः अ ।

ती रअः दअः का हयदोः : कमि रअः कमि रेगे तइन ।
जरगि सा ओते पिड़ि कमितन कोअः ती रअः दअः का हयद् तना ।

ती रे : तबेर रे ।
गोनोःए आद् जिनिद् दो हड़मअः ती रेअ । इनिः चिल्काए सनङअ, एनका गे होबाओःअ ।

ती समाओः : टका पएसा बनोः तुकाओः / टका पएसा चबा तुकाओः ।
अचका ते ती समा कोः रे बेस का टोरोःअ ।

ती चलव : थबिड़ि / थुपियव ।
अंवगे जेतानिअः चेतन रे ती चलव का लगतिङा ।

तुम्बा हका : रेंगेगोः / कोंए असिबड़ा ।
का असुलोः सेंड़ा रेदो तुम्बा हका बोरसा गे ।

ती अतङ : असि ।
दंदा रे जांए तअः रे गे ती अतंओःअ ।

ती उयुः : थबिड़ि / थुपियव ।
दिकु सिपई एनलोः गे जांएअः चेतन रे ती को उयुःइअ ।

ती रअः हुमु : फालतू जिनिस ।
टका पोएसा दो ती रअः हुमु तनअः ।

तुति लगव : कजि जोटोः / अरगए ।
तुति लगव होड़ोको जपअः रे का लंदाए होड़ोको लंदाएअ ।

तुला रे जोम : तुला रे अदेर / ओजोन हुड़िङ उदुब् ।
बंड़िया जति जाँनअः तुला रेको जोमे गेअ ।

तुला रे उकु : नेलेपे "तुला रे जोम"।

द्र

दअः लेल रिका : दअः पसिंदि रिका ।
हसु रूवाजन रे बुइदि गे दअःए लेल रिकाओः तना ।

दअः नू केआते जति कुलि : तयोम सअः ते उड़ुः रूड़ा ।
दअः नू केआते जति कुलि समा गेअ ।

दअः अनु अनु ते दल : खूब दल ।
एद्कनअः कमि रे दअः अनु अनु तेको ददला ।

दअः सेंगेल लेल : सोबेन लेकाते तङओः ।
नाअः जुगु दअः सेंगेल लेलाकद होड़ो ओको सोंजोको तेगे को नमोःअ ।

दअः नू रिका : खबू गिड़ि ।
हड़द्-हड़द् तमकु टमुटि होड़ो दो दअः ए नू रीकाअः ।

दअः नू के लेका : सद्टा / रबलते / अलगाते ।
जेतन कमि दअः नू के लेका काएअः ।

दअः दल : इपअःए कोरे तइनोंः ।
कमि दिन दअः दल जन होड़ो काए असुलोः अ ।

दअः चबन : लोलोपोतोन । लुलु चुकुर चबन !
अचका ते टका पएसा नम ले चि होड़ोको दअः चबाना ।

दअः डुंडुः बगे : जोम नू को बगे हेरेङ ।
हसु रूवा जोराकन होड़ो दअः डुंडुः जकेद् को बगे गिड़िअ ।

दअः का पचव : जी का मनतिङ ।
एटअः निअः उकुता का जगर ले रे कुड़ि दअः काको पचवएअ ।

दअः लेका दुल : अंव गे टका खरचा ।
हकिम दुअर रअः कमि रे टका दअः लेका दुलो:अ ।

दपन : हेन्द बड़ान / बद्ते जपअः जपअः न / जपअः बियुरेन ।
कुटुम कुपुल रे दपन तयोमते एटअः गे कजि अयुमो:अ ।

दिन सेनोः : समय सेनोंः ।
जोम मेनअः रे दिन सेनोः तनअः का ठोरो:अ ।

दिन नड़ेगोः : गोजोः नेडा तेबागोः / अरदा पुरवोः ।
दिन नड़ेगाकन इमतङ होड़मो रे रकम रअः पोए अड़ुङो:अ ।

दिन पुराओः : अरदा पुराओः ।
दिन पुराव केआते गोजोः होड़ोअः तोपा गड़ा रे हसा का घटवो:अ को मेनेअ ।

दिन लेका : समय हिसब् / दिन लेल होरा ।
नेग नड़ेः तन रे होड़ो दिन गेको लेकाअः ।

दिन कटव : समय कटव / समय बितव / दिन हर ।
जोम बनोः रे दिन कटव हंबल गेअ ।

दिन पुरा : हजिरि पुरा / ढीला सिलि कमि ।
का लेल लेको रे नाला दिन पुरा को कमिअ ।

दिरिङओः : का बपइ / एपेरङ ।
हिरूम रे कुड़िको दिरिङओः गेअ ।

दिसुम लेल : दिसुम होनोर आउ ।
कमि नला बहना तेओ चिमिन-चिमिन होड़ो दिसुम लेलको सेनोः तना ।

दुअर तड़ोम तेअः : होनको ओमा कोअः ।
कुपुलोः सेनोः रे कुड़िको दुअर तड़ोम तेअः को इदि तोरसाए गेअ ।

दुअर रे दुब् : कोंए असि ।
घासि, बड़य ओड़ोः पेंड़ाय दुअर रेगे को दुबा ।

दुब तिंगुन : हिजुः सेनोः / आवाजाही ।
होड़ोको लोः दुब् तिंगुनो मियद् मरङ कमि गे ।

दुब् दुब् ते : बेगर कमि ते ।
जेतए दुब्-दुब् ते काको आसुला ।

दुसि लगव : चिटा ।
बेगर-बेगर रअः जेतए दुसि लगव का बुगिअ, एनका रे होड़ोको लोः एपेरङओः अ ।

न

नजरिओः : मेद् ओंड़ां टोगोः ।
बलेः होन सेकेड़ा को नजरिओः अ ।

नसिब रे ओलाकनअः : नसिब रे मेनअः तेअः / नसिब रअः ।
नसिब रे ओलाकनअः ते एटअः जेतानअः का होबा दड़िओःअ ।

निदा सिंगि : सोबेन इमतङ / सोबो दिपिलि ।
ने ओते दिसुम निदा सिंगि चरका लेका बियुर तना ।

निरते होरा दंड़ा : बोरो ते नेते हेनूते हेता बड़ाए ।
अचका ते कुलाम सेन तुरूब् तइरे निरते होरा दंड़ा बड़ाओःअ ।

निरते होरा अद् : दंदा पंदा रे टोगोः ।
मिसा तोरसा किटिल कोओः रे निरते होरा अदोःअ ।

नुनुतन होन : नेलेपे "हेबे रेन होन"।

नुतुमोः : नामिओः / नुतुम गिड़िओः ।
एद्कन होड़ो आते बुगिन होड़ो गे पुरअः को नुतुमोः अ ।

नुतुम ते : नुतुम सब् केआते ।
मुण्डाको गोङजन कुड़िको कोड़ाअः हतु रे नुतुम ते काको रअः कोअ मेनूदो अकोअः अपुकोअः हतु रअः नुतुम तेगे को रअः कोअ ।

नुतुम रअः : दंदारि ।
बोंगा दो नुतुम रअः गे दङ बोंगाओः तना; जिलु दो बोंगा काए जोमेअ ।

प

पड़ि हल : पड़ि रूड़ा / बदला आउ ।
दिकु रड़िको रे पड़ि हल खूब मेनअः ।

परकोम होरो : रोगो ते लटाओः / परकोम आते बिरिद्बड़ा का दड़ि ।

पुंडि सदोम रे देएः : नू बुलेन ।

: पुंडि सदोम रे देएः अकन इमतङ हड़मको जेअःगै को जगरएअ ।

पुरना सेंड़ा : सिदा को रअः सेंड़ां / मरि सेंड़ां ।
तारामारा होड़ोको तअःरे नाअःओ पुरना सेंड़ाको मेनअः गेअ ।

पेड़ेः उकु : पेड़ेः बंचव ।
पेड़ेः उकु होड़ोको लोओः कमि का सुकुअ; कमि हंबल को अटकर के चि को घसकवना ।

पेड़ेः बयरव : पेड़ेः अंदाज / पेड़ेः परखव ।

पेड़ेः मरव : पेड़ेः रेएः ।

फांकी मरव : इपअः को रे तइन / दअः दल ।

बकंड़ा कोटोङ : कजि कोटोङ ।
मिसा-मिसा बकंड़ा कोटोङ ते कजिको रिड़िङोःअ ।

बलेःन : अजुड़ियन ।
लोओः लोओः केको रे होन पुरअः गेको बलेः ना ।

बइन : सिंगरेन ।
अड़ंदि बाला तअः सेनोः दिपिलि कुड़ि बेटेकन को बइना ।

बलु बइन : बलुतनिः बइन / डोंडो बइन ।
मिसा-मिसा सबोः रअः बोरो ते, होड़ो गोएः होड़ो बलु गेको बइना ।

बलु बइ : डोंडो बइ ।

बसङ दअः सिंगि : अयुब् जुलु जुपु ।
मरंगहादा ते अंड़ेः तरसिङ उड़ुङ कोः रे राँची बसङ दअः सिंगि एनङ तेबगोः अ ।

बर जीओः : भरति होड़मोः ।
कुड़िको बर जीअकन रे हड़द् रानु काको ओमाकोअ ।

बरिया डोंगा रे देएः : मिसाते बरिया कमि रिका ।

बिङ उन्डु रे ती सुः : सोंकोटो रे टोओः न ।
कुला लता रे बोलो दो बिङ उन्डु रे ती सुः बराबरिः गेअ ।

बिसि जोओः : मोंतोर ते बिसि जोओः गिड़ि ।
हुअः केन बिङ गोएः जन रे, जॉ इमिनङ जोओःए रेओः बिसि का उड़ुङोःअ को मेनेअ ।

बितर मोनते : सुकु जी ते ।
हंड़ाजन कुड़ि बितर मोन ते काको जगरा ।

बुगिन ओड़अः : लइकि ओड़अः ।
नाअः जुगु बुगिन ओड़अः सोंजोको तेगे नमोःअ ।

बुरू दुपिल : हंबल भारोम ते तेनाकन लेका ठोरे ।
चिउलाओ मपरङ दुनुब्को रे का जगराकद होड़ो अचकाते जगर रिका तइरे, बुरू दुपिलाकद् लेकाए ठोरएअ ।

बेएः दअः जल रूड़ा : कजि लेआते रिंटि ।
एद्कन होड़ो बेएः दअः जल रूड़ा का गियुः कोअ ।

बेगर दअः ते होयो : सोजते होसड़ो ।
एटअः जति होड़ोको बेगर दअःते होयो का उसुम-दुरूम कोअ ।

बेगर पेंदा रअः लोटा : चलअः चुलुः होड़ो ।
नू जोम होड़ोको दो बेगर पेंदा रअः लोटा गे मेताकोम, कोते गे जोम नू को नमेअ एन तेगे को मुलिना ।

बेगर बुसुः ते मोओः : नेलेपे "बेगर दअः ते होयो"।

बेयना ओम : ददिनि ओम ।
सिदा गोनोङ को टोटअः एअ, एन तयोमते बेयना को ओमाकोअ ।

बेहिसाब् : (i) हिसाब आते लाअः / हिसाब आते परोम / अथाउड़िया ।
बिरसा बोंगा मनतिङ तन कोअः ओड़अः रे उरिः मेरोम बेहिसाब को पोसाओःअः मेन्दो एन ओड़अः रेन होनको काको टेकाओःअ ।

कुड़ि दोको उंगुद् उतरेना ।

बोओः तिरूबोः : गियुगोः ।
एद्कन कमि रे सबुति जन होड़ोअः बोओः अए:तेगे तिरूबोःअ ।

बोओः पोसा : जेतन कमि का पोकोतोए होड़ो ।
जोम मंडि अगम केरे; बोओः पोसा होड़ोको एनतअः को तेबअः ए गेअ ।

बोओः सेनोः : जी सेनोः / गोजोः ।

म

मजा मरव : सुकु रे तइन ।
पुरअः मजा मरवजन होड़ो ओलपढ़व काको टो:एअ ।

मतलब दो : सम्बंध दो / दुब् जारू ।
हिसाब बारि गे टमुटि होड़ोको लोः मतलब दो लगतिङा ।

ममु ओड़अः : जेल ओड़अः ।
ओकोए ममु ओड़अः मेन लेरे काए बोरोएअ ?

मयङ पेटेगोः : खरचा ते नरा दुराओः / रेंगेगोः ।
मिसा हकिम दुअर थेगा केद् होड़ोअः मयङ पेटेः ते पेटेगोः गेअ ।

मयङ सोजे : सुसताओन / रूडुन ।
तिकिन सिंगि मिसा रेओ मयङ सो' जे लेगे अंङगवा ।

मरव : कुम्बुड़ ।
कुम्बुड़ जति एटअः निअः टका मरव मेनूते घात गेको लेला ।

मरङअः : उरिः जिलु / जिलिङ चद्लोम ।
हेवाकन जी मरङअः जोम लेगे मोनेअ ।

मरङएन : मरङ बइन / मरङ उदुबेन ।
होड़ो मरङएन बेटेकन सुकु कोअ ।

मरङ कजि : गोनोङअन कजि / असल कजि ।

मरङ कमि : गोनोङअन कमि / असल कमि ।
कुटुम कुपुलको लो: दुब् तिंगुनों मियद् मरङ कमि गे ।

मरङ जी : जी लाअ: / सातिङ ।
सोबेन होड़ो रे मरङ जी का तइना ।

मरङ तिलि : केन्टेद सूम होड़ो ।
मेनअ: तेओ: बनो: गे मेने होड़ो दो मरङ तिलि गे मेताइमे ।

मरङ बइन : नेलेपे "मरङएन" ।

मरङ मोचा : एरङ / एगेर ।
होड़ो मरङ मोचा ते दङको खदरवो:अ, कुलि ते ओकोए खदरवो:अ ।

मरङ होड़ो : (i) हति ।
मरङ होड़ो जेतए काए बोरोअ कोअ ।
(ii) सयोब् ।
मरङ होड़ोकोअ: कजि गे जुदाअ:, इनकुअ: दो एरङओ रानु गे ।

मिद् गे : से गे / बराबरि: गे ।
सोबेन मिद् गे काबु जीअकना ।

मिद् टुङ कजि : हुड़िङ हुड़िङ कजि ।
मिद टुङ कजि गे मिसा मिसा बिङ बिसिओ:अ ।

मिद् मयोमो: : हगेयाओ: / बोकोबोयाओ: / उन्डि बोयाओ: ।
मुण्डाकोअ: दस्तुर लेकाते मिद् मयोमो: कोड़ा होन ओड़ो: कुड़ि होनअ: अड़ंदि का होबा दड़िओ: अ ।

मिद् मोचा : (i) जेतानअ: का कजि ।
एटअ: निअ: होन मिद् मोचा कजिओ दुरूअ गेअ ।

मिसा गे : मिसाते मिसा गे ।
जोनोम ओड़ो: गोनो:ए सोबेन कोअ: मिसा गेअ ।

मिसा-मिसा : अचका अचका ।
सिङ होड़ोको लेकागे नगुरिको मिसा-मिसा काका को मेन्ते नाता काको सबेअ ।

मुंडि नम : भेद नम / सेंड़ां नम ।
असम रेओ मुंडि नमाकद् को दो बुगिन गेको असुल तना ।

मुंडि का नम : सेंड़ां का उड़ु: तेबअ: ।
दुकु जन रे मुंडि का नमो: अ ।

मुसिङअः दिन : जाँ मुसिङ / मुसिङ कारे मुसिङ / मुसिङ बनोः मुसिङ ।
बोरो जदिओः मुसिङअः दिनए गोजोः गेअ; का बोरो जदिओः ए गोजोः गेअ ।

मेद् अदोः : का लेले । दुरुः दुरुगो : ।
तारामारा हड़म बुड़ियाको लेलाकना, तकवजन चि, मेद् कों अदोःअ ।

मेद् अङ : मेद्ते अङ । दुब्ते अङ ।
छो लेलको गोटा निदा को मेद् अङएअ आद् सिंगि दो हपुः लेका को गितिःअ ।

मेद् ओटअः : मेद् अरिद् ।
कुलय को गितिः दुड़ुमाकन रे मेद् को ओटअः कअः ।

मेद् चुबअः : गुसू / नजराना ।
हेवाकन होड़ो मेद् चुबअः काते जेतन कमि काकोअः ।

मेद् जपिदोः : (i) दुड़ुमोः / दुड़ुम उड़ुङओः ।
लगाकन रे अएः तेगे मेद् जपिदोः अ ।
(ii) गोजोः ।
अउरि मेद् जपिदोः सन्ते कमि का चबाओःअ ।

मेद् जपिद् केआते : बेगर उड़ुः विचार ते जाँनअः कमि ।
जाँन कमि जेतन कमि मेद् जपिद् केआते का ऐटेः लगतिङा ।

मेद् ते : मेद् रअः होराते ।
असल रे पीटि मेद् ते का लेलोःअ । लेल लेदाइञ मेन्ते कजि गे कजि हेवाकना ।

मेद् मेनअः ते जाला बइनः बद्ते का लेल बइन ।
चिटाड़ां होड़ोको दो जउगे मेद् मेनअः ते जाला गेको बइना ।

मेद् रे दुड़ा हेर : होसड़ो / बेदा ।
एंगा अपुकोअः मेद् रे दुड़ा हेर का लगतिङा । एनका रे अपनअः गे हरजा सेनोःअ ।

मेद् लुतुरोः : सेंड़ाओः ।
इलि अरकिजन होड़ो काको मेद् लुतुरोःअ ।

मेद् लेपेल रे : होड़मो ते ।
होड़ो आद् होड़ो सोबेन दङ मेद् लेपेल रे बुगिन गेबु लेलो:अ; मेन्दो ओकोएअ: जी रे चनअ: मेनअ: ओकोए इतुअना ।

मोचा उकु : असि गियु:न / कजि गियु:न / मोचा का ओटअ: ।
कुपुलको तअ: रे मिसा-मिसा होड़ो मोचा को उकु बड़ाएअ ।

मोचा उदुब् : दुंदुर ।
मपरङको लो: मोचा उदुब् बेस का टोंरो:अ ।

मोचा एटअ: : कजि बदला ।
बड़िंया एन लो: गे मोचा को एटअ:एअ ।

मोचा ओटअ: : कजि ।
एटअ: जति मोचा ओटअ: काको हेड़ाएअ ।

मोचा चलव : (i) दपर दड़ि / कपजि ।
गुनाका रेओ, का गुनाका रेओ; मपरङ होड़ोको लो: मोचा चवल का लगतिङा ।
(ii) जोम
सोबेनअ: लगा गेअ मेन्दो मोचा चलव का लगअ: ।

मोचा ते उलिदअ: उयुगो: : जोम हया ।
जोजो लेल लेरे मोचा ते उलिदअ: अए:तेगे उयुगो: अ ।

मोचा बइ : गेरोमेरो: / मोचा लेचो: ।
हुपुड़ि-हुपुड़ि कजि रेगे होनकोअ: मोचा बइओ: अ ।

मोचा रअ: जिलु : नमाकद जिनिस । होपोराकद् जोम सकम ।
दिकु राड़ि मोचा रअ: जिलु को रेए: जद् बुअ ।

मोचा रे : ठंव रे ।
मोचा रे कजिअ: सुकुअ; देअ रे कजिअ: हसु गेअ ।

मोलोङ रे : बोओ: रे ।
कोड़ा कोअ: खींसि एनलो: गे मोलोङ रे रकाबा ।

मंडि का पचव : जी का मनतिङ ।
उकुता का जगर लेरे कुड़िकोअ: लाई: रे मंडि का पचावो:अ ।

रंग बदिलि : एटअः सेंड़ाए ।
एद्कन होड़ो एनलोः गे टेटेंगा लेका रंग को बदिलिअ ।

रअः ते बकिड़िन : रअः ते आड़न ।
सेंड़ां सब होन रअः तेगे को बकिड़िना ।

रचा तड़ोम तेअः : ओमेअः च जोमेअः ।
कुपुलोः सेनोः रे कुड़िको रचा तड़ोम तेअः को इदि तोरसाए गेअ ।

रानु अयुम : रानु रअः असर टोगोः ।
गरा कटव ले रे एनङ रानु सेकेड़ाए आयुमा ।

रानु का अयुम : रानु का गुनोः ।
केनेसेद् मेनअः रे च गरा अउरि कटावोए बारि दो रानु गे काए आयुमा ।

रासुंड़ि कोटेः : बख्खेड़ा लगव ।
हातु रे मियद्-मियद् रासुंड़ि कोटेः को उड़ुडोः गेअ ।

रिंड़ि सोंङ : रिंड़ि ओम ।
बंड़ा बुचा होड़ोको रिंड़ि सोङ बोरो गेअ ।

रिड़ि हल : (i) देन ओम रूड़ा / कड़ि ओम पेरेः ।
रिंड़ि आउ रबाला, हल इसु हंबाला ।
(ii) पड़ि हल ।
एटअः जति रिंड़ि हल का उसुम् दुरुम कोअ ।

रूपा सार ते तुइञ् : गूसु ओम ।
मरङ ते मरङ होड़ो, रूपा सार ते तुइञ् कीरेए काबुगिड़िओःअ ।

रूवा बइन : रूवातनिः बइन / रूवा रअः बानाए ।
तारामारा होड़ो कमि बोरोते रूवा को बइना ।

रेंगेः आड़ा : रेंगेः मेटव ।
रेंगेः आ'ड़ा जाँनअः गे जोमोः अ ।

रेम्बेद् चपितन लेका कुलि : उटिसुटितन कुलि / तारा अतोम आते कुलि ।
हकिम दुअर रे गोवाको रेम्बेद् चपितन लेका को कुलिओःअ ।

रोका कमि : टमुटि कमि / अचका कमि ।
रोका कमि पुरअः गे लगअः ।

रोका कुलाओः : टमुटिओः / रोका तोकाओः / तबतुकड़ाओः / अचकाओः ।
रोका कुलाओः निः मुकुड़ि रेगेःए लेल उरूमोःअ ।

रोका-लाईः : जनव हुलङ रअः आर ।
रेंगेः रबङ होड़ोको रोका लाईः चलव काको दड़ितना ।

रोका सेंड़ां : उलबुदिया सेंड़ा / नवा सेड़ां / टमुटि सेंड़ा ।
तरद् तुरूद् होड़ोको रोका सेंड़ा तेगे को दपाला ।

रोग हर : (i) रोग मेटव / दंदरि ।
रोग हर मेने रेओ नाता दो सबोः तन गेअ ।
(ii) रोग बोंगा हरगिड़ि ।
रोग हर तन को दो कुड़िको गे, कोड़ाको दो का ।

रोड़ो मुटु : नयल ।
कुड़िको रोड़ो मुटु जुटिद् को मनाकना ।

रोड़ो मुटु ओतोङ : सियुः ।
कुड़िको रोड़ो मुटु ओतोङ का बइओःअ को मेनेअ ।

ल

लंडिया सेंड़ां : अड़िसा सेंड़ा ।
पुरअः ते होड़ोको लंडिया सेंड़ां तेगे को रेंगेः तना ।

लंदा उड़ुडोः : लंदाओः ।
लाईः पेरेः अकन रेगे लंदाओ उड़ुडोःअ ।

लगा मेटव : लगा हर ।
इलि दो होड़ोको लगा मेटव मेनूते गेको नूतना ।

लाईः असुल : लाईः चलव ।
होड़ो लाईः असुल मेनूते गे दिसुम दिसुम को दंड़ाजदा ।

लाईः रे दअः का पचवः हपेअकन का तइ दड़िअ ।
उकुता जगर काते कुड़ि कोअः लाईः रे दअः का पचवोःअ ।

लाईः रे कजि का पचवः कजि बेगर उदुब् ते का तइ दड़िअ ।
कुड़िकोअः लाईः रे कजि का पचवोःअ ।

लाईः रे चुटुको पइकिन : रेंगेः जी रे अटकारोः ।
सिंगि तिकिनोः लोः गे लाईः रे चुटुको पइकिना ।

लाईः लेल : लाईः उड़ुः ।
दिसुम रे निमतङ होड़ो अपनअः लाईः गेको लेलतना ।

लाईः हद् : आर घटव ।
टका पएसा दो लाईः हद् केआते एनङ जोगवोःअ ।

लिखन तेबगोः : अरदा पुरवोः ।
जाँ इमिनङ रानुइ रेओ लिखन तेबअः जन रे होड़ोए गोजोः गेअ ।

लिखन रअः कजि : ओनोल रे मेनअः कजि / नसिब रअः कजि ।
अबुअः सनङ लेका दुकु रे जेताए काए हिरा दड़िओःअ, ओड़ोः गोएः जनिः हसाओ काए ओम दड़िओः अ ।
एना दो लिखन रअः कजि दङ ।

लिखन रे : ओनोल रे ।
जे लेका लिखन रे मेनअः, से लेका होबाओः गेअ ।

लेखा आउ : हिसब् आउ ।
सिरमा रेनिः सोबेन कोअः बुगिन ओड़ोः एद्कन कमिः ओलजदा; गोएः जनते एना रअः लेखाए आउ बुअ ।

लेलेल मेद् रे : मेद् सनमङ रे ।
सिपइको लेलेल मेद् रेओ टका पोटोए का उसुम-दुरूम कोअ ।

लेल होरा : तंगि / होरा लेल ।

सकम पोसा : लेका पोसा / जेतन कमि रे का जोगओः जिउ च जिनिस ।
अडंदि बाला तअः सकम पोसा होड़ोको तेबअः ए गेअ ।

समा : (i) इपअः ए ।
बोरो समा गेअ; जे होबाओःअ दो होबाओः गेअ ।
(ii) कजि मेनेअः गे / दंदारि ।
नाअः जुगु दंगड़ाको समा गेअ, हड़म को इदिर कमि काको जोरेअ ।

समा ते : सिथि ते / एनका ते ।
सेंड़ां समा ते का नमोःअ ।

समा रअः : इपअःए रअः / बेगर रअः / पव रअः ।
समा रअः गे दङ बिरबु बोरोअः, कुला दो मंडि चटुरीः गेअ ।

समा-समा रअः : इपअःए-इपअःए रअः / बेगर-बेगर रअः / पव-पव रअः ।
समा-समा रअः एपेरङ कपजि का बेसेअ ।

समा कटा : इपअःए कटा / बेगर करपा ते ।
तिकिन सिंगि समा कटा का सेनोःअ ।

समा ती : इपअःए ती ।
समा ती गेबु हिजुः लेना ओड़ोः समा ती गेबु सेनोः रूवड़अः ।

समा तीओः : टका पएसा बनोः तुकाओः / चबा तुकाओः / टुंडु तुकाओः ।
समा तीओः बेस का ठोरोः अ ।

समा लाईः : समाते / बेगर जोमते ।
समा लाईः लंदाओः का उड़ुङोःअ ।

समय कटव : समय बितव ।
जोम बनोंः रे समय कटव हंबल गेअ ।

समय सेनोः : हड़मोः / उमर सेनोः ।
समय सेनोः तन रे पेड़ेगो घटावोःअ ।

सयद् मेनअः बारि : जीद्तन बारि / सयद् सेसेनतन बारि ।
ने ओते दिसुम रे सोबेन सयद् मेनअः बारि गेबु तइना ।

सय ते अरिद् / लेल : खींसि ते अरिद् / लेल ।

सय ते कोसे ते लेल : खींसि ते लेल ।
हिरूम रे कुड़िको सयते कोसेते गे को लेपेला ।

सय मेद् कोसे मेद् ते लेपेल : खींसि ते लेपेल ।
हिरूम रे कुड़िको सयमेद् कोसे मेद् तेगे को लेपेला ।

सवङ उकु : पेड़ेः उकु । पेड़ेः बंचव ।
सवङ उकुए होड़ोको जेता रे काको असुलोःअ ।

ससङ गोसो : ससङ लगव ।
दस्तुर लेकाते अड़ंदिओः सिदा रे कोनेया बोरकिङ ससङ को गोसोः किना ।

सदोम सम्पोड़ो : सम्पोड़ोन रे समा रअः समय सेनोः रिका ।
अड़ंदि बाला तअः को सेनोः रे कुड़ि सदोम सम्पोड़ो को सम्पोड़ोना ।

सिंगि इपिलको लेलोः : तिरमिराओः / जंय मरावोः / मेद् नुबअः कुलोः ।
बरसिङ लेका दअः डुंडुः का टोओः कोओः रे सिंगिओ इपिलको लेलोःअ ।

सिटिया बइन : अजुंड़िअन ।
तारामारा होड़ो मरङ मरङ सिटिया को बइना ।

सिरमा रेन इपिलको लेका : उड़ुःते सिरमा सअः अरिद् / संगिल ।
दुकुजन दिपिलि सिरमा रेन इपिलोको लेकाओः अ ।

सुनुम मरव : सुनुम इसिन ।
रानु सुनुम को मरवएअ ।

सेंगेल असि हिजुः : एनलोः गे रूड़ा ।
कुपुलोः सेनाकन रे सेंगेल असि हिजुगाकन होड़ो लेका का रूड़ाओःअ ।

सेंड़ा अद् : मुंडि अद् ।
सोंकोटो रे सेंड़ां गे अदोःअ ।

सेंड़ा बइन : चतुर बइन / होशियार बइन / चंइतर बइन ।
दिकु बेटेकन सेंड़ांको बइना ।

सेंड़ा रेएः : भेद् आउ ।
दिकु सिपइ किसिम ते सेंड़ाको रेरेः अ ।

सेंड़ा सब् : अड़िसन / लंडिअन / पंचालेन ।
सेंड़ां सब् उरिः सियुः काको सेनेअ ।

सेता लेका गोजोः : बेजइञ् / बेटेकन / ओड़ेतन सतापे ते गोजोः ।
एद्कन होड़ोको सेता लेका को गोजोः अ ।

सेता लेका बुः : बड़बड़ाओन / बकबकाओन ।
इलि नूअकद् होड़ो सेता लेका को बुःएअ ।

से गे : मिद् बराबरिः / मिद् लेका ।
सोबेन इमतङ समय से गे का तइना ।

ह

हक मरव : हक रेएः ।
एद्कन होड़ो, एटअः निअः हक मरव का गियुः कोअ ।

हति डुरि रे सेता बुःए लेका : कजि का अयुम ।
लंडिया होड़ोको कमि अचु दो, हति डुरि रे सेता बुःए लेका गेअ ।

हजिरि पुरा : डिला सिला कमि ।
नलाको का लेल लेको रे हजिरि पुरा गेको कमिअ ।

हिसब दअः : लेका दअः / ने'ग दअः / नाता दअः ।
मंगे डुंडु, सरजोम जरोम दअः, उयुः दअः, रो'आ जरगि, इदिं बयर सोया दअः, ओड़ोः केड़ा मयोम चपिदअः, हिसब् दअः कजिओः तना ।

हुड़िङ जीओः : उदासोः / हदियवोः ।
हसुतन होड़ो काए बुगिओःअ मेन्ते बुइदि चिउलाओः काए कजिअ, एनका रे ओड़अः रेनको हुड़िङ जीओः अ ।

हुड़िङ जीन् : उदासेन / हदियवोन ।
पुरअः सा होड़ोको एपेरङ-एपेरङ लोः गेको हुड़िङ जीना ।

हुलअः गुंगु लेका रिकान : लुलुमपुरेन / लुलुलुलुन ।
दिकु जति मोद् चोकोए दुकु रेगे हुलअः गुंगु लेका को रिकाना ।

हुलअः गुंगुन : लेलेपे "हुलअः गुंगु लेका रिकान"।

हुकुम ओम : हुकुम चलव / अचु ।
नाअः जुगु होड़ोको हुकुम ओम का रबाला ।

हुकुम मनतिङ : अनाचु मनतिङ ।
(i) जे लेका हकिमअः हुकुम होबाओःअ, एनादो मनतिङ लेरे एनङ बइओःअ ।
(ii) गोओः भारोम ओड़ोः सियुः चलु आते एटअः निअः हुकुम मनतिङ पुरअः गे हंबला ।

हेबे रेन होन : हुड़िङ होन / डेले होन / बलेः होन ।

होड़ो कजि सेता बुः : समा रअः कजि / कजि चल कजि ।
होड़ोको कुलाओःअ एनादो होड़ो कजि सेता बुःगे, जेताए दङ होड़ो कुलाओः तन कबु लेलाकद् कोअ ।

होटोः रे हका : दपा / बद्ते ओम ।
कुड़िहोन अंवगे ओकोएअः होटोः रेम हकाइअ, अउरि को असि बारि दो ।

होयो दअः टोगोः : संगति रअः असर टोगोः ।
शहर रअः होयो दअः टोओः जन होड़ो हातु रूड़ा काको मोनेअ ।

होयो सअः मोचा : बेगर जोमते तइन / समा लाईः तइन ।
जेतए होयो सअः मोचा केआते काए तइ दड़िअः ।

होरा बगड़व : सोरोदेन ।
(i) मिसा होरा बगड़व जन रे एना बइ रूड़ा इसु हंबाला ।
(ii) हड़म को कजिअः होरा मिसा रेगे काको बगड़वएअ ।

होला गपा रेन होन : हुड़िङ दिन रेन होन / बलु होन ।
होला गपा रेन होन ओकोए बोरोअइअ ।

कजि रअः जुगुतुको

कहावत

1. अपनअः रचा दुअर रे सेताओ कुला गे : जगा जइन सोबेनिः को पेड़ेगोःअ ।
2. अपिर तन चेंड़े कुदव : दड़ितनको लोः जोकन ।
3. अपनअः रचा दुअर रे एंगा सिमोको सोदअः : ने० अपनअः रचा दुअर रे सेताओ कुला गे"
4. अरेः चनल दअः चि कजि चनल कजि : उकुता कजि / जगर ।
5. अमअः रचा सिदा जोओः लेम एनाते एटअः निअः : अपनअः गलति सिदा लेल लगतिङा एनाते एटअः निअः ।
6. असि उरिअः डाटा लेका : सिथि ते नमाकनअः सला ।
7. ओकोएअः बुलुङेम जोमतना, इनिअः हुकुम मनतिङ । : गोमकेकोअः कजि अयुम/मनतिङ ।
8. ओते मरचाओःअ लाईः का मरचाओःअ : रेंगेः का सातिङोःअ ।
9. अयुब् रेन कुपुल काए सेनोःअ : अयुब् दअः गमा एटेःकेरे काए होका बाअः एअ ।
10. असि उतु गे सिबिला : इपअःए ते नमोःअ बुगिन गे अटकरोःअ ।
11. इनिअः हातु नारे कातु मेनअः : जलमकोलद् होड़ो ।
12. परकासअः दुबाकनते डेला दंड़ा : तबुतुकड़न ।
13. एटअः निअः केड़ा मयोम अतङ : शाह ओम ।
14. एटअः निअः बोओः रेन सिकु सेकेड़ाए लेलोःअ : दुसि एटअः निअः सेकेड़ा लेलोःअ ।
15. एटअः निअः सदोम रे देएः दो सुकु गेअ : एटअः निअः चीजि कमि रे आगु सुकु गेअ ।
16. एटअः निअः देअ रे गुगुचुः : एटअः निअः बोरसा रे तइन ।
17. कजि रबल तना, कमि दो का : उपदेश ओम रबाला, कमि दो का ।
18. कमि रबल रेदो जोमो रबाला : कमि जइन गे नला नमोःअ ।
19. करेन्चा गोजोःरे हातु सअः तेगेए निर आउइअ : दंदा रे सेंड़ा अदोःअ ।

20. कमि रे दोम जोमेअ कारे दोम गुमेअ : बेगर कमि ते जोम का नमो:अ ।
21. करकद् रे कारे चि कचरा रे : होन हुड़िङ रे बुजव रबाला मरङ जनते काको बुजवो:अ ।
22. कटा रअ: पगा होटो: ते रकब् : सजाइ पोसाए ।
23. कजि चुटि मंडि का इसिनो:अ : कजि लो: गे जेतन कमि का होबाओ:अ ।
24. कुलय इ: तेए पसेना, होड़ो होन कजि तेए पसेना । : अपनअ: ओंड़ा कजि कमि तेगे होड़ोको पसेओ:अ ।
25. कुला निर जनते कपि हुरला : बड़वरिन ।
26. कुला लता रे कुला सेंदरा : डीढ़ि रअ: कमि ।
27. कुला होन कुला गे, तुयु होन तुयु गे : चिल्का अपु एनका होन ।
28. कुला लेलकि ते हके डंडोम : सोंकोटो तेनेबअ: रे तबतुकड़न ।
29. कुड़ि संगि ओड़अ: रेन कोड़ा चि कोड़ा संगि ओड़अ: रेन उरिम ठोरतदा । : कमि लेपेल ।
30. कुमा केटे: चि हगा बोरोड़ो : गेड़े होन मेन्ते हगाको आते कुमाको गे केटे: को कजिओ: तना ।
31. कुड़म रे थेगा कि आते लेए: थाउइ : जबरइ ते असि ।
32. कुड़िद् हड़गुन रे दुम्बुइ हउरे गेअ : सोंकोटो रे नोकोसान होबाओ:गेअ ।
33. गव रे रोकोको दुब् गेअ : गोपो:ए जन तअ: सिपइको तेबअ:ए गेअ ।
34. गइको होरा पुरअ: संगिन ओतोङ का लगतिङा । : कुड़ि होनकोअ: गुना पिचा पुरअ: का लगतिङा ।
35. गुरि: ते बइओ:तेअ: रे गुड़ लगव : एनकाते बइओ: कमि रे टका लगव ।
36. गुनाए गुनाए दो सौ टका रअ: गुनाएपे: : जांन कमि रिकाए रिकाए दो पुरा रिकाए लगतिङा ।
37. गुड़ा पुसि:जनते हसु रिड़िङो:गेंअ : मतलब उडुङजन चि होड़ोको रीड़िङ अ ।
38. गोनो:ए ठाँव रे गेअ : गोनो:ए जपअ: रे गेअ ।
39. चिल्का गुरु एनका चेला : गुरु जइन गे चेलाको बइओ:अ ।
40. चिल्का राजा एनका परजा : राजा जइन गे इनिअ: परजाको तइना ।
41. चु: बुलुङ गे उसुरा : सवदा ओम ओड़ो:एअ: तेगे जी खतिर ठोरो:अ ।

कहावत

1. अपनअः रचा दुअर रे सेताओ कुला गे : जगा जइन सोबेनिः को पेड़ेगोःअ ।
2. अपिर तन चेंड़े कुदव : दड़ितनको लोः जोकन ।
3. अपनअः रचा दुअर रे एंगा सिमोको सोदअः : ने० अपनअः रचा दुअर रे सेताओ कुला गे"
4. अरेः चनल दअः चि कजि चनल कजि : उकुता कजि / जगर ।
5. अमअः रचा सिदा जोओः लेम एनाते एटअः निअः : अपनअः गलति सिदा लेल लगतिङा एनाते एटअः निअः ।
6. असि उरिअः डाटा लेका : सिथि ते नमाकनअः सला ।
7. ओकोएअः बुलुङेम जोमतना, इनिअः हुकुम मनतिङ । : गोमकेकोअः कजि अयुम/मनतिङ ।
8. ओते मरचाओःअ लाईः का मरचाओःअ : रेंगेः का सातिङोःअ ।
9. अयुब् रेन कुपुल काए सेनोःअ : अयुब् दअः गमा एटेःकेरे काए होका बाअः एअ ।
10. असि उतु गे सिबिला : इपअःए ते नमोःअ बुगिन गे अटकरोःअ ।
11. इनिअः हातु नारे कातु मेनअः : जलमकोलद् होड़ो ।
12. परकासअः दुबाकनते डेला दंड़ा : तब्तुकड़न ।
13. एटअः निअः केड़ा मयोम अतङ : शाह ओम ।
14. एटअः निअः बोओः रेन सिकु सेकेड़ाए लेलोःअ : दुसि एटअः निअः सेकेड़ा लेलोःअ ।
15. एटअः निअः सदोम रे देएः दो सुकु गेअ : एटअः निअः चीजि कमि रे आगु सुकु गेअ ।
16. एटअः निअः देअ रे गुगुचुः : एटअः निअः बोरसा रे तइन ।
17. कजि रबल तना, कमि दो का : उपदेश ओम रबाला, कमि दो का ।
18. कमि रबल रेदो जोमो रबाला : कमि जइन गे नला नमोःअ ।
19. करेन्चा गोजोःरे हातु सअः तेगेए निर आउइअ : दंदा रे सेंड़ा अदोःअ ।

जाकाआःअ ।

62. बुरू लेका गुना केआते चुपद् रे दनङेन : समा रे बंचवोन होराको दंड़ा ।

63. बुगिन सकम रे गे चेंड़े इःइअ । : बुगिन होड़ो को गे सिदा को चिटा ओःअ ।
64. बिङो काए गोजोःअ डंडअःओ का हुलागोःअ : बेगर नोकसन ते कमि उडुङ ।
65. बेंगड़ा टुंकि रे मनि सोअब गेअ । : लाईः पेरेःअकन रेओ लचम जोम सोअब् गेअ ।
66. बेगर राजा रेन परजाको । : अड़अः गोदाकन होड़ोको ।
67. बेएःअकद् उलिदअः जल रूड़ा । : हे लेआते रिंटि ।
68. बोडा दअः रे हाइ सब् । : हिनिः नि चिटा ।
69. बोओः सिकुम सातिङा चि लिजअः सिकु । : सदव चेतन सदव रे टोगोः ।
70. बोओः रे टोओः को रे एनङ मुंडिओःअ : दंदा रेगे सोंबेनअः इतुःअ ।
71. बोओः सिपिन जनते होलद् बोरोअ : मोने केटेः केआते बोरोः ।
72. बंड़ा हड़ा दो अलचि तेगेए रानुःअ : अड़अः गोदाकन होड़ो डंडअः बेगर काको बुजवोःअ ।
73. मनोवा होन गुना चेतन रे बुअ, चंडङ परतेदबु गुना जदा । : गुना चेतन गुनाए ।
74. मनतिङ लि रेदो महादेव कारे दो दिरि । : भोगोमान दो विश्वास चेतन री गेअ ।
75. मियद् होलद्ते होयोअकन होड़ोको : मिद् बोरोन / मिद् मधे होड़ोको ।
76. मिद् सअः ते लद् का इसिनोःअ । : कमि तरासअः ते का बइदड़िओःअ ।
77. मियद् बड़ियाँ ते का पीटि दड़िओःअ : एस्कर ते सोबेन कमि का रिका दड़िओःअ ।
78. मियद् बुचङ ते मंडि का इसिनोः अ ।: ने० "77" 1
79. मियद् सराअः हेंदे जनते गोटा हातु ले हेंदे जना । : मियद् निअः दोसिते सोबेनिः चिटाओः ।
80. मियद् ओड़अः तनिः राजा, बरिया ओड़अः तनिः एटअःनिअः सेता : मियद् कुड़ि दो गे बुगिना ।
81. मियद् तीते बरिया डाउ हलङ : मिसा ते बरिया कमि रे ती लगव ।
82. मियद् तीते बरिया सिंजु हलङ । : ने० "81"।
83. मिसा करोअ जोमकेद् उरिः एन करोअ तअःए सेन गेअ । : एद्कन हेवा का बगेओःअ ।
84. मियद् इपिड़िपियुङ ते दिसुम का मरसलोःअ । : ने० - 77 - ।

85. मियद्गे कोड़ा होन चि कद्सोम रेद् ।: एस्कर होन ।
86. मुंडाकोअ: कजि चि गड़ा गितिल रअ: दअ: । : जबान रअ: पका ।
87. मेद् कांड़ा बुगिना दिसुम कांड़ा का बुगिना । : मेद् बगड़व आते दिसुम बगड़व पुरअ: एद्का ।
88. मेनअ: रेदो हटअ: हटअ:, बनो: रेदो बटअ: बटअ: । : बेगर उड़ु: विचार ते जाँनअ: खरचा ।
89. तोवा ओमाइ रेओ बिङ सोदा गेअ ।: एद्कन होड़ो काको बुगिनो:अ ।
90. तोवा ते लो जनि: ओदासिओए बोरोअ ।: मिसा बेदाजन होड़ो ओड़ो: काए बेदाओ:अ ।
91. तोल करकद् का पेटेगो:अ । : पेड़े: दो सोनोतो: रे गेअ ।
92. तुइञ् केद् सार का रूड़ाअ: । : मोचा आते मोसा उड़ुङ जन कजि का रूड़ा ।
93. दअ: लेल केआते चउलि हंड़ब् : उड़ु: विचार केआते जाँन कमि एटे: ।
94. दअ: दल लेरे का हटिङो:अ । : नाता बगे हंबल गेअ ।
95. दल रिड़िंङो:अ हसुअन कजि का रिड़िओ:अ । : दल आते कजि पुरअ: हसुअ ।
96. दुबाकन ते कुला मअ: । : बोड़े बोड़े जगरबड़ाए ।
97. दुपिल सान ओड़ो: सगिड़ि सान मोद् गे जुलो:अ । : कमि बइ लेरे हुड़िङ खरचा तेओ बइदड़िओ:अ ।
98. दोरोब् रे दोरबार । : सोबेनअ: टका रे गेअ ।
99. राजि रे पजि । : सोंगेअकन को लो: बखेड़ा ।
100. रअ:ए कुला काए हुअगा । : ककलाबड़ाए होड़ो कमि काको पोकोतोएअ ।
101. राज गुन राज, देस गुन देस । : सोबेनअ: दिसुम जइन गेअ ।
102. रचा दुअर रे सेताओ कुला गे । : जगा जइन सोबेनि: को पेड़ेगो:अ ।
103. रेंगे:गे सिबिला । : रेंगे:अकन रे सोबेनअ: सिबिला ।
104. रोका टेंड़ोगो:नि: मुकुड़ि रेगेए लेल उरूमो:अ । : टमुटि होड़ो अएअ: कमि तेगेए उरूमो:अ ।
105. लुपु: रे सुकुरि । : जोम मेनअ: रेगे इसु कुपुलको ननामा ।
106. संगि मिंडि तिजु तेगेए गोजो:अ । : सजा रअ: कमिको पुरअ: ते बगड़वो: गेअ ।
107. संगि सेता आद् एस्कर सेता का दाड़िअ । : संगि होड़ो एस्करते काको दड़िओ:अ ।

108.	सिद्जन सिकुअर का टोन्डोमोःअ । :	मिसा बगड़वजन जी सिदा लेका का बइ रूड़ाओःअ ।
109.	सिंगि काए तोलोःअ । :	समय रोकव का दड़िओःअ ।
110.	सेतअः रेन कुपुल काए तइना । :	सेतअः दअः गमा एटः के रे काए अयुबेअ ।
111.	सेता चद्लोम इतिरे रेओ का सोजेओःअ ।	गुन का बदिलि दड़िओःअ ।
112.	सेतेङ दअः बगे केआते उपर बाड़िः ओतोङ ।	लो'बो ते सेनोः ।
113.	सोबेन मोड़ेया कटुः से गे बनोःअ । :	होड़ो सोबेनिः से गे काको तइना ।
114.	सोंकोटो रे सिम कटाओ चपिओःअ । :	दंदाजन रे ओकोअ का रिकाओःअ ।
115.	सौ दिन रेन कुम्बुडु मुसिङए सबोः गेअ । :	एद्कन कमि रे ससब् गेअ ।
116.	हगा हगा रे पगा । :	हगेया रेओ एपेरङ कपाजि उडुङोःअ ।
117.	हड़द् रानु गे सिबिला । :	ए' राङ होड़ोको गोनोङअन कजिओ को उदुबेअ ।
118.	हातु रअः रिंड़ि चि कटा रअः गव । :	रिंड़ि ओड़ोः कटा रअः गव से गे सदवा ।
119.	हिसि मुका पगरि तुद्का रेगे टुंडुअः :	कजि जाँ इमिनङ जिलिङए रेओ एनतअः रेगे टुंडुःअ ।
120.	हुड़िङ हके ते सोबेनअः मगोःअ :	हुपुड़िङ होड़ोको सोबेन कमि रे को जुगुतुःअ ।
121.	हेलता रे कारे चि मद् रे । :	हुड़िङ रे काए बुजव दड़िजन होन चि मरङ जनतेए बुजवोःअ ।
122.	होड़ो गोए:जन ते रोकोम बुइदिको : उडुङोःअ ।	सोंकोटो परोम जन ते रोकोम बतलव को उडुङोःअ
123.	होटोः रअः बयर कटा ते हड़गु । :	सजाइ को'म रूड़ाए ।

कटो ओनोल

(संक्षेपण)

जेता जिलिङ चकर च ओसर गे ओलाकन कजिको हिसब् सुनुमङ टुंङको रे कटो केआते ओल सोतो: संगोम रूड़ाए कमिगे कटो ओनोल कजिओ: तना । नेअ गे हिन्दी रे "संक्षेपण" ओड़ो: अंग्रेजी ते "Precis writing" को मेतअ: ।

नाअ: जुगु कटो ओनोल रेअ: जरूड़ु दिसुम रे अङओ: ते रसुंड़िसिङ अदेसिङ लेका गंड़ाइदि बुटाइदिओ: तन गेअ । होड़ोको तअ: रे फलतु ओड़ो: बेजरूड़ु ओलाकन कजिको लेलेल रेअ: अजउड़ि नुतुम रअ:ओ बनो:अ । निमतङ होड़ो सुपट दरकार रअ: कजिको बारि गे इतुन को सनङ तना । एना मेन्ते कटोओनोल रेअ: दरकार पोकोतो गे लेलो: तना ।

ओल पढ़व इतुनतन सेपेड़ेद् हपानुमको मेन्ते दो कटो ओनोल इतुन रअ: जरुड़ु गोटा रे रितागे लेलो: तना । कटो ओनोल होराते गे होनको मोन सुरुद् रे बुगिन ओड़ो: कमि रअ: कजिको एस्कर इतुन रअ: परगंड़ा को नमेअ । इनकुअ: जी इपअ:ए ओड़ो: बेजरुड़ु कजिको रे का रचागो:अ । नेकाते होनकोअ: जगर ओड़ो: ओनोल सुगड़ा ओड़ो: सोंगड़ा बइओ:अ । इनकु अकोअ: ओनोल को सब्सकतव दड़िअ: । ने होरा ते होड़ोकोअ: ओलो: कमि रे समय ओड़ो: सवङ समा रें का सेनो:अ ।

कटो ओनोल रेअ: बनइ मुंडि

1. सिदाउतर ते कटो ओनोल नगेन ओमाकन टुङको गोटा मोन ते मिसा कारे बरसा पढ़व चबाए लगतिङा ।
2. एन तयोमते जोतो टुङको मिद् रे लेका केआते अपितअ: रे मिद् बराबरि:गे हटिङ लगतिङा । कटो ओनोल दो मिद् हनटिङ रे जेगे टुङको लेका नमो: तना, इमिनङ रअ: गे बइओ:अ । जोनोका लेकाते - मोड़े हिसि टुङ को रअ: कटो ओनोल मिद् हिसि गेल अपिया टुङको रेगे चबाओ:अ ।
3. कटो ओनोल बइए सिदा रे जरुड़ु ओड़ो: गोनोङअन टुङको चिना केआते, चिना तद् टुङको ओड़ो: एटअ: सोमते ओल सोतो: संगोम रुड़ाए लगतिङा ।
4. कटो ओनोल रअ: मियद् ओनोल बोओ: (शीर्षक) होबाओ:अ । नेअ राजाअ: टुपुरि (ताज) लेका तेबेंद् ओड़ो: डिटुब् गे तइन लगतिङा । निमिनङ कजिको गे कटो ओनोल बइतन दिपिलि मोन रे दोए लगतिङा ।

कटो ओनोल ओड़ोः मूद् कजि ओनोल रेअः बिनगा

(संक्षेपण और आशय लेखन में अंतर)

पुरअः ते सेपेड़ेद् ओड़ोः हपानुमकोअः जी रे कटो ओनोल ओड़ोः मूद् कजि रेअः ओनोल सोतोः संगोमतन दिपिलि बरनअः रअः अड़अः उड़ुः जाउगे जी रे बिरिद् तना। चिमिनसा दो ने अड़अःउड़ुः तेगे ओलपढ़व इतुनतन होनको बरानअः मिद् गेको ओल सोतोः जदा।

मेनदो कटो ओनोल ओड़ोः मूद् कजि मिद् गे का ओलोः तना। ओनोल रअः जुगुतु बरानअः रेअः अपन अपन गेअ।

कटो ओनोल अइन अड़िते तोलाकना। मेनदो मूद कजि रे नेअ तोनोल बनोःअ। कुनुलि रे ओमाकन ओनोल आते मूद् कजि हुड़िङओ होबा दड़िओःअ ओड़ोः मरङओ होबा दड़िओःअ। मेनदो कटो ओनोल ने लेका का रिका दड़िओःअ।

मूद् कजि रे ओनोल रेअः बोओः (शीर्षक) एमोः रेअः जरुड़ु बनोः मेनदो कटो ओनोल रे नेअ एमोः तना।

गअः अंतर

(गद्यांश)

1. जाँ होड़ो गोएःजन रे उड़ुः दोए उड़ुगोः गेअ, मेनदो इनिः उड़ुः समा गेअ। अलोकाए सेनोः मेनते हटिकुटि उपायओः रेओ, हड़मअः सनङ एनका बनोः रेदोए सेनोः गेअ। गोनोःए आद् जिनिद् दो हड़मअः ती रे गेअ। इनिः चिलकाए सनङअ एनका गे होबाओःअ। ओकोनिः दो हड़मोःगे ने दिसुम रेए तइ रिकाइअ, ओकोनिः दंगड़ा रेए रअःइअ, ने ओड़अः रेनिः दो बलेः रेए रअः किःअ। नी अबुअः निःगे काए तइकेना, हुड़िङ दिन को लेललिका, जोगवलि काको ओड़ोः हुड़िङ दिन मेनते को रसिका कोः तीका मेनतेए कुल लिःअ। नाअः दो अएअः होड़ोए इदि रूड़ा किःअ, एना मेनते हुड़िङ जीन समा गेअ। अबु असुलोः मेनते कमि उदम कोबु लेला। असुलोः हंबला गोजोः दो का हंबला।
2. मनोवा होनकोअः जोनोम मोसा गेअ ओड़ोः गोनोःएओ मोसा गेअ। गुलि ते गोजोः तनिःओ मोसा गेए गोजोःअ, फसे ते ओड़ोः बिङ हुअः ते आद् कुला हुअः तेओ जेताए बरसा दो काए गोजोःअ, ओड़ोः जान जेतन दुकु ते गोजोः निओः मोसा गेए

गोजो:अ पुरअ: सिरमा जीद् को:ते गोजो: निअ:होड़ोमोओ सोयाओअ, जन्मजन लो:गे गोजो: तनिअ:ओ सोयाओ:अ । एना मेन्ते गोनो:ए दो बोरोअ समा गेअ । जोम टुंडु केदि: गोजो: गेअ ।

3. मिसन रअ: हुड़िङ आद् मरङ रअ: कजि पीटि लो:ते, हातु लो: ते ओड़ो: जति लो:ते का जोकाओ:अ । सोबेन अपन-अपन मिसन गे मरङ को अटकरजदा । मिसन लेलो: चीज दो का, एना मेन्ते हुड़िङ गेअ चि मरङ गेअ, सलंगि गेअ चि दिंगाए: गेअ मेन्ते कजि का दडिओ:अ । एना दो विश्वास रअ: कजि गे । ओकोनि: चिल्काए इनि: मेन्ते एनका गेअ । होड़ोको हुंडिन् ते मिसन का मरङओ:अ आद् होड़ोको बगेन ते का हुड़िङओ:अ ।

4. कुड़िकोअ: दो टोराकन गेअ । मेद् दअ: आद् सुलि: जमा रे गेअ । रअ: को एटे: केरे गे सुएं-सुएंतन को सुलि:अ । मिसा नेका जना, तोपा गड़ा तअ: रे गोए:जन होड़ोको इदि तेबअ: तअ:इचि कुड़िको रअ: तन लो: हटिकुटि को कजिजदा । ओकोनि: मेनजदा "ओ तइञ् सोना" "ओकोनि: दोए मेनजदा," "ओ तइञ् राजा" । ओकोनि: दो ओकोअ: गेए कजिजदा । जेताएअ: मोचा रिकुबाकन दो बनो:अ । तोबे मियद् कुड़ि सोरकेन सुलि:केन चिइ हिचिलअ: दो मियद् बुड़ियअ: डटा रे टो: जना । बुड़िया दो रअ: तन लो: एरङ तेगेए कजिअइतना, "ओचा, दाना जइञ, अम दाना चि कमे मेदाकना तइञ,। डटा रेगे नम सुलि: तअ: इञ्अ तइञ, ओचा दाना तइञ्," ने बुड़ियअ: ककला अयुम केद्ते पुरअ: होड़ो लंदा काको केसेद् दड़ितना । ओकोनि: दो मोचाए तुबिदेनतना, ओकोनि: दो लंदा केसेदो: का मेन्ते एटअ: को सअ: अरिद् काएअ: तना आद्ए तिरूब् बड़ाजदा । मेन्दो तारामारा को अपारिद् जन चिको लंदाकेदा । एन बुड़ियअ: कोड़ा मेतइतना "हपेअकनमे ना । अमदो सुलि:रअ: दुरङ मेन्ते चिम हिजु: अकना !" ने हड़मअ: कजि अयुम केद्ते पुरअ: ते होड़ोको लंदा केदा । चिकाएअको ड़ो: । दुकु हजुर रे लंदाजन गेअ, एन हड़म बुड़िया किङअ: कजि अयुमते ।

5. नुतुम दङ इसु दिन तइना; पएसा दो तिसिङएम तोड़े ता रे गपा गे एटअ: निअ: ती ते सेनो:अ । नेअ दो हलुमान लेकन चीजि दङ । सरअ: बोले मियद् दरू रे चिइ तइना ! ने दरू आते एटअ: दरू तेए सेनो:अ, ने कोतो आते एटअ: कोतो तेए कुड़िलएअ । एन लेका गे पएसा मिद् होड़ो तअ: रेगे अलोका तइन मेन्ते, सरकार पएसा रे सराअ:ए छपा कि:अ । एना मेन्ते गे सरकार

अए: बइकेद् पएसा होड़ोकोअ: ती रेए सेनो: रिका लेअ आद् माल होरा, रोड सेस होरा ओड़ो: दिगुअर डिबुआ होरा तेए असि रूड़ाकोअ ।

6. चुरिन बोंगा मनतिङ होड़ोकोअ: बबा चउलि रे बराकइत दो होबाओ:अ, मेन्दो एन ओड़अ: रेन होनको काको टेकाओ:अ । बले: रेए गोरे गोए: कोअ आद् बिरसा बोंगा मनतिङ तन कोअ: ओड़अ: रे उरि: मेरोमको खूब को पोसओ:अ । अअ: कुटि: मनतिङ तन को एन बोंगा आते सेन्देरा रे देंगाको नमेअ, मेनदो मनतिङ काको टउका कीरे अअ:सार लेकाए कुटिद् कोअ कारे होटो:ए पेंटोर कोअ एना मेन्ते जाँन जेतन बोंगा बइ का बुगिना । होड़ोको लोबो ते तारामारा एनकन को बाइअ, आद् सजाइको नमेअ आद् अकोअ: बोंगा अतिङजन रे, नजोम को सबो:अ । एना मेन्ते अपनअ: ओड़अ: रेदो सिंङबोंगा आद् हड़मको बारि मनतिड़ लगतिङा ।

7. विधि रे ओलाकन लेका दो होबाओ: गेअ । दिकुको कजितदा आद् इनकुअ: दुरङ रेओ अयुमो:अ - "विधि केर लिखल नहीं टरे" मेन्ते । एना रअ: मने दो "विधि रे ओलाकनअ: एते एटअ: का होबाओ:अ" मेनेअ:गे । अबु मनोआ होनको कबु इतुअना, विधि रे चिल्का ओलाकना मेन्ते । एना मेन्ते दुकु बुगिओ: का मेन्ते रानुबु जोमजद् नूजदा । मेन्दो चिउलाओ का गोजो: रअ: रानु जेता रे कम नमेअ । सोबेन को दङ पुंजिओ: बु नमतना, आद् हटिकुटि बु कमितना । मेन्दो सोबेन कबु पुंजिओ: तना । विधि रे ओलाकनअ: मुंडि केरे दो, ओकोनि: ओकोनि: कमि कबु जोरेअ आद् हसुतन रे रानु कबुअ:गेअ । एना मेन्ते कबु मुंडि जद्अ:गे बेसतना । गोजो: रअ: नेडा टो'र अयरो:रेदो खाने हिसाबो:अ आद् जी रे जेतन सुकु का तइना ।

8. बोरो जेतानअ: रे बनो:अ, एना का लेल नमो:अ, का सब् नमो:अ । मेन्दो एना मिद् रकम रअ: अटकर गे तनअ: । एना रअ: अटकर हिजु:तन दिपिलि, सेताकोअ: चद्लोम अए: तेगे गपुइओ:अ । चद्लोम गपुइ:अ मेन्ते सेताकोअ: सनङ दो एन दिपिलि का तइना, आद् केड़ा उरि:को मेन्तेओ एनका गेअ, सिमको मेन्तेओ एनका गेअ । होड़ोको बोरो केरे दो कजिते पुरअ: सा को मुंडिओ:अ । लद्लुद् तन को जगरेअ, कुला उम्बुल तअ:इ लेकाको टोरेअ । पुइला लेका बोओ: मोतन गेको अटकरेअ ओड़ो: मिसा मिसा दो मेद् रेको लेल उरूमो:अ ।

9. सिंङबोंगा दो सोबेनकोअ:अपुगे । जेता जति काए चिलानकोअ:, सोबेन कोअ:ए अपुअकना । एना मेन्ते हड़म मेन्तेओए कजिओ:तना । ओड़अ: बोंगाको दो अबुअ: पुरखाको गे, उम्बुल अदेर हुलङको बोलोअ ।, निकु एटअ: जतिकोअ: काकोअ: । इकिर बोंगा, बुरू बोंगाको दो असुर जतिको गे, इनकु सिदा जुगु रे बड़ायको तइकेना । रो'गो बोंगाको सोबेन दिकु बोंगाको गे ।

10. अइञ् ने दिसुम रे इसु रकम होड़ोकोइञ् लेलाकद्कोअ । देंवड़ा तअःम सेनोःरे बोंगाए नमम गेअ आद् दाड़ेंए फरमाइस मे गेअ । बुइदि तअःम सेनोः रे दुकु रअः रकमए कजिअम गेअ । आद् जॉनअः मनाए गेअ । उकिल तअःम सेनोःरे आद् का डिगरिओः लेका आइन लेलोःरेओ बेयानाए उदुबममें गेअ आद् तीए अतङएअ । डॉक्टर तअःम सेनोः रे, जोमेअःए मनाए गेअ आद् हसुतनिः चिल्का - चिल्का लेलकिःरे कतुए चलावे गेअ । एना मेन्ते एनकन कजि कोरे कबु सेसेना । दुकु ते दङ होड़ाको गोजोः तना, जोम नू ते चि ? जाँ उरिः हसुतन रे, खूब रानुइमें आद् तसद् मना तइमें, इनिः जीदोः अए चि ?

11. ने दिसुम रे एनका गे दङ समा गेबु उड़ुः तना । लेलेमे, होड़ो गोएः जन रे, गोटा हतु कुड़िको रअःएअ; ओकोनिः दो कुड़मए गिलेना, ओकोनिः दो मोद् बर सांज मंडि काएअः । एनका समा गे दङको रिकन तना । सोबेन मनोअ को रअःए रेओ तोपाकनिः दो उटुल केते काए उड़ुङओःअ । मेन्दो एन समा उड़ुः कम बगे जदा । अनादो जांनअः लेका सेन बगे, निर बगेओः रे दङ । दड़िओः रे दङ गड़ा रेम अतु गिड़िअ कारे बुसु लेकाम ओंडोर गिड़िअ । मेन्दो का दड़िओःअ, एना अएः तेगे सेनोः कोः एनङ ।

12. जां होड़ो गुनए नमता रे अएः मेन्ते एस्कर दो काए नमाकदा मेन्दो एटअः को मेन्तेओ गेए नमतदा । इसु दङ बुइदिको रानुको मुंडितदा; अको बारि गेदो काको रानुन् तना, मेन्दो एटअः एटअः होड़ोको को रानुजद् कोअ आद् रानुतन रअः काको गोनोङएन तना । तारा मारा होड़ोको पुंजिअकना; हड़मअः भंडारि लेका मेनअः कोअ; इनकुअः ती रे बाबा चउलिइ जिमातदा एनाते एटअः कोओ को देंगाओः का मेन्ते ।

13. बिङ जोओः को जोओः तन रेअः गोनोङ को असि केरे हुड़िङ दिन रेगे को बो'न्डोःअ । बिङ जोओः इतुन तन रअः गोनोङए असि केको रेदो, गुरू गेए बो'न्डोः अ । तारा मारा पड़व इतुअन को रानु ओड़ोः मोंतोरको ओलेअ, मेन्दो हेंदे सेअइ ते ओल केते इतुनकोअः मोंतोर का टोगोःअ, अरअः सेअइते ओल लगतिङा आद् हेंदे सिअइ ते ओल ओल ते इतुन ज़न बुइदिकोअः रानु, अरअः सेअइ ते ओल केद् कोअः इमिनङ रानु रअः गुन तको का टोगोःअ ।

14. नगे कुड़िको हतु रेन दंगिड़िको लोः गति कोःते अकड़ा रे सुसुन को मोनेअ, मेन्दो काको अटकार रिकाना । नगे कुड़ि हेलवोन जन रे सुसुन पुरअः उत्तर गे तालोःअ । मिसा मिसा दो रसिका रअः जोरते गतिअकन जाँ दंगिड़ि च दुरङतन जाँ दंगड़ा सुसुनतन रे को रूमउतरोःअ । नगे कुड़िको मनोअ कुड़िकोअः रूप रेको लेल

रिकाना, मेन्दो बन्दुनुअकन दिपिलि को लेल जन रे इनकुअः इंडिका अयर सअः रे लेलोःअ आद् इनकुअः देअ सअः कोकोरोअकन लेलोःअ ।

15. देंवड़ा च सोखा तअः चउलि जङ इदि होराते सोंगड़ होड़ो कोअः मोन को रे नेअ विश्वास सिरजाओः तना । ओड़अः रे हसु दुकु होबाजन रे चउलि जङ भव केते देंवड़ा च सोखा कजिअ-"फलना इकिर बोंगा च फलना बुरू बोंगा हतिरतना आद् नेकन मेरोम दंड़े नमतना, हेनकन मेरोम दंड़े नम तना । दंड़े कापे ओमइ रेदो हसुतन होड़ोए गोएः उतरिअ ओड़ोः बोंगा कपे रजि लिरे दो रानु का टोगोःअ । एना बोरो बोलो जन चि रानु किरिङ मेन्तेओ आद् दंड़े किरिङ मेन्तेओ को खरचा जदा ।

16. मनोअको दो पवन बोंगाको सेवा सुसर तेगे इनकुअः जुदा जुदा गुन को नमाना । एनका गे महादेव सेवा तनिः सोखाए मेनोः तना आद् इनिः नमक़ेद् गुन सोखा गुन मेनोःतना । शिव शंकर सेवा तनिः देंवड़ाए मेनोःतना आद् इनिः नमाकद् गुन देंवड़ा गुन मेनोः तना । मोनसा देवता सेवा तनिः ओझाए मेनोः तना आद् इनिः नमाकद् गुन ओझा गुन मेनोःअ । ने उपुन रकम होड़ोको गे पवन बोंगाको आते पोकोता गुन को नमाना ।

लिका ओनोल
(पत्र-लेखन)

नाअः जुगु कमि उदम मेन्ते होड़ोको दिसुम को सेनोः तना । होन होपोन मिद्तअः रे काको तइ दड़िअ तना । हगा कुटुमको लोः लेपेल ओड़ोः मिद् टुङ मोचा जगरो इसु बलय बइअकना । ने लेकान दसा रे मियद् एटअः निः लोः ते दुकु सुकु रअः कजिको उपुदुब् मेन्ते एटअः होरा गे बनोःअ । चिट्ठी होरा तेगे परका-परका रे तइनोः तन रेओ हगा होन ओड़ोः कुटुम कुपुलको लोः हाल चाल चि बेस बेकार रअः कजिको उपुदुब् दड़िओः तना । चिट्ठी रअः देंगा तेगे हिजुः सेनोः रअः होरा बलय ओड़ोः संगिन दिसुम रअः होरा खरचाको सरेः दड़िओः तना । एना मेन्ते दिनाकि रअः ने जिदन रे लिका रअः मइन ओड़ोः मनरङ रिता गे लेलोः तना ।

लिका ओनोल मुंडि
(पत्र लेखन विधि)

1. लिका सोंगड़ा ओड़ो: सुगड़ा जगर रे ओलो: लगतिङा।
(पत्र सरल और सुन्दर भाषा में लिखा जाना चाहिए।)
2. सिड़ि: बिड़ि: ओड़ो: सिड़ुअद् कजिको लिका रे का ओलो: लगतिंङा।
(अपशब्दों का प्रयोग पत्र लेखन में कदपि नहीं करना चाहिए।)
3. लिका रे तारा अतोम आते कमि रअ: कजिको एस्कर गे ओले लगतिंङा, समा रअ: कजिको दो का।
(पत्र में केवल काम की बातों का ही उल्लेख करना चाहिए, व्यर्थ की बातों का नहीं।)
4. मिसा ओलजन कजि खनेसा का ओल रुड़ाए लगतिङा, एनका रे अंवगे लिका जिलिङ चकरो:अ ओड़ो: इपअ:ए रे ओनोल सकम ओड़ो: खरचा पोसाओ:अ।
(जो बातें एक बार लिख दी जाती हैं उन बातों की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए अन्यथा चिट्ठी की लम्बाई-चौड़ाई बढ़ेगी तथा व्यर्थ में कागज और खर्च बढ़ेगा।
5. लिका ओनोल सुगड़ा ओड़ो: फरचि होबाओ: लगतिङा। बकंड़ा रेअ: सोनोतो: रे तारा बकंड़ा कोटोङ, पुरा बकंड़ा कोटोङ ओड़ो: जोनोटो: चिनाको (-), जगा जाइन ओमो: लगतिङा। (पत्र की लेखनी सुन्दर और साफ होनी चाहिए, आवश्यकता अनुसार वाक्य में अर्ध्द विराम, पूर्ण विराम और संयोजक चिह्न (-) का प्रयोग होना चाहिए।)
6. लिका रे ओल तनिअ: मुंडि, तरिकि, ओलाइ तनिअ: जोअर नाता, दुकु सुकु रअ: हाल चाल, कमि रअ: कजिको, नमेनि: जोअर रूड़ाइ कजि ओड़ो: टुंडु रे कुलाइ तनि: लो: ते नाता सब्जद् लो: अपनअ: नुतुम ओले लगतिङा। (पत्र में लिखने वाले के स्थान का पता, तारीख, सम्बोधन के शब्द, दु:ख-सुख और काम की बातों के साथ पत्र पाने वाले को धन्यवाद के दो शब्दों के साथ नाम का उल्लेख अवश्य करना चाहिए।

लिकाको रेअः रोकोम
(पत्रों के भेद)

लिका अपितअः रे हटिङाकना :-

1. सोंगड़ा लिका ।
2. नम उदम नङ ओलोः तन लिका ।
3. सरकारी लिका ।

कुटुम्-कुपुल, एंगा-अपु, हगा-मिसि, गति-सोंगोति, ओड़ोः नेयोता एमन लिकाको सोंगड़ा लिका कजिओः तना । नम उदम नङ ओलोःतन लिकाको रअः ओनोल मुंडि सोंगड़ा लिका रअः ओनोल मुंडि आते बिनगा गेअ । ने लिका रे सोंगड़ा लिका लेका दुकु सुकु रअः कजिको का ओलोः तना मेन्दो नेरे कमि रअः कजिको एस्कर गे ओलोः तना । एन लेका गे सरकारी लिका रेओ कमि रअः कजिको बारिगे ओलोःतना ।

लिका ओनोल
(पत्र-लेखन)

1. टका असि नगेन अपुतअः लिका ओल रेअः मुंडि ।

मइनन् अपुइञ् ।

मइनसम जोअर,

निमिर अइञ् बुगिन गेअ । असराए तनइञ् अपेओ जाअः सिङबोंगाअः मरङ पोरतब् ते ओड़अः बरिद् पे बुगिन गेअ । अइञ् ने हलि ओड़अः काइङ हिजुः दड़ितना । पड़व ते ओड़अः हिजुः रअः समय काइञ् नमजदा । मेन्दो हुड़िङ लेका कितबको किरिङ मेन्ते टकइञ् जरूड़ुः तना ।

एंना मेन्ते चिमिनङ गे सेकड़ा होबा दड़िओःअ, डाक ते कितब किरिङ नगेन टका कुलाइञ्बेन ।

अबेनअः होन कोड़ा
बिरसा टुटी
ता० 13 / 3 / 04.

ओड़अः रअः अडंदि नगेन छुट्टी असि रअः दरखास

मइनन् मरङ ईतु गोमके,
एस० एस० हाई स्कूल खुँटी,
मइनन् गोमके,

अइञ् सुकराम हस्सा, इसु पुरअः नोरोम मोन ते अबेनातेइञ् गोवारि तना। हिजुःतन सोमर हुलङ अले ओड़अः रे मरङ बाउइञ्अः अड़ंदि मेन्अः। कोनेया आउ मेन्ते एन हुलङ निदा गे मुरहू जपअः गोड़ाडी ले सेनोः तना ओड़ोः गपातेरे अयुब को बिदा लेअ। अले ओड़अः रे रूड़ाकोःहुलङ दो का, एन तयोम हुलङ जोम नू मेनअः। एना मेन्ते अइञ् उपुन मा ता० 13.3.2004 आते 16.3.2004 ता० सन्ते स्कूल काइञ् हिजुः दड़िअः।

नेअ मेन्ते अइञ् अबेनातेइञ् अरजि तना, ने दिन रअः छुट्टी ओमाइञ् बेन। अइञ् अबेनअः ने गोनोङअन देंगा चिउलाओ काइञ् रिड़िङएअ।

अबेनअः
सुखराम हस्सा
ता० 11. 3. 2004

मरङ ईतु गोमके तअः स्कूल अकम लेद् रअः दरखास

मइनन् मरङ ईतु गोमके
एस० एस० हाई स्कूल खुँटी,
मइनन् गोमके,

इसु पुरअः लेबेः मोन ते गोवारि तन लोः उदुबाबेन तनाइञ्, अइञ् सेनोःजन अठउरि रबङ रूआ नमकिःइञ् ते ता० 11.2.2004 आते 15.2.2004 ता० सन्ते समजमा मोड़े मा स्कूलेइञ् अकम लअः।

एना मेन्ते अबेनातेइञ् अरजि तना, ने दिपिलि रअः छुट्टी मंजुराइञ् बेन। अइञ् अबेनअः ने मरङ लिबुःइ देंगा तयोम सन्ते काइञ् रिड़िङएअ।

अबेनअः
मरसल नाग
ता० 16.2.2004

देंगा पुथिको
(सहायक पुस्तकें)

मुण्डा जगर मुंडि रेव० डॉ० अल्प्रेड नोतरोत	प्रकाशन वर्ष	1871 ई०
मुण्डारी ग्रामर, कलकत्ता फॉ० जॉन बपतिस्त हॉफमन, एस०जे०	प्रकाशन वर्ष	1903 ई०
होड़ो जगर मुंडि, निर्मल सोय	प्रकाशन वर्ष	
मुण्डारी सरल शिक्षा कजि तुरतुङ प्रो० जे० सी० तिलमिङ	प्रकाशन वर्ष	
मुण्डारी सीखने का सरल व्याकरण जोसेफ तोपनो	प्रकाशन वर्ष	
मुण्डारी शिक्षक जगन्नाथ महतो	प्रकाशन वर्ष	
इनसाइक्लोपीडिया मुण्डारिका खंड-16 फॉ० जॉन बपतिस्त हॉफमन	प्रकाशन वर्ष	1950 ई०
बइअङकिर (जगर मुंडि) निकोदीम केरकेट्टा "सलायन"	प्रकाशन वर्ष	1981 ई०
टीच योरसेल्प मुण्डारी सी० ए० हंस	प्रकाशन वर्ष	
मुण्डारी संक्षेप व्याकरण डॉ० मनमसीह मुन्डू	प्रकाशन वर्ष	1985 ई०
मुण्डारी हिन्दी व्याकरण, डॉ० राम दयाल मुण्डा	प्रकाशन वर्ष	
जोनोका कजि ओड़ो: कजि रअ: जुगुतुको प्रो० मनसिद्ध बड़ायऊद ।	प्रकाशन वर्ष	1987 ई०
हड़मकोअ: काजिको (मुंडा कहावतें और लोकोक्तियाँ) प्रकाशक - कैथोलिक प्रेस, राँची ।	प्रकाशन वर्ष	

फा० पी० पोनेट् एस०जे०
मथुराअः कहनि, खण्ड - 5 प्रकाशन वर्ष 1984 / 86 / 87 / 89
मेनास राम ओड़ेया
नेसफील्ड ग्रामर, प्रकाशन वर्ष
आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना प्रकाशन वर्ष 1993 ई०
23 वाँ संस्करण
डॉ० वासुदेव नन्दन प्रसाद
मुण्डारी हिन्दी शब्दकोश, प्रकाशन वर्ष 1973 ई०
बिहार जन जातीय कल्याण शोध संस्थान राँची।
ए मुण्डारी इंगलिश डिक्शनरी, कलकत्ता प्रकाशन वर्ष 1931 ई०
मुण्डारी टुङकोढारि (मुण्डारी शब्दकोष) प्रकाशन वर्ष 1995 ई०
प्रथम संस्करण
डॉ० मनमसीह मुण्डू।